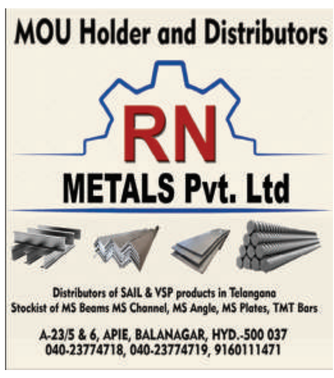

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 10 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-10

हमारा सिकंदराबाद

तलसानी ने की अलग मेयर की माँग

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बीआरएस के डिप्टी फ्लोर लीडर तलसानी श्रीनिवास यादव ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह नए नगर निगमों हैदराबाद, साइबराबाद और मलकाजगिरी के गठन के जरिये सिकंदराबाद की पहचान मिटाना चाहती है। सिकंदराबाद स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, कि 220 वर्षों से चली आ रही लश्कर संस्कृति, रेलवे स्टेशन, राष्ट्रपति निलयम, परेड ग्राउंड, लश्कर बोनालू और बहु-धर्मीय-बहु-सांस्कृतिक विरासत को गूगल मैप पर बैठकर खींची गई नई सीमाओं से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुनर्गठन जरूरी है तो सिकंदराबाद या लश्कर के नाम से अलग जिला/नगर निगम बनाया जाए, मलकाजगिरी के नाम पर नहीं।

300 डिवीजन-एकतरफा सर्वे के बिना

तलसानी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर अराजक प्रशासन चलाने का आरोप लगाया और कहा कि 1.5 करोड़ आबादी वाले हैदराबाद को 300 डिवीजन में बाँटने का प्रस्ताव बिना जन-सुनवाई और फील्ड सर्वे के सिर्फ़ गूगल मैप से तैयार किया गया है। उन्होंने चेताया कि सरकार अपना प्रस्ताव वापस नहीं लेती तो आंदोलन तेज किया जाएगा। इसी क्रम में 11 जनवरी को ले पैलेस में सभी दल, नागरिक संगठन, रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और व्यापारी संघों की संयुक्त बैठक होगी और 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड गांधी प्रतिमा तक विशाल रैली निकाली जाएगी।

सिकंदराबाद की पहचान तेलंगाना की संस्कृति का हिस्सा, समझौता नहीं

पूर्व डिप्टी स्पीकर टी. पद्मा राव गौड़ ने कहा कि सिकंदराबाद की पहचान तेलंगाना की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ी हुई है और इसे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में प्रतीकात्मक विरोध चल रहा है, लेकिन यदि सरकार नहीं मानती तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन को और तेज किया जाएगा ताकि सिकंदराबाद को उसका उचित सम्मान मिल सके।

विलीन क्षेत्रों के लिए 2,260 करोड़े का प्रावधान

ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कार्पोरेशन ने हाल ही में ग्रेटर में विलीन हुए बाहरी इलाकों को महा दौर (विकास का तौहफा) देने की योजना बनाई है। विलीन होने से पहले ग्रामीण माहौल वाले इन क्षेत्रों में अब ग्रेटर हैदराबाद की तर्ज पर बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की तैयारी शुरू हो गई है। सड़कों का विस्तार, भविष्य में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए अंडरपास, फुटओवर ब्रिज और जरूरत के मुताबिक फ्लाईओवर बनाने की योजना है। साथ ही स्ट्रीट लाइट्स के रखरखाव पर भी ध्यान दिया जाएगा। 2026-27 के वित्त वर्ष के लिए बनाए गए 11,460 करोड़ रुपये के बजट में जीएचएमसी ने विलीन हुए सर्कलों के लिए 2,260 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार ने दी 400 करोड़ की ग्रांट, प्लानिंग शुरू

स्थानीय निकायों की आय को देखते हुए 1,000 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के तौर पर रखे गए हैं। इसके अलावा प्रशासनिक खर्च के लिए 860 करोड़ रुपये और राज्य सरकार की ओर से 400 करोड़ रुपये ग्रांट के तौर पर दिए गए हैं। जीएचएमसी अब कोर सिटी की तर्ज पर विलीन क्षेत्रों में भी मेगा सिटी के अनुरूप विकास कार्यों को अंजाम देने की योजना बना रही है। हालांकि कुछ इलाके जीएचएमसी सीमा के बेहद करीब हैं, लेकिन वहां बुनियादी ▶10 पर

दीदी पैदल

संसद से सड़क तक मार्च-ईडी सुनवाई टली

कोलकाता, 9 जनवरी, (एजेंसियां) ।
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ एक मेगा मार्च निकाला। इस दौरान उन्होंने कहा, कल का दिन मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा था। यह मार्च राजनीतिक कंसल्टेंसी कंपनी आई-पीएसी के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर गुरुवार को हुई ईडी की छापेमारी के विरोध में आयोजित किया गया था। ममता बनर्जी के नेतृत्व में हजारों लोग कोलकाता की सड़कों पर उतरे और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

मैंने अपनी जिंदगी में हजारों लड़ाइयां लड़ी हैं

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मार्च को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने महज कुछ ही समय में 10.5 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने कहा, मैं रोज़ाना करीब 30 हजार कदम चलती हूं। कोलकाता की सड़कों पर ऐसा लग रहा था जैसे लोग बगावत पर उतर आए हों। ममता ने अपने राजनीतिक संघर्षों को याद करते हुए कहा, मैंने अपनी जिंदगी में हजारों लड़ाइयां लड़ी हैं। हाजरा इलाके में एक बार मैं मौत के मुंह से बची थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय सीपीएम के गुंडों ने लोहे की जंजीरों से उनका पीछा किया, लाठी से सिर पर हमला किया गया, खून बह रहा था और उन्हें लगातार पीटा गया। उन्होंने कहा, मुझे कई फ्रैक्चर हुए, लेकिन मैं काम के जरिए जीती हूं। ममता बनर्जी ने कहा, जब-जब मुझ पर हमला होता है, मुझे नई ऊर्जा मिलती है। जैसे कल हुआ, वह दिन मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा था। उन्होंने टीएमसी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि जो लोग पार्टी को गाली देते हैं और बदनाम करते हैं, वे टीएमसी के कार्यकर्ताओं को नहीं जानते, जो मुस्कुराते हुए फांसी पर चढ़ने को भी तैयार हैं।

बीजेपी पर हमला, रोहिंग्या और फंड रोकने का आरोप

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी बंगाली भाषा बोलने वालों को बांग्लादेशी बताकर बदनाम कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन रोहिंग्याओं की बात पहले की जाती थी, वे अब कहां हैं और रोहिंग्या भारत में आखिर आते कहां से हैं। ममता ने केंद्र सरकार पर टैक्स के नाम पर राज्य का पैसा छीनने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिम बंगाल को मिलने वाला सारा केंद्रीय फंड रोक दिया गया है।
▶10 पर

बाजार में हड़ट्रंप

13 लाख करोड़ डूबे - सेंसेक्स 2200 अंक टूटा

नई दिल्ली, 09 जनवरी (एजेंसियां)।
सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय शेयर बाजार के लिए बुरा सपना बनकर रहा। लगातार पाँच कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स करीब 2,200 अंक लुढ़क गया। अंतिम दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 604 अंक गिरकर 83,576 और निफ्टी 193 अंक टूटकर 25,683 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक भी 435 अंक लुढ़का। BSE के टॉप-30 में 21 शेयर लाल और केवल 9 हरे निशान पर रहे। पाँच दिनों में निवेशकों की कुल संपत्ति 13.37 लाख करोड़ रुपये घटकर 467.87 लाख करोड़ रह गई।

500% टैरिफ की आशंका : अमेरिकी विधेयक से भारत-चीन-ब्राज़ील पर गाज

गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नया विधेयक बना। सीनेटर लिंडसे ग्राहम के मुताबिक, रूसी तेल खरीदने वाले देशोंभारत, चीन और ब्राज़ीलपर 500% तक टैरिफ लग सकता है। इस धमकी से विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे हैं; केवल 8 जनवरी को ही 3,367 करोड़ के शेयर बेचे गए। एशियाई बाजारों की कमजोरी और अमेरिका-भारत व्यापार डील पर रोक ने भी नकारात्मक रुझान बढ़ाया।

कच्चा तेल महँगा, रुपया कमजोर: भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई चिंता

ग्लोबल क्रूड की कीमतें फिर चढ़ रही हैं; भारत की तेल आयात निर्भरता को देखते हुए यह इक्विटी के लिए दोहरा झटका है। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से आयात बिल और बढ़ेगा। आज अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट टैरिफ विधेयक पर अपना फैसला सुनाएगायदि कोर्ट ने मंजूरी दी तो नए सिरे से ट्रेड वार छिड़ सकता है और भारतीय बाजार को और गहरा धक्का लग सकता है।

टैरिफ पर 'सुप्रीम फैसला' अभी नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विवादित टैरिफ नीति को लेकर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में आज होने वाली अहम सुनवाई टल गई है। इस मामले पर आज आने वाला फैसला ट्रंप के लिए पहली बड़ी कानूनी अग्निपरीक्षा माना जा रहा था।

सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना था कि ट्रंप प्रशासन ने International Emergency Economic Powers Act (IEEPA) के तहत जो टैरिफ लगाए थे, वे संवैधानिक और कानूनी रूप से सही थे या नहीं। इस फैसले पर न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों की नजरें टिकी हुई थीं।
▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 17^0
न्यूनतम : 14^0

अब शोरूम में ही पंजीकरण

हैदराबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)
सडक परिवहन विभाग (आरटीओ) में नये वाहनों का पंजीकरण किसी यातना से कम नहीं होता। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे इस विभाग में कदम-कदम पर लूटा जाता रहा है। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना हो या नये वाहनों का पंजीकरण हर काम की यहाँ भारी कीमत चुकानी पडती है। यहाँ आप बिना दलाल के कोई भी कार्य नहीं करवा सकते, भले ही आप कितने ही होशियार या पढे लिखे हो।

सब कुछ आनलाइन होने के बावजूद लंबी कतारों में पूरा दिन खपाना ही पडता है। हालांकि अब वाहन खरीदारों की लंबे समय से चली आ रही मांग हकीकत बनने जा रही है। परिवहन विभाग ने गुरुवार को एक सरकारी आदेश जारी करते हुए नए वाहनों के पंजीकरण के लिए आरटीओ जाने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत मोटरसाइकिल और कार खरीदारों को पहली बार पंजीकरण के लिए अपने वाहन को आरटीओ कार्यालय तक ले जाने की जरूरत नहीं होगी।

दो हफ्तों में लागू होगी नई व्यवस्था, शुल्क में कोई बदलाव नहीं

यह सुविधा लगभग दो सप्ताह के भीतर प्रभावी हो जाएगी। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने 2024 में इसका संकेत दे दिया था। करों और पंजीकरण शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आरटीए अधिकारियों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य भर में हर दिन लगभग 3,000 वाहनों का पंजीकरण होता है, जिससे आरटीओ पर भारी दबाव रहता है। ▶10 पर

नेपाल : प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और केपी शर्मा ओली के बीच तीन घंटे से अधिक हुई बैठक

काठमांडू,09 जनवरी (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच गुरुवार को तीन घंटे से अधिक समय तक वन टूव वन वार्ता हुई। इस बैठक का मुख्य विषय आगामी पांच मार्च को होने वाले चुनाव रहे। ओली प्रधानमंत्री के सरकारी आवास बालुवाटार पहुंचे थे। प्रधानमंत्री कार्की के प्रेस सलाहकार राम रावल ने बताया कि शुरुआत में वह प्रधानमंत्री के पति दुर्गा सुबेदी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने आए थे, लेकिन जल्द ही यह मुलाकात दोनों नेताओं के बीच लंबी राजनीतिक बातचीत में बदल गई। रावल के मुताबिक, बातचीत सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई और दोपहर लगभग 2:30 बजे तक चली। रावल ने बताया कि चर्चा का मुख्य फोकस पांच मार्च को होने वाले चुनाव रहे। रावल ने कहा, दोनों नेताओं के बीच तीन घंटे से अधिक समय तक एकांत संवाद हुआ। इस बातचीत से दोनों पक्षों के बीच विश्वास का माहौल बना है। वार्ता के दौरान ओली ने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी एमाले चुनाव में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगी। रावल के अनुसार, ओली ने सरकार को भरोसा दिलाया कि एमाले की ओर से चुनाव के दौरान किसी भी तरह का अवरोध या हिंसा नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ओली ने पार्टी की ओर से चुनाव में भाग लेने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में उतरने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। रावल ने बताया कि बैठक के दौरान ओली ने प्रधानमंत्री कार्की के पति के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली।

इसके अलावा, उन्होंने चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई, जिस पर प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार ने सभी आवश्यक प्रबंध कर लिए हैं और एमाले से आत्मविश्वास के साथ चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि 08 और 09 सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन के बाद ओली सत्ता से बाहर हुए थे और 12 सितंबर को सुशीला कार्की प्रधानमंत्री बनी थीं। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच लंबे समय तक सीधा संवाद नहीं हो पाया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका की सख्त चेतावनी: नियम तोड़े तो रद्द होगा वीजा, हमेशा के लिए लग सकती है पाबंदी

वाशिंगटन। अमेरिका में उच्च शिक्षा का सपना देख रहे और वहां रह रहे भारतीय छात्रों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और कड़क चेतावनी जारी की गई है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने सख्त लहजे में स्पष्ट किया है कि अमेरिका में रहने के दौरान वहां के स्थानीय कानूनों का उल्लंघन करना छात्रों के करियर और भविष्य के लिए भारी पड़ सकता है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से यह संदेश दिया है कि अमेरिकी वीजा प्राप्त करना कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेष सुविधा (प्रिविलेज) है, जिसे नियमों की अनदेखी करने पर किसी भी समय वापस लिया जा सकता है। दूतावास की इस चेतावनी के अनुसार, जो छात्र किसी भी कानूनी उल्लंघन या आपराधिक गतिविधि में शामिल पाए जाते हैं, उनका स्टूडेंट वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। केवल वीजा रद्दीकरण ही नहीं, बल्कि दोषी पाए जाने वाले छात्रों को अमेरिका से डिपोर्ट (निर्वासित) कर वापस भारत भेज दिया जाएगा। सबसे गंभीर बात यह है कि एक बार नियम तोड़ने के कारण डिपोर्ट होने वाले छात्र भविष्य में दोबारा कभी भी अमेरिकी वीजा प्राप्त करने के लिए अयोग्य घोषित किए जा सकते हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि एक छोटी सी गलती छात्र के अंतरराष्ट्रीय करियर को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है। वर्तमान में भारत, अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है। इसी कारण अमेरिकी एजेंसियां अब वहां रह रहे छात्रों की गतिविधियों, उनके काम करने के तौर-तरीकों और वीजा नियमों के पालन पर पैनी नजर रख रही हैं। दूतावास ने छात्रों को सलाह दी है कि वे अपनी शैक्षणिक यात्रा को सुरक्षित रखने के लिए वहां के हर छोटे-बड़े कानून का पूरी गंभीरता से पालन करें।

भारतीय अभिनेता संजय दत्त नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे

काठमांडू। भारतीय अभिनेता संजय दत्त गुरुवार देरशाम विशेष विमान से नेपाल की राजधानी

काठमांडू पहुंचे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक और नेपाली फिल्म जगत से जुड़े कलाकार मौजूद रहे। संजय दत्त नेपाल में एक बहुप्रतीक्षित हिंदी-नेपाली फिल्म परियोजना तथा एक निजी व्यावसायिक कार्यक्रम में भाग लेने काठमांडू आए हैं। काठमांडू के दरबार मार्ग स्थित पांच सितारा होटल बाराही में नवनिर्मित बादशाह कैसिनो का शुक्रवार को उदघाटन करने का कार्यक्रम है। उनकी टीम ने बताया कि वे यहां दो दिन तक रहेंगे। हवाई अड्डे पर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में संजय दत्त ने कहा कि उन्हें नेपाल आकर हमेशा विशेष खुशी महसूस होती है। उन्होंने नेपाली दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नेपाल से उनका भावनात्मक जुड़ाव रहा है और वे भविष्य में नेपाली फिल्म उद्योग के साथ भी काम करना चाहते हैं। फिल्म उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि संजय दत्त की यह यात्रा नेपाल और भारत के फिल्म उद्योग के बीच सहयोग को और मजबूत कर सकती है।

अमेरिका ने ब्रिटेन में भारी हथियारों से लैस दर्जनों विमान किए तैनात दुनिया भर में हड़कंप

वाशिंगटन। वेनेजुएला पर हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद अमेरिका अब यूरोप में किसी बड़े अभियान की तैयारी करता नजर आ रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, भारी हथियारों और घातक मिसाइलों से लैस दर्जनों अमेरिकी सैन्य विमानों ने ब्रिटेन के विभिन्न हवाई अड्डों पर लैंडिंग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले कुछ दिनों में ईरान, ग्रीनलैंड, कोलंबिया और नाइजीरिया समेत कई देशों को दी गई कार्रवाई की धमकी के बीच इन विमानों की तैनाती ने वैश्विक तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, कम से कम 14 सी-17 (सी-17) ग्लोबमास्टर 3 कार्गो विमानों के अलावा दो एसी-130जे घोस्ट राइडर गनशिप्स को ब्रिटेन के रायल एयर फोर्स के फैयरफोर्ड, मिल्डेनहाल और लेकनहेथ बेस पर उतारा गया है। सी-17 विमान अपनी लंबी दूरी के एयरलिफ्ट मिशनों और भारी सैन्य साजो-सामान ढोने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, जबकि घोस्ट राइडर गनशिप आधुनिक तोपों, बमों और मिसाइलों से लैस एक उड़ता हुआ किला माना जाता है।

ईरान के निर्वासित राजकुमार के आह्वान पर देशभर में खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन

तेहरान/वाशिंगटन,09 जनवरी (एजेंसियां) । इस्लामी गणराज्य ईरान की सत्ता में सबसे ताकतवर व्यक्ति और सशस्त्र सेनाओं के सेनापति अयातुल्ला अली खामेनेई का गृहनगर मशहद भी अशांति की लपटों से घिर गया है। 28 दिसंबर से जारी देशव्यापी प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात मशहद में खामेनेई के खिलाफ और राजशाही के समर्थन में नारे लगाए गए। सारी रात देशभर में प्रदर्शन के दौरान कई जगह सरकारी इमारतें फूंक दी गईं। देश में इंटरनेट की सेवाएं रोक दी गई हैं। यही नहीं लैंड लाइन फोन सेवा भी बंद कर दी गई है। दुनिया के कई देशों ने ईरान में चल रहे आंदोलन का समर्थन किया है। निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी की आहूत राष्ट्रीय रैली में हिस्सा लेने के लिए लाखों ईरानी नागरिक स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात लगभग आठ बजे देशभर की सड़कों पर उतर आए।

ईरान इंटरनेशनल ने देशभर से प्राप्त विभिन्न वीडियो के आधार पर प्रसारित अपनी रिपोर्ट में मौजूदा सूरत-ए-हाल पर विस्तार से चर्चा की है। नेटवर्क मानिटरिंग ग्रुप्स के लाइव नेटवर्क मेट्रिक्स ने दावा किया है कि गुरुवार को ईरान में देशव्यापी इंटरनेट ब्लैकआउट हो गया। इस दौरान निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी की आहूत राष्ट्रीय रैली में हिस्सा लेने के लिए लाखों ईरानी नागरिक स्थानीय समयानुसार रात लगभग आठ बजे देशभर की सड़कों पर उतर आए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानियों को बहादुर बताते हुए ईरान के अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा न करने की चेतावनी दी है।

दर्जनों शहरों में कारोबार रहा बंद: कुर्द राजनीतिक पार्टियों के आम हड़ताल का आह्वान पर गुरुवार को सारे देश में प्रदर्शन हुए। कुर्द क्षेत्रों और देश भर के दर्जनों शहरों में दुकानदारों ने अपने कारोबार बंद कर दिए। विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से कम से कम 36 लोग मारे गए हैं। 2,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अजेरी बहुसंख्यक शहर तबरीज और अर्दबील भी पहली बार गुरुवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए। दिन में प्रदर्शन के दौरान पूर्वी तेहरान में एक सरकारी इमारत को आग लगा दी गई। तेहरान के एक बड़े चौराहे (घोद्स स्क्वायर) पर प्रदर्शनकारियों ने तानाशाह मुर्दाबाद के नारे लगाए। मशहद और गोरगन में लोगों ने राजशाही के समर्थन में नारे लगाए। उत्तरी ईरान के सारी में सरकार विरोधी प्रदर्शन हजारों लोगों ने हिस्सा लिया।

स्वीडन और बेल्जियम ने कहा-यह आजादी का संघर्ष: स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने गुरुवार को ईरानियों के संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ईरानी नागरिक एक बार फिर जुल्म के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। हम आजादी के लिए उनके संघर्ष का समर्थन करते हैं। इसे हिंसा और जुल्म से चुप नहीं कराया जा सकता। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को एक्स पर फारसी में में लिखा, सालों के दमन और आर्थिक मुश्किलों के बाद बहादुर ईरानी आजादी के लिए खड़े हो रहे हैं। वे हमारे पूरे समर्थन के हकदार हैं। हिंसा से उन्हें चुप कराना मंजूर नहीं है।

अमेरिका की बारीकी से नजर: एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अमेरिका तेहरान में बढ़ते सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर बारीकी से नजर रख रहा है। इस दौरान एफ15ई के एक स्क्वाड्रन को मिडिल ईस्ट में तैनात किया गया है। अमेरिकी सीनेटर जान फेट्टरमैन ने ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता दिखाने की अपील की है। एमनेस्टी ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की निंदा की: एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वाच ने संयुक्त बयान में 28 दिसंबर से ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हो रही दमनात्मक कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने, डराने और सजा देने के लिए गैरकानूनी बल प्रयोग किया। गोलीबारी की। बड़े पैमाने पर लोगों को गिरफ्तार किया। चार्ली वाइमर्स की रजा पहलवी से मिलने की अपील: यूरोपियन संसद के स्वीडिश सदस्य चार्ली वाइमर्स ने गुरुवार को यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा, यूरोपियन संसद की अध्यक्ष राबर्टा मेट्सोला और विदेश मामलों के प्रतिनिधि काजा कैलास से ईरानी लोगों की बात सुनने और निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी से मिलने की अपील की। इसके अलावा आस्ट्रियाई विदेश मंत्री बीट मेनिल-रीसिंगर ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर ईरान की क्रूर कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने ईरान सरकार से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार दायित्वों का पालन करने का आग्रह किया।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर पेरिस में मिले फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से

पेरिस (फ्रांस),09 जनवरी (एजेंसियां) ।

फ्रांस के दौरे पर पहुंचे भारत के विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने एक्स हैंडल पर यह जानकारी सचित्र साझा की है। डा. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर बहुत खुशी हुई। समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक साझेदारी के लिए उनकी सकारात्मक भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं।

विदेशमंत्री जयशंकर ने दूसरी पोस्ट में लिखा, पेरिस में फ्रांस के राजदूतों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने व्यापार, वित्त, तकनीक, ऊर्जा, संसाधन और कनेक्टिविटी से होने वाले मौजूदा वैश्विक बदलावों पर जोर दिया। सोच में बदलाव एक अहम फैक्टर रहा है। साथ ही, बहु-ध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी के महत्व पर भी बात की। उल्लेखनीय है कि इससे पहले जयशंकर पेरिस में पहली बार अपने वाइमर (जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड) के समकक्षों के साथ वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं। डा. जयशंकर ने इस दौरान अपने समकक्षों से भारत-यूरोपियन यूनियन संबंधों को मजबूत करने के अलावा इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) की चुनौतियों पर चर्चा की। भारतीय विदेशमंत्री डा. जयशंकर ने फ्रांस के विदेशमंत्री जीन नोएल बैरट से मिलने के बाद कहा कि यूरोप वैश्विक स्तर पर अहम खिलाड़ी है और जरूरी है कि भारत और यूरोप के रिश्ते मजबूत हों। भारत और फ्रांस वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में स्थिरता ला सकते हैं।

चीनी पेप्टाइड्स के जाल में फंसते अमेरिकी युवा

सैन फ्रांसिस्को । टेक कंपनियों में काम करने वाले अमेरिका युवा चीनी पेप्टाइड्स के जाल में फंसते जा रहे हैं। अमेरिकी युवा इन्हें वजन घटाने, मानसिक एकाग्रता बढ़ाने और शरीर को ज्यादा एक्टिव रखने के लिए अपना रहे हैं। ये पेप्टाइड्स सीधे चीन से मंगाए जा रहे हैं और इनके इस्तेमाल को लेकर न तो अमेरिकी सरकार की मंजूरी है और न ही इनकी सुरक्षा को लेकर कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं। इसके बावजूद स्टार्टअप आफिस, प्राइवेट नेटवर्क और पेप्टाइड रेव जैसे इवेंट्स के जरिए इनका खुलेआम प्रचार और उपयोग हो रहा है। अमेरिका में इन अनधिकृत पेप्टाइड्स की मांग बीते कुछ समय में तेजी से बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक 2025 के पहले नौ महीनों में ही चीन से इनका आयात करीब आठ गुना तक बढ़ गया। ये केमिकल आमतौर पर पाउडर के रूप में आते हैं, जिन्हें लोग पानी में घोलकर खुद ही इंजेक्ट कर लेते हैं। इसके लिए आनलाइन प्लेटफार्म्स से इंसुलिन सिरिंज आसानी से खरीदी जा रही हैं।

चीन की आइस सिटी में बर्फ की फसल: सर्दियां आते ही सिल्लियों की होती है कटाई

बीजिंग,09 जनवरी (एजेंसियां) । चीन के उत्तर-पूर्वी प्रांत हेलोंगजियांग की राजधानी हरबिन में इन दिनों एक अनोखा नजारा देखने को मिल रहा है। कड़ाके की ठंड और शून्य से 30 डिग्री नीचे तक गिरते तापमान के बीच यहां सैकड़ों मजदूर जमी हुई सोंगहुआ नदी से बर्फ की फसल काट रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लाल कोट पहने मजदूर आधुनिक मशीनों, आरी और हथौड़ों की मदद से नदी की जमी हुई सतह पर ग्रिड बनाकर बर्फ के विशालकाय ब्लाक निकालते नजर आ रहे हैं। यह कड़ी मेहनत हरबिन इंटरनेशनल आइस एंड स्नो फेस्टिवल की तैयारी का हिस्सा है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा विंटर फेस्टिवल माना जाता है। सोंगहुआ नदी साल में 4-5 महीने पूरी तरह जमी रहती है, जिससे यहां आइस हार्वेस्टिंग यानी बर्फ की कटाई का काम संभव हो पाता है। इस साल दिसंबर की शुरुआत में छठे आइस कलेक्टिंग फेस्टिवल का आगाज एक पारंपरिक रस्म के साथ हुआ। मजदूर सबसे पहले जमी हुई नदी पर करीब 2 मीटर लंबे और 1 मीटर चौड़े आकार के ग्रिड मार्क करते हैं। इसके बाद मोटराइज्ड आरी से इन्हें काटा जाता है। एक-एक बर्फ के ब्लाक की मोटाई 30 से 60 सेंटीमीटर और वजन 400 से 700 किलोग्राम तक होता है। यह काम काफी जोखिम भरा

होता है, इसलिए सुरक्षा के लिहाज से मजदूरों को लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है, ताकि बर्फ टूटने की स्थिति में वे पानी में न डूबें। नदी से निकाले गए इन हजारों क्यूबिक मीटर बर्फ के ब्लाक्स को क्रेन और ट्रकों की मदद से सीधे फेस्टिवल साइट पर ले जाया जाता है। कुछ ब्लाक्स को विशेष रूप से भूसे और सफेद कवर से ढककर साल भर के लिए स्टोर भी किया जाता है, ताकि अगले सीजन के लिए निर्माण कार्य समय से शुरू हो सके। इन विशाल बर्फ के टुकड़ों का उपयोग हरबिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड में अद्भुत कलाकृतियां बनाने के लिए किया जाता है। यहाँ बर्फ से बने विशाल महल, टावर, पुल और स्लाइड पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होते हैं, जो रात के समय रंग-बिरंगी एलईडी लाइट्स से जगमगा उठते हैं। 2025-2026 के इस सीजन में यह पार्क करीब 1.2 मिलियन स्क्वायर मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे बनाने में 4 लाख क्यूबिक मीटर बर्फ और स्नो का इस्तेमाल किया गया है। इस बार की थीम एशियन विंटर गेम्स पर आधारित रखी गई है। दिसंबर के अंत से फरवरी तक चलने वाले इस भव्य उत्सव को देखने के लिए दुनिया भर से लगभग 1.8 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

28 साल की चालाक चार्ली ने लगाया अमेरिका के सबसे बैंक जेपी मार्गन चेस को 1400 करोड़ का चूना

न्यूयार्क,09 जनवरी (एजेंसियां) । साल 2021 में न्यूयार्क की ऊंची इमारतों के बीच एक ऐसी डील आकार ले रही थी, जिसकी गूंज वैश्विक कारोबारी जगत में सुनाई देने वाली थी। एक ओर थीं महज 28 साल की स्टार्टअप फाउंडर चार्ली जेविस, जिनके चेहरे पर गजब का आत्मविश्वास दिखाता था, और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े बैंकों में शुमार जेपी मार्गन चेस के अनुभवी अधिकारी मौजूद थे। टेबल पर 175 मिलियन डालर, यानी करीब 1400 करोड़ रुपये की डील रखी थी। जहां चार्ली का दावा था कि उनका स्टार्टअप लाखों छात्रों की जिंदगी बदल रहा है। बैंक के शीर्ष अधिकारियों को लगा कि उन्हें एक असाधारण मौका मिल गया है, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह सौदा इतिहास की सबसे चौंकाने वाली धोखाधड़ी साबित होगा।

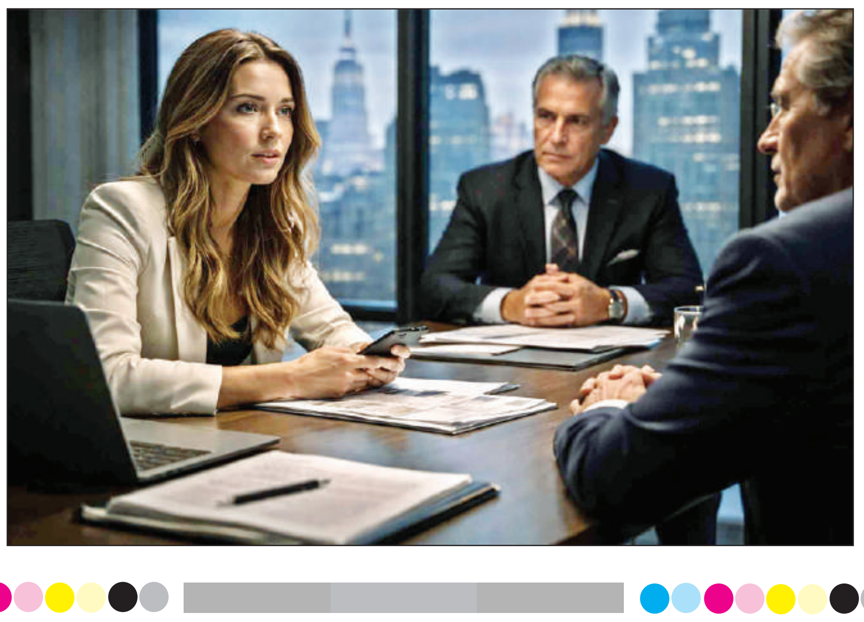

दरअसल चार्ली जेविस का जीवन शुरू से ही सुविधाओं से भरा रहा। न्यूयार्क के समृद्ध इलाके में पली-बढ़ी चार्ली के पिता हेज फंड से जुड़े थे। चार्ली प्रतिष्ठित व्हार्टन स्कूल से पढ़ाई की और कम उम्र में ही कुछ बड़ा करने का सपना देखने लगी। कालेज के बाद उसने छात्रों की मदद के उद्देश्य से फ्रैंक नामक स्टार्टअप शुरू किया, जो कालेज फीस और सरकारी सहायता की जटिल प्रक्रिया को आसान बनाने का दावा करता था। मीडिया में चार्ली को छात्रों की मसीहा के रूप में दिखाया गया और फोर्ब्स ने इस स्टार्टअप को 30 अंडर 30 सूची में भी शामिल किया।

हालांकि चमक-दमक के पीछे कहानी कुछ ओर थी। इसी बीच जेपी मार्गन युवाओं को अपने बैंकिंग नेटवर्क से जोड़ने के लिए नए प्लेटफार्म की तलाश में था। चार्ली ने मौके का फायदा उठाकर बैंक को प्रस्ताव दिया कि वह अपना स्टार्टअप बेचना चाहती है। जब बैंक ने यूजर बेस पूछा, तब चार्ली ने बिना झिझक दावा कर दिया कि उसके पास 42 लाख से अधिक छात्र यूजर हैं।

मार्गन ने इन दावों के सबूत मांगे। असलियत यह थी कि फ्रैंक के पास करीब तीन लाख वास्तविक यूजर ही थे। बाकी आंकड़े गढ़ने के लिए चार्ली ने एक डेटा साइंस प्रोफेसर की मदद ली, जिससे लाखों फर्जी नाम, ईमेल और जन्मतिथियां तैयार की। यही फर्जी डेटा बैंक के सामने पेश किया गया। शुरुआती जांच में सब कुछ वास्तविक लगने पर बैंक ने फ्रैंक को 175 मिलियन डालर में खरीद कर चार्ली को बैंक में ऊंचा पद और भारी बोनस भी दिया। लेकिन कुछ महीनों बाद सच्चाई सामने आने लगी। बैंक की मार्केटिंग टीम ने जब लाखों छात्रों को ईमेल भेजे, तब ज्यादातर मेल बाउंस हो गए। जांच में खुलासा हुआ कि करीब 90 प्रतिशत अकाउंट फर्जी थे। इसके बाद जेपी मार्गन ने चार्ली को नौकरी से निकाल कर धोखाधड़ी का मुकदमा दायर कर दिया।

राजनाथ सिंह ने किया अशोक लेलैंड इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट का उद्घाटन, बोले ईवी वाहनों का है भविष्य

लखनऊ,09 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी के सरोजनी नगर क्षेत्र में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) प्लांट का उद्घाटन किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का है, इसी दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आने वाले वर्षों में पारंपरिक ईंधन से चलने वाले वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख होंगे। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से ईवी को बढ़ावा देना आवश्यक है और सरकार भविष्य की तकनीकों पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके लिए नियमों को सरल किया गया है और उद्योगों को ऑनलाइन प्रक्रियाओं के माध्यम से सहूलियत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अशोक लेलैंड का यह संयंत्र केवल एक कंपनी की सफलता नहीं, बल्कि उद्योग जगत के सरकार की नीतियों पर बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। डबल इंजन की सरकार के तहत उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था, सड़कों और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण निवेश का माहौल सुदृढ़ हुआ है।

राजनाथ सिंह ने बताया कि संयंत्र का निर्माण 24 महीनों में प्रस्तावित था, लेकिन रिकॉर्ड 18 महीनों में इसे पूरा किया गया। यहां परिचालन शुरू होने के बाद हर महीने लगभग 2,500 इलेक्ट्रिक वाहन तैयार किए जाएंगे। इससे स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा और अगले पांच वर्षों में हजारों करोड़ रुपये के निवेश तथा लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेश को बढ़ावा देने के लिए 'फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एवं फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनी निवेश प्रोत्साहन नीति-2023' लेकर आई है। साथ ही 'उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस एवं डिफेंस यूनिट और रोजगार प्रोत्साहन नीति' के माध्यम से राज्य को रक्षा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया जा रहा है।

राजनाथ ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक, यानी 2047 में, उत्तर प्रदेश रोजगार, उद्योग, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि यही विकसित भारत का सपना और संकल्प है। राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन मात्र 46 हजार करोड़ रुपये था, जो आज रिकॉर्ड बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। इसी तरह, रक्षा निर्यात जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से भी कम था, अब रिकॉर्ड 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रयासों के चलते भारत का रक्षा क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

कौशल विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है, ताकि वे देश और प्रदेश के विकास में निर्णायक भूमिका निभा सकें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर स्थापित किया गया है और लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्ट्री में अब ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब अपने हथियार खुद बना रहा है और उत्तर प्रदेश इसमें नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी 'बीमारू राज्य' के रूप में जाना जाता था, आज वही राज्य औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन का मजबूत केंद्र बन रहा है। वर्ल्ड-क्लास ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की शुरुआत प्रदेश की औद्योगिक यात्रा में ऐतिहासिक उपलब्धि है।

पीएम मोदी ने लोगों के जीवन में बदलाव लाने वाला एआई बनाने के लिए प्रेरित किया : स्टार्टअप्स प्रमुख

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद एआई स्टार्टअप्स के प्रमुख अधिकारियों ने कहा कि पीएम ने लोगों के जीवन में बदलाव लाने वाला एआई बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया है। न्यूरोडक्स के सीईओ डॉ.सिद्धार्थ पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री का अनुभव हमारी सोच में बदलाव लाने के लिए काफी जरूरी था। उन्होंने हमें प्रेरित किया है कि हमें केवल वह नहीं बनाना, जो कि पश्चिमी देश बना रहे हैं। हमें ऐसा एआई बनाना है, जो कि देश के आम लोगों की जिंदगी में बदलाव ला सके। टेक महिंद्रा के सीआईओ निखिल मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत करके काफी अच्छा लगा। पीएम जानते हैं कि देश में एआई का प्रसार होना काफी जरूरी है और हमें नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ ऐसे एआई समाधान विकसित करने होंगे, जो कि अभी तक विकसित नहीं हुए।

इसके अलावा, जेनलूप के सीईओ आयुष गुप्ता ने कहा कि भारत का एआई कैसा होगा, इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा हुई। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि देश का एआई विश्वसनीय और नैतिकता पर खरा उतरना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि एआई का मतलब भारत के लिए 'आत्मनिर्भर इंटेलिजेंस' होने वाला है और यह आने वाले समय में विकसित भारत में एक बड़ी भूमिका निभाएगा।

वहीं, फ्रैक्टल एआई के सह-संस्थापक श्रीकांत वेलमाकन्नी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि भारत दुनिया में एआई में एक लीडर बने। इसके लिए जरूरी है कि हम भारत केंद्रित मॉडल बनाए और हर नागरिक को अपनी भाषा में उपलब्ध कराएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर सुबह भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ बैठक की थी।

यह बैठक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले हुई है, जो कि अगले महीने भारत में होने वाला है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में वह 12 एआई स्टार्टअप शामिल हुए हैं, जिन्होंने एआई फॉर ऑल: ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए क्वालिफाइ किया है और इसमें उन्होंने अपने विचार और कार्य के बारे में बताया।

पीएम कार्यालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि यह स्टार्टअप हेल्थकेयर, बहुभाषी लार्ज लैंग्वेज मॉडल, मटेरियल रिसर्च, डेटा एनालिटिक्स, इंजीनियरिंग सिमुलेशन और अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं।

इस बैठक में अवतार, भारतजेन, फ्रैक्टल, गैन, जेनलूप, ज्ञानी, इंटेलीहेल्थ, सर्वम, सॉकेट एआई, टेक महिंद्रा और जेंटिक सहित भारतीय एआई स्टार्टअप्स के सीईओ, प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी बैठक में उपस्थित थे।

हिमाचल प्रदेश : सिरमौर में खाई में गिरी बस कई लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुख

शिमला, 09 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर में एक बड़ा बस हादसा हो गया है। इस हादसे में कुछ लोगों की जान चली गई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सिरमौर जिले के हरिपुरधार के पास हुआ है। बस कुपवी से शिमला जा रही थी। इस दौरान बस हरिपुरधार के पास खाई में गिर गई। इस हादसे में कई लोगों की जान गई है और बड़ी संख्या में लोग घायल बताए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन को तुरंत और तेज राहत बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया है।घटना को लेकर सीएम सुक्खू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बस दुर्घटना की खबर सुनकर मन व्यथित और पीड़ा से भर गया है। हादसे में जिन लोगों ने प्राण गंवाए, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता दी जाए और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। हमीरपुर से भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मेरे देवभूमि हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर के हरिपुरधार में एक निजी बस के गहरी खाई में पलटने से 9 लोगों के दुखद निधन व कई यात्रियों के घायल होने की सूचना अत्यंत कष्टदायी है।

भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर पीयूष गोयल ने ब्रसेल्स में मारोस सेफकोविक से की बातचीत

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को ब्रसेल्स में भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर ईयू ट्रेड एंड इकोनॉमिक सेफ्टी कमिश्नर मारोस सेफकोविक से बातचीत की। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा,इस बातचीत के दौरान, हमने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। हमने नियमों पर आधारित व्यापारिक ढांचे और एक आधुनिक आर्थिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत करते हुए किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा करती है। भारत सरकार यूरोपीय यूनियन के साथ ऐसा व्यापारिक समझौता करना चाहती है, जो दोनों क्षेत्रों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी हो।

एफटीए के तहत भारत की कोशिश है कि अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर्स जैसे टेक्सटाइल, चमड़ा, कपड़ा, रत्न और आभूषण और हस्तशिल्प के उत्पादों को यूरोपीय बाजारों का जीरो ड्यूटी पर पहुंच मिले, जिससे भारत में बड़े स्तर पर रोजगार बढ़ाने में मदद मिले।

पीयूष गोयल का ब्रुसेल्स दौरा भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच बढ़ते राजनयिक और तकनीकी संबंधों को दिखाता है।

इस बातचीत का प्राथमिक उद्देश्य वार्ता टीमों को रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करना, लंबित मुद्दों का समाधान करना और एक संतुलित एवं महत्वाकांक्षी समझौते को शीघ्रता से अंतिम रूप देना है।मंत्रिस्तरीय बैठक ब्रुसेल्स में एक सप्ताह तक चले गहन विचार-विमर्श के बाद हुई है, जो इस सप्ताह की शुरुआत में भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के बीच हुई उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान रखी गई नींव पर आधारित है।आधिकारिक बयान के अनुसार, ये वार्ता भारत-यूरोपीय संघ के आर्थिक संबंधों के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ पर हो रही है।

नौ वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में इन वार्ताओं को महत्वाकांक्षी रूप से पुनः शुरू किया गया था, जो आर्थिक एकीकरण को गहरा करने की पारस्परिक प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। दोबारा शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों ने गहन वार्ताओं के 14 दौर और मंत्रिस्तरीय स्तर पर कई उच्च स्तरीय वार्ताएं की हैं, जिनमें ताजा वार्ता दिसंबर 2025 में हुई थी।

नकल में शामिल विद्यार्थियों के अभिभावकों को बुलाकर उनसे करें संवाद : पटेल

लखनऊ,09 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में राजभवन में आयोजित एक बैठक में आज डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा डिजिटल एग्जामिनेशन इकोसिस्टम के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रस्तुतिकरण के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा अवगत कराया गया कि परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से विश्वविद्यालय के कमांड सेंटर से लाइव मॉनिटरिंग की जाती है। राज्यपाल ने कहा कि नकल में संलिप्त पाए जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को बुलाकर उनसे संवाद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त उत्तर पुस्तिकाओं पर बारकोडिंग और बायोमेट्रिक आधारित उपस्थिति सत्यापन सहित अनेक तकनीकी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। यह भी जानकारी दी गई कि सभी परीक्षा केंद्रों से प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को विश्वविद्यालय में स्कैन किया जाता है, जिससे उत्तर पुस्तिकाओं में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की संभावना न रहे। राज्यपाल ने परीक्षा व्यवस्था, प्रश्न पत्रों की समयबद्ध तैयारी, परीक्षा समय-सारिणी, परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों की तैनाती, परीक्षा संचालन, मूल्यांकन प्रक्रिया तथा समय पर परिणाम घोषित किए जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि नकल में संलिप्त पाए जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को बुलाकर उनसे संवाद किया जाना चाहिए तथा यह समझने का प्रयास किया जाना चाहिए कि किन परिस्थितियों में विद्यार्थी इस प्रकार के कृत्य के लिए विवश हुए। संवाद बच्चों को सही दिशा देने का प्रभावी माध्यम है।उन्होंने गुजरात के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि दसवीं एवं बारहवीं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात कुछ छात्र असफलता के कारण आत्महत्या जैसे विचारों से ग्रस्त हो गए थे। उन्होंने स्वयं विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से संवाद कर उत्तर पुस्तिकाएं मंगवाईं, जिनमें कई स्थानों पर कुछ भी लिखा नहीं था। उन्होंने अभिभावकों को विद्यालय जाकर शिक्षकों से चर्चा करने तथा बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करने की सलाह दी।राज्यपाल ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान जहां गलती हो, वहीं स्पष्ट रूप से अंकन किया जाना चाहिए, जिससे उत्तर पुस्तिकाओं की पुनः जांच कराने वाले विद्यार्थी अपनी कमियों को समझ सकें। उन्होंने अभिभावकों को भी बच्चों की शैक्षणिक स्थिति के प्रति संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों की रुचि के अनुसार विषयों का चयन एवं आवश्यक कौशल विकसित किया जाना चाहिए, क्योंकि रुचि के क्षेत्र में बच्चे बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया पर विशेष जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं की जांच अत्यंत सावधानीपूर्वक की जानी चाहिए तथा गलत मूल्यांकन पाए जाने पर आर्थिक दंड का प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पीजी स्तर के विद्यार्थियों से भी सीमित संख्या में निचली कक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का आकलन करें कि विद्यार्थी औसतन कितने पृष्ठ लिखते हैं। उसी औसत से पृष्ठों की संख्या निर्धारित करें, इससे अनावश्यक पृष्ठों की बर्बादी रुकेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पृष्ठ उपलब्ध कराने के संबंध में भी सुझाव दिए।प्रस्तुतिकरण के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने तथा परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी गई।

बिहार में 71 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कुंदन कृष्णन की एसटीएफ की कमान

पटना,09 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसमें कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं। सरकार ने कुल 71 अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। अधिसूचना के अनुसार प्रीता वर्मा को पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) के पद से हटाकर महानिदेशक सह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम बनाया गया है। इसके साथ ही कुंदन कृष्णन, जो अब तक पुलिस मुख्यालय में एडीजी के पद पर थे, अब पुलिस महानिदेशक (अभियान) एवं पुलिस महानिदेशक, विशेष शाखा का जिम्मा संभालेंगे। वहीं, एडीजी सह निदेशक, बिहार पुलिस अकादमी के पद पर तैनात आर. मलर विजी को अब एडीजी, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में सेवाएं देने के लिए भेजा गया है। डॉ. अमित कुमार जैन को अब एडीजी, मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की जिम्मेदारी दी गई है। आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार, जो अब तक स्पेशल ब्रांच में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात थे, उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) की जिम्मेदारी दी गई है। साइबर क्राइम के डीआईजी संजय कुमार को अब आईजी, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि विवेकानंद को आईजी, पूर्णिया क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया गया है।आनंद कुमार को डीआईजी, विधि-व्यवस्था, पटना और कुमार आशीष को कोसी क्षेत्र के डीआईजी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

आई-पैक छापेमारी विवाद : कलकत्ता हाई कोर्ट ने ईडी की तत्काल सुनवाई की याचिका खारिज की

कोलकाता,09 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें गुरुवार को इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और आई-पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर एक साथ की गई छापेमारी और तलाशी अभियान से संबंधित विवाद के मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई की याचिका लेकर ईडी ने संपर्क किया, क्योंकि दिन में पहले न्यायमूर्ति सुवा घोष की एकल-न्यायाधीश पीठ में सुनवाई शुरू होने के समय अदालत कक्ष में अत्यधिक भीड़ के कारण सुनवाई नहीं हो सकी थी। न्यायमूर्ति घोष के न्यायालय कक्ष से चले जाने के बाद,

अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी निर्धारित की गई। ईडी की तत्काल सुनवाई की याचिका को खारिज करते हुए, खंडपीठ ने कहा कि सुनवाई न्यायमूर्ति घोष की एकल-न्यायाधीश पीठ द्वारा निर्धारित तिथि पर ही होगी। ईडी ने यह भी दलील दी थी कि अगर न्यायमूर्ति घोष की पीठ द्वारा 14 जनवरी से पहले तत्काल सुनवाई नहीं हो पाती है, तो इसे किसी अन्य एकल-न्यायाधीश पीठ को स्थानांतरित किया जा सकता है। इस दलील को भी खंडपीठ ने खारिज कर दिया।प्रारंभ में ईडी ने खंडपीठ के समक्ष मौखिक अपील की, जिसने केंद्रीय एजेंसी के वकील को इस मामले में लिखित अपील प्रस्तुत करने के लिए कहा। वकील द्वारा अपील दायर करने के बाद, खंडपीठ ने उस निवेदन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले में पहले ही न्यायिक आदेश पारित हो चुका है, इसलिए न्यायमूर्ति घोष की पीठ द्वारा तय किए गए अनुसार सुनवाई 14 जनवरी को होगी।

इस मामले में मुख्य याचिका ईडी की ओर से दायर की गई थी, जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गुरुवार को दोनों स्थानों पर की गई छापेमारी और तलाशी अभियानों के दौरान केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों के आधिकारिक कर्तव्यों में कथित रूप से बाधा उत्पन्न करके अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था।ईडी ने इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की थी, जिससे मुख्यमंत्री भी इस मामले में पक्षकार बन गईं।

डस्की ब्यूटी जिसने रंग के तानों को चुनौती देकर बनाई पहचान, ठुकराए कई ऑफर

बॉलीवुड में जब भी डस्की ब्यूटी की बात होती है, तो फिल्म 'राज' में संजना बनी सांवली-सलोनी लड़की का नाम सबसे पहले आता है। अपनी दमदार एक्टिंग, बोल्ड अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के लिए मशहूर बिपाशा बसु है। फिल्म इंडस्ट्री में लंबा और सफल सफर तय करने वाली बिपाशा डस्की ब्यूटी कही जाती हैं, लेकिन एक समय में उन्हें अपने सांवले रंग की वजह से ताने भी सुनने पड़े, इसका जिक्र उन्होंने खुद ही किया। हालांकि, बिपाशा सांवले रंग को अपनी ताकत बताती हैं। बिपाशा ने न केवल एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि रंगभेद जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी खुलकर आवाज उठाई है।

बिपाशा का जन्म नई दिल्ली में एक बंगाली परिवार में हुआ था। बाद में उनका परिवार कोलकाता शिफ्ट हो गया। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने सुपरमॉडल कॉन्टेस्ट जीता और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। सिर्फ 17 साल की उम्र में उन्होंने प्रोफेशनल मॉडलिंग भी शुरू कर दी। विदेश में न्यूयॉर्क और पेरिस जैसे शहरों में काम करते हुए उन्हें एहसास हुआ कि उनकी सांवली त्वचा को वहां 'एग्जॉटिक' माना जाता है और इसी वजह से उन्हें खूब सराहना और काम मिला। लेकिन, भारत लौटने पर फिर वही पुरानी बातें शुरू हो गईं।

बिपाशा ने बताया था, बचपन से ही मुझे रिश्तेदारों और लोगों से ताने सुनने पड़ते थे कि मैं अपनी बहन की तुलना में ज्यादा सांवली हूं। मॉडलिंग जीतने के बाद अखबारों में हेडलाइन बनी-'कोलकाता की सांवली लड़की बनी विनर।' इस बात से मुझे हैरानी होती थी कि मेरी खूबसूरती से पहले रंग ही क्यों चर्चा का विषय बन जाता है। फिल्मों में आने के बाद भी यही सिलसिला जारी रहा। बॉलीवुड में ज्यादातर लेखों में मुझे 'डस्की ब्यूटी' या 'सांवली लड़की' कहा जाता था।

हालांकि, बिपाशा का मानना है कि खूबसूरत होना सिर्फ स्किन कलर की बात नहीं है, बल्कि पर्सनैलिटी की बात है। उस दौर में जहां ज्यादातर हीरोइनें गोरी मानी जाती थीं, बिपाशा अपनी अलग पहचान लेकर आईं और इसे उन्होंने कभी कमजोरी नहीं बनने दिया। बिपाशा का साफ मानना है कि उनका स्किन कलर उन्हें डिफाइन नहीं करता। वह अपने रंग से प्यार करती हैं और इसे कभी बदलना नहीं चाहतीं। बिपाशा ने बताया कि पिछले कई सालों में उन्हें कई बड़े स्किन केयर और फेयरनेस ब्रांड्स से लुभावने एंडोर्समेंट ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने हर बार मना कर दिया। उनका मानना है कि गोरा होना ही सुंदरता नहीं है। देश की ज्यादातर आबादी सांवली है, फिर भी हम गोरेपन का गलत सपना बेच रहे हैं। यह सोच बदलनी चाहिए और ब्रांड्स को आगे आना चाहिए।

एक्टिंग करियर की बात करें तो बिपाशा ने दो फिल्में ठुकराने के बाद साल 2001 में अक्षय कुमार, करीना कपूर, और बॉबी देओल स्टारर 'अजनबी' से डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने नेगेटिव रोल निभाया था, और उनकी एक्टिंग को दर्शकों और क्रिटिक्स ने खूब सराहा। उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद वह साल 2002 में 'राज' में नजर आईं, जो सुपरहिट रही और बिपाशा रातोंरात स्टार बन गईं।

इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'जिस्म', 'नो एंट्री', 'धूम 2' जैसी कई सफल फिल्में कीं। उन्होंने हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी और ड्रामा हर जॉनर में काम किया और अपनी एक्टिंग से गहरी छाप छोड़ी।

बिपाशा ने साल 2016 में अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से शादी की। नवंबर 2022 में बिपाशा ने बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने देवी रखा है।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं, समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफॉर्म : अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं।

उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

यादों में इरफान : सिल्वर स्क्रीन का मदारी, जिसने हर किरदार को अपने हिसाब से नचाया

सिनेमा की दुनिया में कई चेहरे आते हैं, कुछ चमकते हैं और कुछ ऐसे होते हैं, जो अपनी अनोखी प्रतिभा और सादगी से दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए बस जाते हैं। छोटे से शहर से निकलकर बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने की यात्रा आसान नहीं होती, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो मुश्किलों को चुनौती मानकर अपनी पहचान बनाते हैं। उनकी अदाकारी में एक सहजता और जीवन का सच झलकता है, जिसे देख लोग अपने आप को कहीं न कहीं उनकी जीवन यात्रा का हिस्सा मान लेते हैं। दिवंगत एक्टर इरफान खान का नाम उन्हीं में से एक है। राजस्थान के जयपुर में 7 जनवरी 1967 को एक मुस्लिम पठान परिवार में जन्मे इरफान का शुरुआती करियर आसान नहीं था। उनका परिवार किसी क्रिएटिव बैकग्राउंड से नहीं था, इसलिए एक्टिंग का सपना देखना उनके लिए अपने आप में एक बड़ा रिस्क था। इरफान खुद कहते थे, मैंने कुछ फिल्में देखीं और एक्टर बनने का सपना देख लिया। ये मेरे जीवन का सबसे बड़ा रिस्क था। इरफान के शुरुआती दिन काफी मुश्किलों भरे थे। जब उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में दाखिला लिया, उसी वक्त उनके पिता का निधन हो गया। घर से पैसे मिलने बंद हो गए, लेकिन इरफान ने हार नहीं मानी और एनएसडी से मिलने वाली फेलोशिप के जरिए अपना कोर्स पूरा किया। एक्टिंग से पहले उन्हें मुंबई में इलेक्ट्रिशियन का काम करना पड़ा। बताया जाता है कि उन्हें राजेश खन्ना के घर एसी ठीक करने का काम मिला। जब उन्होंने पहली बार राजेश खन्ना को देखा, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था।

इरफान ने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की। साल 1985 में दूरदर्शन का सीरियल 'श्रीकांत' उनके लिए पहला बड़ा अनुभव था। इसके अलावा उन्होंने भारत एक खोज, चाणक्य, चंद्रकांता, सारा जहां हमारा, बनेगी अपनी बात और संजय खान के धारावाहिक जय हनुमान में भी काम किया। जय हनुमान में इरफान ने महर्षि वाल्मीकि की भूमिका निभाई थी, जिसमें वाल्मीकि बनने से पहले उनका डाकू वाला पार्ट दिखाया गया था। हालांकि, इस भूमिका को लेकर पंजाब के वाल्मीकि समाज ने विरोध भी किया था।

इसी दौरान मीरा नायर ने उन्हें फिल्म 'सलाम बॉम्बे' में कैमियो रोल दिया, लेकिन उनका सीन कट हो गया। मीरा नायर ने उन्हें वादा दिया कि किसी दूसरी फिल्म में उन्हें लीड रोल मिलेगा। और यह वादा उन्होंने साल 2006 में फिल्म 'द नेमसेक' में पूरा किया। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अमेरिका में छह महीने बिताने के लिए महज 10 लाख रुपए मिले थे। उस समय तक उनके संघर्ष खत्म नहीं हुए थे, लेकिन उनके आत्मविश्वास ने उन्हें कभी हारने नहीं दिया।

इरफान खान ने अपने करियर में कई बेहतरीन और यादगार फिल्मों में काम किया। द लंच बॉक्स, करीब करीब सिंगल, पीकू, मदारी, कारवां, ब्लैकमेल, अंग्रेजी मीडियम जैसी फिल्मों में उनके किरदारों ने दर्शकों को हंसाया, रुलाया और सोचने पर मजबूर किया। उनके अभिनय की सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने हर किरदार को बेहद असली और संवेदनशील तरीके से निभाया। उनकी आंखों में भाव था, उनकी आवाज में ताकत थी और उनकी चुप्पी में भी कहानी समाई रहती थी। इरफान न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। 29 अप्रैल 2020 को उन्होंने

लक्ष्मी निवास में राधिका के लिए परिवार ही सब कुछ है : अक्षिता मुद्गल

अभिनेत्री अक्षिता मुद्गल जल्द ही जी टीवी के नए शो 'लक्ष्मी निवास' में नजर आने वाली हैं। इस शो में वह राधिका के किरदार में हैं, जो लक्ष्मी और श्रीनिवास की बड़ी बेटी है। अक्षिता ने अपने किरदार के बारे में बात की और बताया कि राधिका के लिए परिवार ही सब कुछ है। अक्षिता मुद्गल ने अपने किरदार के बारे में बताया, राधिका एक ऐसी लड़की है जो परिवार के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती है। शो 'लक्ष्मी निवास' भारत के मध्यमवर्गीय संयुक्त परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित है। यह सपनों, जिम्मेदारियों और एकजुटता की भावनात्मक कहानी दिखाता है। कई परिवारों की तरह यहां भी अपना घर बनाने और बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने की उम्मीदें जुड़ी हैं। उन्होंने आगे बताया, राधिका का किरदार इस कहानी में नया भावनात्मक रंग जोड़ता है। वह सरल, परिपक्व और पूरी तरह परिवार के लिए मेहनत करने वाली इंसान है। अपने माता-पिता की खुशी को वह अपनी खुशी से ऊपर रखती है।

राधिका एक मजबूत और संयमित लड़की है, जिसके सपने परिवार की इच्छाओं से जुड़े हैं। वह अपनी इच्छाओं को पीछे रख परिवार के लिए त्याग करने को तैयार रहती है। यह किरदार कई भारतीय बेटियों की उन चुप्पी भरी कुर्बानियों को दिखाता है, जो संयुक्त परिवारों में आम हैं।

अक्षिता मुद्गल ने कहा, राधिका अपनी जिंदगी माता-पिता और परिवार के लिए जीती है। वह अपने भाई-बहनों से बहुत प्यार करती है और उसके लिए परिवार ही सब कुछ है। उसके सपने भी माता-पिता की इच्छाएं पूरी करने के ईर्द-गिर्द घूमते हैं। अगर वे चाहें कि वह शादी करके सुखी हो जाए, तो वह इसके लिए तैयार है। यही उसकी भावनात्मक ताकत है। राधिका परिवार की अहमियत समझने वाली जमीनी इंसान है। असल जिंदगी में मैं इससे काफी अलग हूं, लेकिन राधिका की दुनिया में कदम रखना अच्छा लग रहा है।

शो की कहानी लक्ष्मी और श्रीनिवास के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो 35 साल से किराए के मकान में रह रहे हैं। उनके दो बड़े सपने हैं, अपना घर बनाना और बच्चों का घर बसाना। रश्मि शर्मा टेलीफिल्म्स के प्रोडक्शन में बना यह शो 12 जनवरी से जी टीवी पर प्रसारित होगा।

हंसा से धनकोर बा तक, हर किरदार में जान डालने वाली दमदार अभिनेत्री सुप्रिया पाठक

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई एक्टर हैं, जो हर तरह के जॉनर में काम कर अलग-अलग किरदारों से दर्शकों को प्रभावित करते रहे हैं। ऐसी ही बेहतरीन अभिनेत्री हैं सुप्रिया पाठक। टीवी की प्यारी और भोली हंसा से लेकर फिल्म राम-लीला की सख्त और दमदार धनकोर बा तक, वह हर रोल में पूरी तरह घुल-मिल जाती हैं। अपनी शानदार और जीवंत एक्टिंग से सुप्रिया ने लाखों दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। 7 जनवरी 1961 में जन्मीं सुप्रिया ने कॉमेडी से लेकर नेगेटिव रोल तक हर तरह के किरदार बखूबी निभाए हैं। टीवी की हंसा से लेकर फिल्मों में धनकोर बा तक, वह हर रोल में पूरी तरह ढल जाती हैं। उनके अभिनय को कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं, जिनमें तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड शामिल हैं। सुप्रिया की फिल्मी यात्रा साल 1981 में रिलीज हुई फिल्म कलयुग से शुरू हुई। श्याम बेनेगल की फिल्म में उन्होंने सुभद्रा का किरदार निभाया, जो महाभारत से प्रेरित था। यह एक जटिल भूमिका थी, जिसमें उन्होंने गहराई से अभिनय किया। इस रोल के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया।

साल 1982 में आई फिल्म बाजार में सुप्रिया ने शबनम का रोल प्ले किया। यह किरदार गरीबी और सामाजिक कुरीतियों से जूझती एक युवती का था। उनकी संवेदनशील और भावुक अभिनय की वजह से यह रोल यादगार बन गया। इस परफॉर्मेंस को खूब तारीफ मिली। फिल्म सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी और सुप्रिया की एक्टिंग ने इसे और प्रभावी बनाया।

उसी साल रिचर्ड एटनबरो की फिल्म गांधी में सुप्रिया ने छोटा लेकिन यादगार रोल निभाया। वह महात्मा गांधी की भतीजी के किरदार में दिखीं। यह अंतरराष्ट्रीय फिल्म थी, जिसमें उनका अभिनय सराहा गया। साल 1987 में आई मिर्च मसाला में सुप्रिया ने मिर्च फैक्ट्री में काम करने वाली एक मजदूर महिला का रोल निभाया। यह एक मजबूत और संघर्षशील किरदार था, जो गांव की महिलाओं की एकजुटता दिखाता है। फिल्म सामाजिक मुद्दों पर थी और सुप्रिया की परफॉर्मेंस ने इसे और मजबूती दी।

साल 2005 में लंबे ब्रेक के बाद सुप्रिया सरकार में लौटीं। यहां उन्होंने एक राजनीतिक परिवार की सदस्य का रोल किया। इसके बाद 2008 में सरकार राज में भी उन्होंने दमदार अभिनय किया। ये रोल्स उनकी वापसी के मजबूत प्रमाण थे। साल 2013 में संजय लीला भंसाली की गोलियों की रासलीला राम-लीला में सुप्रिया ने धनकोर बा का नेगेटिव किरदार निभाया। यह एक क्रूर और प्रभावशाली मातृसत्ता वाली महिला थी। उनकी तीखी और दमदार एक्टिंग ने दर्शकों को हैरान कर दिया। इस रोल के लिए उन्हें फिर फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला।

सुप्रिया की सबसे लोकप्रिय पहचान टीवी शो खिचड़ी की हंसा से है। यह एक सीधी-साधी लेकिन थोड़ी नासमझ गृहिणी का किरदार है, जिसकी मासूमियत और कॉमिक टाइमिंग ने घर-घर में उन्हें मशहूर कर दिया। आज भी लोग उन्हें हंसा कहकर पुकारते हैं। इस रोल ने उन्हें कॉमेडी की क्वीन बना दिया। इसी टाइटल की फिल्म में भी उन्हें काफी पसंद किया गया।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो सुप्रिया अभिनेत्री दीना पाठक की बेटी और रत्ना पाठक शाह की बहन हैं। साल 1988 में उन्होंने अभिनेता पंकज कपूर से शादी की थी। पंकज की पहली शादी से शाहिद कपूर उनका सौतेला बेटा है, जिससे उनका गहरा लगाव है। सुप्रिया-पंकज के दो बच्चे हैं, बेटी सनाह कपूर और बेटा रुहान कपूर।

आज समसप्तक योग देगा मेष, कर्क, कन्या सहित अन्य राशियों को धन लाभ

आज यानी 10 जनवरी, शनिवार को सूर्य-गुरु और चंद्रमा-शनि के बीच समसप्तक योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे महत्वपूर्ण और दुर्लभ योग माना जाता है जो दो ग्रहों के एक-दूसरे से सप्तम भाव में होने से बनता है। ऐसे में कल चंद्रमा कन्या में और शनि मीन राशि में एक दूसरे को सप्तम दृष्टि से देख रहे हैं। इस योग के प्रभाव से धन लाभ, करियर में तरक्की और आर्थिक लाभ के अवसर प्राप्त होते हैं। ऐसे में यह योग मेष, कर्क, कन्या सहित कई राशियों के लिए वरदान साबित होगा।

मेष राशि– मेष राशि के जातकों को कल शनिवार के दिन अजनबी लोगों का सहयोग मिल सकता है। हालांकि, इस दौरान बेवजह आपके सामने कुछ परेशानियां खड़ी हो सकती हैं, जो आपके लाभ को प्रभावित करेंगी। इस दौरान आपको परिश्रम पर जोर देना होगा। ऐसे में सक्रिय हुए आपके विरोधी भी परास्त होते चले जाएंगे। घर में किसी निर्माण कार्य की आवश्यकता महसूस हो सकती है। किसी शुभ समाचार को सुनकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा।

वृषभ राशि –शनिवार के दिन वृषभ राशि वालों को तोड़ा संभलकर रहना होगा। अधिक उत्साह और जल्दबाजी से बने हुए कार्य बिगड़ सकते हैं। इस दौरान कुछ आर्थिक और पारिवारिक दबाव आपको घेरे रखेंगे। हालांकि, दिन के मध्य भाग में आपको शुभ समाचार भी मिलेंगे और कुछ पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। बेवजह शक करने से बचें। गलत तरीके से धन अर्जित न करें।

मिथुन राशि –मिथुन राशि वालों को आज के दिन परिवार पर थोड़ा अधिक ध्यान देना होगा। परिवार में आपसी मतभेद या झगड़ा होने की संभावना नजर आ रही है। हालांकि, शनिदेव का कृपा से आपका मान सम्मान बढ़ेगा और अप्रत्याशित लाभ की प्राप्ति भी होगी। हालांकि, आपको आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। आपके द्वारा किए गए कार्यों का विरोध भी हो सकता है। परिवार की समस्याओं के संबंधित कोई गलत निर्णय लेने से बचें।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए शनिवार का दिन विशेष लाभ लेकर आ रहा है। आपको परिश्रम का पूरा लाभ मिलेगा। इस दौरान आपको दूर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है। मानसिक परेशानी के चलते मन बेचैन रहेगा। दिन खत्म होने से पहले आपको कुछ अधूरे कार्यों को प्रमुखता से निपटाने होगा। सुख व दुःख को समान समझकर सब कुछ भाग्य पर छोड़ दें।

सिंह राशि –शनिवार के दिन सिंह राशि के जातकों को कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी या व्यवसाय से जुड़े सभी काम समय पर बनते चले जाएंगे। अच्छा अवसर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि, खर्च पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी होगा। व्यापार व व्यवसाय से संबंधित नए अनुभव आपके काम आएंगे। अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े जातकों की विभिन्न क्षेत्रों में लाभ होगा, जिससे आपकी साख बढ़ेगी।

कन्या राशि –कन्या राशि के जातकों के किसी उत्सव या त्योहार में शामिल होने का अवसर मिलेगा। अच्छा और मनपसंद भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। दिन भार कोई न कोई शुभ समाचार आपको मिलता ही रहेगा। इसलिए उन कामों पर अधिक फोकस करें जिसके बनने की उम्मीद अधिक हो। हालांकि, संतान को लेकर आपको थोड़ी चिंता हो सकती है।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए शनिवार का दिन कार्यक्षेत्र में सफलता लेकर आ रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी धाक जमेगी और एक के बाद एक सभी मामले सुलझते चले जाएंगे। उदर और आंख में कष्ट के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इससे काम करने में असहजता महसूस होगी। समय के अनुसार चलने से उन्नति के रास्ते खुलेंगे। समय के साथ तालमेल बनाकर रखें वरना समय आपको पीछे छोड़ देगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोगों के दांपत्य जीवन में सुख की वृद्धि होगी। जटिल कार्य आसानी से पूरे होते चले जाएंगे और इस दौरान नए और लाभदायक कार्यों का शुरुआत भी हो सकती है। सेहत थोड़ी गड़बड़ रहेगी। मानसिक उलझनों के कारण सिरदर्द की समस्या बनी रह सकती हैं। संतान पक्ष से भी थोड़ी चिंता रहेगी।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों को दिन की शुरुआत में कुछ समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। वाहन और आवास से संबंधी कुछ परेशानी आपके सामने आ सकती है। सिर उठा सकती हैं। हालांकि, जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको शुभ संदेश प्राप्त होने शुरू हो जाएंगे। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। स्वजनों का भी सहयोग मिलता हुआ दिख रहा है। कुछ पारिवारिक अशांति भी बनी रह सकती है।

मकर राशि – शनिवार का दिन मकर राशि के जातकों का बेहद ही शुभ रहने वाला है। आपके अंदर साहस बढ़ेगा और अपनी कड़ी मेहनत के बल पर आप लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस दौरान आपको मित्रों का सहयोग भी मिलेगा। किसी चल या अचल संपत्ति को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद को निपटाने का समय आ गया है। सोचे हुए कार्य सफल होंगे और मित्रों द्वारा किए जा रहे विरोध में कमी आएगी।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों को तर्क-वितर्क में समय बर्बाद करने से बचना होगा। किसी पर व्यर्थ का संदेह आपके लिए धन की हानि का कारण बन सकता है। नियोजित कार्यक्रम भी सफल होंगे और आर्थिक लाभ का सुअवसर भी मिलेगा। मां या मामा पक्ष से लाभ की आशा रहेगी। पुराने दोस्त के आगमन से परिवार में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन राशि –मीन राशि के लोगों के लिए शनिवार का दिन लाभकारी रहने वाला है। अपने व्यवहार के दम पर आप वो सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी चाह आपको लंबे समय से थी। जटिलताएं खत्म होती दिख रही है। विरोधियों पर भी आपको जीत मिलेगी। खान पान में परहेज करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। जीवनसाथी से आर्थिक कारणों से दूरी रहेगी लेकिन प्रेम यथावत बना रहेगा।

मौनी अमावस्या 18 को जानें दान-स्नान का शुभ मुहूर्त

मौनी अमावस्या को हिंदू धर्म में अत्यंत पुण्य दायी तिथि माना गया है। माघ मास की अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस पवित्र दिन सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं। ऐसे में स्नान, दान, जप-तप और पितरों का तर्पण करने के लिए इस दिन को शुभ माना गया है। मौनी अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व होता है। इससे पुण्य लाभ मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मान्यता है कि माघ मास के पुण्य काल में हरिद्वार और प्रयागराज में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और यह अश्वमेध यज्ञ के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या का स्नान सबसे बड़ा शाही स्नान माना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 17 जनवरी की रात 12 बजकर 4 मिनट पर होगी और अगले दिन 18 जनवरी की रात 1 बजकर 22 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, मौनी अमावस्या 18 जनवरी 2026, रविवार के दिन मनाई जाएगी।

मौनी अमावस्या पर दान-स्नान का शुभ मुहूर्त

मौनी अमावस्या पर ब्रह्म मुहूर्त से लेकर सूर्योदय तक का समय स्नान के लिए सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। ऐसे में सुबह 04 बजकर 43 मिनट से लेकर सुबह 05 बजकर 23 मिनट तक का समय शुभ रहेगा। इस दौरान पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा है। अगर नदी में स्नान करना संभव न हो तो घर पर ही गंगाजल मिलाकर स्नान करना भी पुण्य फल देता है। इस दिन तर्पण और दान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

मौनी अमावस्या पर पितरों का तर्पण

मौनी अमावस्या को पितरों के तर्पण के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है इस दिन पवित्र जल में स्नान कर तिल मिश्रित जल से पितरों का तर्पण करने और जरूरतमंदों को अन्न और वस्त्र आदि का दान करने से पितृ देवों का विशेष आशीर्वाद मिलता है।

मौनी अमावस्या पर तीन राशि के जातकों पर भगवान शिव की बरसेगी विशेष कृपा

कर्क राशि –मौनी अमावस्या के दिन कर्क राशि के जातकों पर भगवान शिव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से धर्म-कर्म कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे। घर पर मांगलिक कार्य का आयोजन होगा। मौनी अमावस्या के दिन यात्रा के योग बन रहे हैं। बिजनेस से जुड़े लोगों पर महादेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से धन लाभ के योग हैं। कारोबार में विशेष सफलता मिलेगी। निवेश के लिए शुक्ल पक्ष में उत्तम समय रहेगा। आपकी हर मनोकामना पूरी होगी। मानसिक तनाव से निजात मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। गंगा स्नान करने से लाभ प्राप्त होगा। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए गंगाजल में काले तिल मिलाकर अभिषेक करें।

मकर राशि– मकर राशि के स्वामी शनिदेव हैं और आराध्य भगवान शिव हैं। इस राशि के जातकों पर भगवान शिव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से आपके सभी बिगड़े काम बनने लगेंगे। कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। सपरिवार गंगा स्नान करने का मौका मिलेगा। पार्टनर का साथ मिलेगा। अधिकांश मामलों में आपको लाभ मिलेगा। मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा। भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए काले तिल का दान करें।

कुंभ राशि –मौनी अमावस्या के दिन कुंभ राशि के जातकों पर भगवान शिव की विशेष कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से आप मौन साधना करेंगे। आप एकांत प्रेमी हो सकते हैं। मानसिक तनाव की परेशानी दूर होगी। मन चंचल रहेगा। जल्दबाजी में कोई कदम न उठायें। परेशानियां कम होंगी। घर में खुशियों का माहौल रहेगा। अपनों का साथ मिलेगा। धार्मिक यात्रा के योग हैं। आप अपनों के साथ तीर्थ स्थल की यात्रा कर सकते हैं। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए पूजा के समय गंगाजल में अपराजिता का फूल मिलाकर अभिषेक करें। इस उपाय को करने से जीवन में उत्तम लाभ मिलेगा।

माघ महीने में इन पांच स्थानों पर दीप जलाने से दूर होती है गरीबी, बरसती है देवी लक्ष्मी की कृपा

माघ का महीने हिंदू धर्म में बेहद ही पवित्र महीना माना जाता है। इस महीने में सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं यानी सूर्यदेव अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं। वहीं, यह महीने भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना के लिए भी बेहद ही पवित्र माना जाता है। माना जाता है कि इस महीने में किए गए पूजा पाठ का दोगुना फल मिलता है। साथ ही सारी अधूरी इच्छाएं भी पूरी होती हैं। ऐसी ही इस महीने में 5 स्थानों पर दीपक जलाने से भी विशेष लाभ मिलता है। आइए जानते हैं माघ महीने में मकर संक्रांति के बाद से किन 5 स्थानों पर दीपक जलाना चाहिए।

माघ मास में इन स्थानों पर जरुर जलाएं दीपक

* मकर संक्रांति के बाद से माघ महीना समाप्त होने से भगवान विष्णु के सामने नियमित सुबह शाम घी का दीपक जलाएं। अगर आपके घर के पास भगवान विष्णु का मंदिर है तो मंदिर में जाकर दीपक जलाएं वरना आप घर में भी भगवान विष्णु को विराजमान करके उनके सामने दीपक प्रज्वलित कर सकते हैं।

* पुराणों के अनुसार, माघ मास में तुलसी सेवा और नियमित पूजा पाठ करने से कार्तिक मास में की गई सेवा के समान ही फल प्राप्त होता है। इस महीने में तुलसी को लाल चुनरी जरुर उढ़ाएं और नियमितसुबह शाम घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन धान्य की कोई कमी नहीं होती है।

* मकर संक्रांति के बाद से माघ मास समाप्त होने से रोजाना प्रदोष काल में घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर रखें।

* मंदिर में या पीपल के नीचे नियमित या फिर हर शनिवार और मौनी अमावस्या के दिन दीप जलाएं। ऐसा करने से आपको देवताओं की कृपा प्राप्त होगी।

* माघ मास समाप्त होने तक नदी तालाब या जलाशय के पास दीप जलाना चाहिए। अगर आप हर दिन नदी तालाब में स्नान नहीं कर पाते हैं तो प्रयास करें कि मौनी अमावस्या पर नदी में स्नान करें और दीप जलाकर भगवान विष्णु का ध्यान करें। ऐसा करने से न सिर्फ भगवान विष्णु बल्कि देवताओं की कृपा दृष्टि भी आप पर बनी रहेगी।

आंख फड़कने से लेकर हथेली में खुजली होना नहीं होता आम, देते हैं कई बड़े शुभ-अशुभ संकेत

कई बार अचानक हथेली में खुजली होने लगती है या आंखें फड़कने लगती हैं। हम अक्सर इसे आम घटना मानते हैं लेकिन, शकुन शास्त्र में इनके बारे में बहुत कुछ बताया गया है। माना जाता है कि शरीर के अंगों का फड़कना या हाथ से प्लेट आदि गिर जाना महज संयोग नहीं होता है बल्कि हमें ये आने वाले समय में होने वाली कुछ घटनाओं से जुड़े संकेत देते हैं। ये संकेत शुभ या अशुभ हो सकते हैं। शकुन शास्त्र में आंखों का फड़कना, हाथों में खुजली होना आदि से जुड़े कई प्रकार के संकेत बताए गए हैं।

आंख फड़कना किस बात का है संकेत

महिलाओं की दाईं आंख फड़कना : अगर महिलाओं की अचानक दाईं आंखें फड़कने लगे तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि आने वाले कुछ समय में आपको किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। मान्यता है कि ये मानसिक तनाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं आदि का भी संकेत हो सकता है।

पुरुषों की दाईं आंख फड़कना : शकुन शास्त्र के अनुसार, पुरुषों की दाईं आंख फड़कना शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि आने वाले थोड़े वक्त में आपके साथ कुछ अच्छा हो सकता है। इसका मतलब है कि आपको जल्द ही कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है या किसी कार्य में सफलता मिलने का भी संकेत हो सकता है।

महिलाओं की बाईं आंख फड़कना : मान्यता है कि महिलाओं की बाईं आंख फड़कना बेहद शुभ होता है। यह इस बात का इशारा हो सकता है कि आने वाले समय में आपको कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है या कोई कार्य पूर्ण हो सकता है।

पुरुषों की बाईं आंख फड़कना : अगर पुरुषों की बाईं आंख अचानक फड़कने लगे तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। इसका अर्थ है कि आने वाले समय में आपको किसी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है।

भौंहे फड़कना किस बात का संकेत

महिलाओं की दाईं भौंह फड़कना : शकुन शास्त्र के अनुसार, महिलाओं की दाईं आइब्रो फड़कना शुभ नहीं माना जाता है। यह आने वाली किसी परेशानी का संकेत हो सकता है। इसका अर्थ है कि आपको आर्थिक नुकसान या किसी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है।

पुरुषों की दाईं भौंह फड़कना : माना जाता है कि पुरुषों की दाईं भौंह फड़कना शुभ संकेत होता है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आपको धन लाभ हो सकता है। साथ ही, यह आपके मान-सम्मान में वृद्धि और किसी अच्छी खबर का संकेत भी हो सकता है।

महिलाओं की बाईं भौंह फड़कना : अगर महिलाओं की बाईं भौंह फड़के तो इसे अच्छा माना जाता है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि जल्द ही आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है। इसका अर्थ है कि आपको अपनों से जुड़ा कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है।

पुरुषों की बाईं भौंह फड़कना : मान्यता है कि पुरुषों की बाईं भौंह फड़कती है तो यह एक अशुभ संकेत होता है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपको आने वाले समय में धन संबंधी किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

हथेली में खुजली होना का मतलब

दाईं हथेली में खुजली होना : मान्यता है कि अगर अचानक से दाईं हथेली में खुजली होने लगे तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि आपको जल्द ही धन लाभ हो सकता है। साथ ही, ये अप्रत्याशित लाभ होने का संकेत भी हो सकता है।

बाईं हथेली में खुजली होना : अगर किसी व्यक्ति की बाईं हथेली में खुजली होने लगे तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। इसका मतलब है कि आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है या पैसों से जुड़ी समस्या का सामना कर सकते हैं।

हाथ से कांच का टूटना शुभ या अशुभ

शकुन शास्त्र के अनुसार, अगर अचानक किसी व्यक्ति के हाथ से कांच टूट जाए तो इसे एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि भविष्य में आपके ऊपर आने वाला को संकट या बड़ी समस्या टल गई है। ऐसे में टूटे हुए कांच को उठाकर तुरंत घर से बाहर कर देना चाहिए क्योंकि, घर में टूटा हुआ कांच रखना शुभ नहीं माना जाता है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

आधी रात दंगे की साजिश

जनवरी 6-7 की दरमियानी रात, करीब 1.30 बजे, गहरी नींद में सोने का वक्त था, लेकिन राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट में उपद्रव था, पथराव किया जा रहा था, कांच की बोतलों से भी हमले किए गए। एक उन्मादी, मजहबी और जेहादी किस्म की भीड़ थी, जो दंगा फैलाने पर आमादा लग रही थी। सिर्फ एक सफेद झूठ, मस्जिद तोड़ने की अफवाह, ने भीड़ को सड़कों पर उतरने को विवश किया था। एक वीडियो में एक शख्स भड़का-उकसा रहा था-'भाईयो! घरों से बाहर निकलने का वक्त है। अपनी दुकानें बंद करो। रात काली करो! मिलिट्री भी आ गई है। उधर कर्फ्यू लगा रखा है, ताकि मस्जिद को तोड़ा जा सके। देखो! मुसलमानों के क्या हाल किए जा रहे हैं! घरों से निकलो! हमें मस्जिद को बचाना है।' सिर्फ यही नहीं, किसी जलाल इमरान ने बड़े झूठ का वीडियो जारी किया-'मस्जिद तोड़ दी गई। 12 बजे से 3 बजे के बीच मस्जिद तोड़ दी गई।' रिजवान पाशा ने भी सोशल मीडिया पर झूठ बोल कर दंगा भड़काने की साजिश की और मस्जिद को तोड़ने की झूठी खबर फैलाई। दिल्ली पुलिस ने ऐसे करीब 100 वीडियो जारी किए जाने की बात कही है, जिनमें मस्जिद तोड़ने की अफवाह फैलाई गई। सर्दी की आधी रात में पत्थर, ईंटें, कांच की बोतलें, कीलें आखिर कहां से आ गईं, यह सवाल एक बार फिर उभरा है। यही दृश्य उन इलाकों में भी सामने आया है, जो मुस्लिम बहुल थे और जहां दंगे जैसी हिंसा हुई थी। दिल्ली दंगे भी इसी पृष्ठभूमि पर भड़के और फैले थे। अब तो राजधानी दिल्ली की सुरक्षा को भी ठेंगा दिखाया जा रहा है। ब्रह्म-सत्य सा यथार्थ यह है कि प्राचीन ''फैज-ए-इलाही'' मस्जिद पूरी तरह महफूज और सुरक्षित है। उसकी 0.195 एकड़ जमीन पूरी तरह वैध है। अलबत्ता उसके आसपास के करीब 36,400 वर्ग फुट के अवैध अतिक्रमण को, 32 बुलडोजरों और 4 क्रेन के जरिए, जरूर ध्वस्त किया गया है। मस्जिद के आसपास मिट्टी-मलबे के ढेर लगे हैं। यह दिल्ली उच्च न्यायालय का 12 नवंबर, 2025 का आदेश था और तीन माह की अवधि में अतिक्रमण ढहाए जाने थे। तुर्कमान गेट मुस्लिम-बहुल, संकरा, घनी आबादी वाला इलाका है, लिहाजा रात के वक्त ऑपरेशन करने का फैसला लिया गया। इलाके के दुकानदारों, ठेले-पटरीवालों से बातचीत कर पुलिस ने उन्हें सचेत और आगाह कर दिया था। बुनियादी मुद्दा अतिक्रमण और मजहब के बीच ऊंची दीवारें खड़ी हैं। वक्फ के खोखले, अवैध, दस्तावेजहीन दावे 'आग में घी' का काम करते हैं। जब अफवाहें फैलाई जा रही थीं और भीड़ सड़क पर उतर आई थी, तब सपा के रामपुर सांसद मोहिबुल्ला नदवी उस इलाके में क्या कर रहे थे? क्या उन्होंने भी भीड़ को उकसाने का संबोधन दिया था? पुलिस उनसे भी सवाल-जवाब करेगी। बेशक आरोपितों और संदिग्धों की धरपकड़ की गई है, फर्जी वीडियो जारी करने वालों की भी पहचान की जा रही है, लेकिन चिंता यह है कि कट्टरपंथ और जेहादी मानसिकता को कैसे समझाया जाए? आधी रात में लगभग दंगे के हालात बन गए थे। पथराव से अर्द्धसैन्य बल और पुलिस के जवान घायल हुए हैं। वे अस्पताल में उपचाराधीन हैं। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। हकीकत यह थी और आज भी है कि प्राचीन मस्जिद को उंगली तक नहीं लगाई गई। वहां से जामा मस्जिद तक के बीच करीब 10-12 छोटी मस्जिदें हैं, उन्हें भी खरोंच तक नहीं आई है। दरअसल राजधानी दिल्ली और देश में अवैध कब्जे और अतिक्रमण शाश्वत हो गए हैं। ये एक विकराल समस्या के तौर पर सामने हैं। भारत में 4 लाख से अधिक मस्जिदें हैं। उनसे अधिक करीब 8 लाख मस्जिदें इंडोनेशिया में ही हैं। यदि देश धर्मनिरपेक्ष न होता, तो क्या इतनी मस्जिदें देश में संभव थीं? वक्फ की बात करें, तो दिल्ली में ही उसकी 1047 संपत्तियां हैं, जिन पर विवाद नहीं है, लेकिन वक्फ राष्ट्रपति भवन परिसर, नए संसद भवन की जमीन, आईजीआई हवाई अड्डे, वायुसेना की जमीन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स आदि की जमीन पर भी दावे ठोंकता रहा है। इसका क्या औचित्य है? सेना और रेलवे की सैंकड़ों एकड़ जमीनों पर अवैध कब्जे हैं, अतिक्रमण किए गए हैं। क्या अदालत, सरकार या पुलिस उन्हें खाली करवा सकते हैं? फिलहाल हम 'न' में जवाब देने को विवश हैं।

> घरों से निकलो! हमें मस्जिद को बचाना है।' सिर्फ यही नहीं, किसी जलाल इमरान ने बड़े झूठ का वीडियो जारी किया-'मस्जिद तोड़ दी गई। 12 बजे से 3 बजे के बीच मस्जिद तोड़ दी गई।' रिजवान पाशा ने भी सोशल मीडिया पर झूठ बोल कर दंगा भड़काने की साजिश की और मस्जिद को तोड़ने की झूठी खबर फैलाई। दिल्ली पुलिस ने ऐसे करीब 100 वीडियो जारी किए जाने की बात कही है, जिनमें मस्जिद तोड़ने की अफवाह फैलाई गई। सर्दी की आधी रात में पत्थर, ईंटें, कांच की बोतलें, कीलें आखिर कहां से आ गईं, यह सवाल एक बार फिर उभरा है। यही दृश्य उन इलाकों में भी सामने आया है, जो मुस्लिम बहुल थे और जहां दंगे जैसी हिंसा हुई थी। दिल्ली दंगे भी इसी पृष्ठभूमि पर भड़के और फैले थे। अब तो राजधानी दिल्ली की सुरक्षा को भी ठेंगा दिखाया जा रहा है। ब्रह्म-सत्य सा यथार्थ यह है कि प्राचीन 'फैज-ए-इलाही' मस्जिद पूरी तरह महफूज और सुरक्षित है। उसकी 0.195 एकड़ जमीन पूरी तरह वैध है। अलबत्ता उसके आसपास के करीब 36,400 वर्ग फुट के अवैध अतिक्रमण को, 32 बुलडोजरों और 4 क्रेन के जरिए, जरूर ध्वस्त किया गया है। मस्जिद के आसपास मिट्टी-मलबे के ढेर लगे हैं। यह दिल्ली उच्च न्यायालय का 12 नवंबर, 2025 का आदेश था और तीन माह की अवधि में अतिक्रमण ढहाए जाने थे।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है

भूख से मुक्ति का राष्ट्रीय संकल्प है अटल कैंटीन योजना

ललित गर्ग

भूख केवल एक शारीरिक पीड़ा नहीं है, वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक कुंठा और नैतिक विचलन की जननी भी है। इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की 'अटल कैंटीन योजना' निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है। अटल कैंटीन योजना इन्हीं वर्गों के लिए जीवनरेखा बनकर सामने आई है, जो 'संकल्प से सिद्धि' के लक्ष्य को दर्शाता है और इसे देश में भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस योजना का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। अटलजी का संपूर्ण राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन अंत्योदय अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार से प्रेरित रहा। वर्ष 2000 में शुरू की गई अंत्योदय अन्न योजना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अटलजी के लिए गरीब केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति का केंद्र था। उस योजना के अंतर्गत अत्यंत गरीब परिवारों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया गया, जिससे करोड़ों लोगों को भुखमरी से राहत मिली। अटल कैंटीन योजना उसी सोच का आधुनिक शहरी संस्करण है, जहाँ अनाज के बजाय तैयार, पौष्टिक और स्वच्छ भोजन सीधे थाली में परोसा जा रहा है। यह नीतिगत निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील क्रियान्वयन से साकार होता है। अटल कैंटीन में भोजन की कीमत रुपये 5 रखी गई है, जबकि सरकार प्रत्येक थाली पर रुपये 25 की सब्सिडी दे रही है। यह मूल्य निर्धारण अत्यंत सोच-समझकर किया गया है। भोजन पूरी तरह मुफ्त न देकर एक न्यूनतम राशि तय करने का उद्देश्य यह है कि भोजन की कद्र बनी रहे और लाभार्थी इसे भीख नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान के रूप में ग्रहण करे। यह नीति सामाजिक मनोविज्ञान को समझने का उत्कृष्ट उदाहरण है। रेखा गुप्ता सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद

जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए जिस संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है, वह उनके प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व को रेखांकित करता है; अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ बताती हैं कि वे शासन को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम मानती हैं। किंतु सर्दी के इस कठोर मौसम में दिल्ली की सड़कों, फुटपाथों और फ्लाईओवरों के नीचे ठिठुरती रातें काटने को विवश गरीब और बेघर लोगों के लिए केवल मौसमी रैन-बसेरे पर्याप्त नहीं हैं, आवश्यकता एक स्थायी, समन्वित और मानवीय शीत-रक्षा योजना की है, जिसमें अस्थायी आश्रय के साथ गरम वस्त्र, पौष्टिक भोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था हो, ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी की सड़कों पर कोई भी व्यक्ति सर्द रात में बेसहारा और अदृश्य न रहे; ऐसा कदम न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रमाण होगा, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक जिम्मेदारी का भी सशक्त निर्वाह बनेगा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उपलब्ध कराया जा रहा भोजन पोषण मानकों के अनुरूप है। भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई मानकों का पालन किया जाता है, जिसमें प्रति थाली 700-800 कैलोरी और 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है। डिजिटल टोकन, सीसीटीवी और निगरानी के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक कैंटीन प्रतिदिन लगभग 1000 लोगों को भोजन परोसने की क्षमता रखती है, और 100 कैंटीन खोलने का लक्ष्य है। दाल, सब्जी, रोटी/चावल जैसे संतुलित आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें आरओ वाटर एवं अचार आदि भी परोसा जा रहा है ताकि यह योजना केवल पेट भरने तक सीमित न रहकर स्वास्थ्य सुधार में भी योगदान दे सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा गरीबों और निम्न आय वर्ग के लिए मुफ्त एवं रियायती अनाज योजनाएँ लगातार संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी पहलों ने संकट काल में करोड़ों परिवारों को राहत दी है। इन योजनाओं का मूल दर्शन यही है कि भूखा नागरिक न आत्मनिर्भर बन सकता है और न ही राष्ट्रनिर्माण में भागीदार। रेखा गुप्ता सरकार की अटल कैंटीन योजना इन राष्ट्रीय प्रयासों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। यह दर्शाती है कि केंद्र और राज्य, यदि समान मानवीय दृष्टि से काम करें, तो सामाजिक समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से संभव है। समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र दोनों ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भुखमरी और अपराध के बीच गहरा संबंध होता है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएँ पूरी नहीं होतीं, तो वह व्यवस्था के प्रति विद्रोही दृष्टिकोण अपनाने लगता है। यही कारण है कि अनेक महान नेताओं ने यह कहा है कि गरीब को पहले रोटी दो, उपदेश बाद में। भूखे को खिलाना किसी प्रकार का राजनीतिक प्रलोभन नहीं है। यह सच्ची राष्ट्रभक्ति, मानवीय कर्तव्य और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ अपराध को नियंत्रित करने, सामाजिक असंतोष को कम करने और लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करने का कार्य करती हैं। हालाँकि, किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके पारदर्शी, निगरानी और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। यह अत्यंत आवश्यक है कि अटल कैंटीन योजना को भ्रष्टाचार, अपव्यय और लापरवाही से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। खाद्य सामग्री की खरीद, भोजन की गुणवत्ता, लाभार्थियों की पहुँच, वित्तीय प्रबंधन और संचालन व्यवस्था-हर स्तर पर सख्त निगरानी, नियमित ऑडिट और सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस योजना में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार प्रवेश करता है, तो वह न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होगा, बल्कि गरीब के विश्वास के साथ भी विश्वासघात होगा। दिल्ली की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है। शहरीकरण के इस दौर में लगभग हर बड़े शहर में श्रमिक और निम्न आय वर्ग भोजन संकट से जूझ रहा है। यदि प्रत्येक राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार ऐसी योजनाएँ विकसित करे, तो देश से भुखमरी को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऐसी योजनाएँ खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक निवेश हैं। यह निवेश समाज को स्वस्थ, शांत और विश्वास लौटाता है। अंततः रुपये 5 की थाली केवल भोजन नहीं है। यह करुणा, गरिमा और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति है। यह अटल बिहारी वाजपेयी की अंत्योदय सोच और नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व की मानवीय दृष्टि का सार्थक संगम है। रेखा गुप्ता सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस योजना का लाभ सबसे पहले सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचे। यदि इस योजना को पारदर्शिता, ईमानदारी और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया गया, तो यह न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश के लिए भूख-मुक्त भारत की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध होगी।

> इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की 'अटल कैंटीन योजना' निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है।

देश दुनिया से

प्रदेश में घटता हिमपात एक बड़ी चुनौती

हिमाचल प्रदेश अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। सर्दियों में बर्फ की चादर व गर्मियों में ठंडी हवाएं पर्यटकों के मन को मोह लेती हैं। हिमाचल, हिम तथा अचल दो शब्दों का मेल है, जिसका शाब्दिक अर्थ 'बर्फ का पहाड़' अर्थात 'बर्फ के पहाड़ों से लदा प्रांत' होता है। अपनी हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाओं, बर्फीली वादियों और सदानीरा नदियों के कारण ही हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक संतुलन का प्रतीक रहा है। यहां की भौगोलिक संरचना पूरी तरह हिमपात, ग्लेशियरों और उनसे निकलने वाली नदियों पर आधारित है, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। लेकिन पिछले कुछ दशकों की बात करें तो प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने इस संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि किसी से छुपी नहीं, कहीं न कहीं हिमाचल भी इस समस्या से अछूता नहीं रहता। तापमान वृद्धि के कारण हिमालयी क्षेत्रों में पडने वाली बर्फ व सर्दियों की अवधि में भी निरंतर कमी देखने को मिल रही है। प्रदेश के तापमान में बढ़ोतरी से ठंडी हवाओं का प्रवाह कमजोर पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बर्फबारी की मात्रा और आवृत्ति में भारी गिरावट देखने को मिलती है। प्रदेश की राजधानी शिमला, मनाली, धर्मशाला, चम्बा-पांगी, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जैसे क्षेत्र बर्फ के लिए जाने जाते हैं। एक समय था जब सर्दियों के महीनों में लगातार और भारी हिमपात होता था। सर्दी में नवंबर के महीने से हिमपात होना शुरू हुआ करता था, जो मार्च तक जारी रहता था। कभी-कभार तो हिमपात अक्तूबर में भी हो जाता था तथा अप्रैल तक भी बर्फबारी के प्रमाण मिलते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जनवरी में भी प्रदेशवासियों की आंखें हिमपात को निहारती रहती हैं, अगर हिमपात होता भी है, तो नाममात्र। प्रदेश की ऊंची-ऊंची चोटियां बारहों महीने बर्फ से ढकी रहती थी, जिनकी संख्या में साल दर साल कमी देखने को मिल रही है। हिमपात प्राकृतिक जल भंडारण, अपितु कृषि के लिए भी प्राकृतिक रूप से सहायक होता है। मृदा में बर्फ की परत चढ़ जाने के कारण अनेकों प्रकार के मृदा रोग, विषाणु-कीटाणुओं का नाश तथा जल स्त्रोंतो का प्राकृतिक रूप से शुद्धिकरण होता है। परंतु अब स्थिति यह है कि सर्दियों में बर्फ के स्थान पर बारिश अधिक हो रही है, जो हम सभी के लिए गहन चिंता का विषय है। प्रदेश मौसम

विभाग के आंकड़े प्रदेश में हिमपात के इस बदलाव की गंभीरता को स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं। वर्ष 1990 से 2020 के बीच प्रदेश की पर्यटन नगरी शिमला में हिमपात में लगभग 37 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार 1990 से 2000 के दशक के बीच प्रदेश के जिला शिमला में जहां औसतन 129 सेंटीमीटर बर्फबारी होती थी, वहीं 2010 से 2020 के दौरान यह घटकर 80 सेंटीमीटर रह गई। पिछले 3 वर्षों में तो हिमपात का यह आंकड़ा दहाई के अंक को भी नहीं छू पाया, जो इस क्षेत्र के लिए असामान्य और चिंताजनक विषय है। यह चिंता केवल शिमला तक ही सीमित नहीं रहती, अपितु राज्य के दूसरे जिलों में भी स्थिति ठीक इसी प्रकार की ही दिखती है। राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र और स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश के प्रमुख नदी बेसिनों में कुल बर्फ क्षेत्र का लगभग 18.5 प्रतिशत तक सिकुड़ जाना भविष्य के जल संकट का स्पष्ट संकेत है। प्रदेश में बर्फबारी में कमी का सबसे गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव हिमाचल प्रदेश के ग्लेशियरों पर भी पडना स्वाभाविक है। आंकड़े ग्लेशियरों के क्षेत्रफल में 20 से 25 प्रतिशत तक की कमी को प्रदर्शित करते हैं। इसके अलावा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1984 से 2023 के बीच हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झीलों की संख्या और क्षेत्रफल में 27 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह स्थिति ग्लेशियर झील विस्फोट जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को बढ़ा रही है, जो पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकती हैं। ग्लेशियरों के सिकुडने और बर्फ कवर में गिरावट का सीधा असर हिमाचल की प्रमुख नदियों पर पड़ता भी दिख रहा है। ये नदियां हिमपात और ग्लेशियरों से मिलने वाले जल पर निर्भर हैं। सतलुज बेसिन में बर्फ कवर, ब्यास नदी का जल प्रवाह तथा रावी बेसिन में बर्फ क्षेत्र की कमी दर्ज की गई है, जिससे प्रदेश में निकट भविष्य में जल आपूर्ति अनियमित होने की संभावना में दिखती प्रतीत होती है। इन नदियों का महत्व केवल हिमाचल तक सीमित नहीं है, बल्कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों की जल सुरक्षा भी इन्हीं पर निर्भर करती है। हिमपात में कमी होने से न केवल जल संकट की स्थिति बल्कि प्रदेश की कृषि और बागवानी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बागवानी में ठंडे क्षेत्रों की फसलों को पर्याप्त ठंड (चिलिंग आवर) न मिलने से उत्पादन और गुणवता प्रभावित हुई है। इसके अतिरिक्त पारिस्थितिक तन्त्र, जैव विविधता पर भी नकारात्मक प्रभाव हुआ है, प्रदेश की कई वनस्पतियां व जीव जंतु अपने प्राकृतिक आवास को खो चुके हैं। निकट भविष्य में जहां शीतकालीन पर्यटन, स्कीइंग व बर्फ से जुड़ी पर्यटन गतिविधियों को मुख्य आधार माना जा सकता है, उसमें निश्चित रूप से कमी देखने हो मिल रही है, जो प्रदेश में रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है। हिमपात में कमी जलवायु परिवर्तन को और तेज करती है, जिससे भविष्य में तापमान बढने और मौसम के असामान्य व्यवहार की आशंका भी बढ़ जाती है। अनियमित वर्षा, भूस्खलन, बादल फटना और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की संभावना बढ़ जाती है, जिसके उदाहरण पिछले तीन वर्षों में हमें प्रदेश में देखने को मिले हैं। इसके पीछे कारणों को खोजें तो जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि, वनों की कटाई एवं आग, पश्चिमी विक्षोभ में अनियमितता, आधुनिकीकरण तथा पर्यावरण प्रदूषण विद्यमान हैं। जलवायु परिवर्तन यद्यपि यह एक वैश्विक चुनौती है, फिर भी स्थानीय स्तर पर प्रभावी उपाय करने की जरूरत है। बड़े पैमाने पर वनरोपण और उससे भी कहीं अधिक वनों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, कृत्रिम ग्लेशियरों का निर्माण जरूरी है। प्रकृति के संरक्षण में ही प्रदेश तथा देश की भलाई है।

आप का नज़रिया

पीएम की खुदेगी कब्र!

राजधानी दिल्ली का जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) नफरत, हिंसा और छद्म वामपंथ का ऐसा अड्डा है, जहां छात्रों की युवा पीढियों को, साल-दर-साल, जहरीला और देश-विरोधी बनाया जा रहा है। दुर्भाग्य है कि आतंकवादी अफजल गुरु और उमर खालिद, शरजील इमाम इन छात्रों के 'आदर्श' हैं। पाकिस्तान के लिए वे मर्माहत होते हैं और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अपमान करते हैं। संसद को वे ढकोसला करार देते हैं, लिहाजा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ भी आंदोलित होते हैं। अब उन्हीं छात्रों की एक जमात देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कब्र खोदने के नारे लगा रही है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की कब्र जेएनयू की 'लाल मिट्टी' पर, 'लाल दीवारों' वाली जमीन पर ही खुदेगी और ये छात्र 'लाल सलाम' की हुंकारें भरेंगे। आखिर प्रधानमंत्री की कब्र क्यों खुदेगी? ऐसे ही नारे कांग्रेस नेताओं ने भी लगाए थे। उन अपराधों की नियति क्या हुई? देश आज भी जानना चाहता है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जेएनयू के छात्रों के साथ क्या अपराध किया है? भारत सरकार करोड़ों रुपए सालाना का अनुदान देकर ऐसे विश्वविद्यालय को संचालित कर रही है, जहां छद्म वामपंथ और देशद्रोही प्रवृत्तियां पलती रही हैं। वामपंथ शेष देश में अप्रासंगिक हो चुका है। उसके कुछ अवशेष बचे हैं, लेकिन छात्रों के एक वर्ग में आज भी यह फैशन के तौर पर जिंदा है। कैसी विडंबना और विरोधाभास है यह? 'कब्र खुदेगी' किसी वैचारिक लड़ाई, संघर्ष का भी हिस्सा नहीं है। संविधान हम सभी को अधिकार देता है कि हम प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों, राजनीति और विचारधारा का विरोध कर सकते हैं। आंदोलन छेड़ सकते हैं, लेकिन जिस शख्स को देश के लोकतंत्र ने बहुमत देकर प्रधानमंत्री चुना है और उस प्रधानमंत्री ने एक निर्वाचित सांसद को अपना गृहमंत्री चुना है, उनकी 'कब्र खुदेगी' के नारे लगाना, डफली की ताल पर तालियां बजा कर विरोध-प्रदर्शन करना तो 'लोकतांत्रिक मजाक' है। यह देश के कार्यकारी प्रमुख को गालियां देना है, लिहाजा यह असंवैधानिक है और अस्वीकार्य भी है। ऐसे 'लाल-लाल' छात्रों को विश्वविद्यालय से बर्खास्त कर हमेशा के लिए 'काली सूची' में डाल देना चाहिए। उनका शैक्षिक करियर बर्बाद होता है, तो उसकी भी परवाह नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह भडक़ी, उकसाई गई, उच्छृंखल जमात पढ़ाई के लिए विश्वविद्यालय में नहीं आई है। वे देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कब्र इसलिए खोदने के उत्तेजक नारे लगा रहे हैं, क्योंकि सर्वोच्च अदालत ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं दी है। बल्कि उन्हें 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश का 'केंद्रीय आरोपित' माना है। वे आगामी एक साल तक जमानत के लिए दोबारा आवेदन भी नहीं कर सकेंगे। दिल्ली दंगों में 53 मासूम मौतें हुई थीं, 581 लोग घायल हुए थे और 1200 से अधिक घर और दुकानें जला दी गईं या तबाह कर दी गई थीं। कोई सामान्य अपराध नहीं था। उमर और शरजील भी जेएनयू की देश-विरोधी जमात के सदस्य रहे हैं। वे उस कन्हैया कुमार के बगलगीर थे, जो आज कांग्रेस में राहुल गांधी के 'लाड़ले नेता' हैं। जब आतंकवादी अफजल गुरु को फांसी दी गई, तो उसके कुछ समय बाद, मोदी के प्रधानमंत्री काल में ही, जेएनयू में घोर देशद्रोही नारे लगाए गए थे-'भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशा अल्लाह...।' आजादी, आजादी के भी नारे लगाए गए। आखिर किससे चाहिए आजादी? देश तो आजाद है, लिहाजा 'अभिव्यक्ति की आजादी' का मौलिक अधिकार भी हासिल है, लेकिन प्रधानमंत्री की 'कब्र खुदेगी' किसी भी मायने में अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। यह नापाक गाली है और कानून का उल्लंघन भी है, लिहाजा सोमवार रात, 5 जनवरी, जेएनयू परिसर में, साबरमती हॉस्टल के बाहर, ऐसी नारेबाजी करना विश्वविद्यालय की आचार संहिता के भी खिलाफ है। बहरहाल जेएनयू प्रशासन के आग्रह और हुड़दंगियों की पहचान के आधार पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है, लेकिन शेष कार्रवाई पुलिस को करनी है। यह विश्वविद्यालय भारत में दूसरा सबसे उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थान है, लेकिन वामपंथ के एक गिरोह ने छात्रों की मानसिकता विद्रूप करने का लगातार काम किया है, नतीजतन भारत के ही युवा, भारत का ही विरोध करते रहे हैं। अब कठोर कार्रवाई अपेक्षित है। इस तरह के नारों से देश कमजोर ही होगा।

> दुर्भाग्य है कि आतंकवादी अफजल गुरु और उमर खालिद, शरजील इमाम इन छात्रों के 'आदर्श' हैं। पाकिस्तान के लिए वे मर्माहत होते हैं और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अपमान करते हैं। संसद को वे ढकोसला करार देते हैं, लिहाजा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ भी आंदोलित होते हैं। अब उन्हीं छात्रों की एक जमात देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की कब्र खोदने के नारे लगा रही है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की कब्र जेएनयू की 'लाल मिट्टी' पर, 'लाल दीवारों' वाली जमीन पर ही खुदेगी और ये छात्र 'लाल सलाम' की हुंकारें भरेंगे। आखिर प्रधानमंत्री की कब्र क्यों खुदेगी? ऐसे ही नारे कांग्रेस नेताओं ने भी लगाए थे। उन अपराधों की नियति क्या हुई? देश आज भी जानना चाहता है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जेएनयू के छात्रों के साथ क्या अपराध किया है? भारत सरकार करोड़ों रुपए सालाना का अनुदान देकर ऐसे विश्वविद्यालय को संचालित कर रही है, जहां छद्म वामपंथ और देशद्रोही प्रवृत्तियां पलती रही हैं। वामपंथ शेष देश में अप्रासंगिक हो चुका है।

कुछ अलग

पहाड़ की बेटियां

कहा जाता है कि इतिहास स्वयं को दोहराता है। दुर्भाग्यवश, यह कथन केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे सामाजिक और राजनीतिक यथार्थ का कड़वा सच बन चुका है। उत्तराखंड की बेटी अंकिता हो या धर्मशाला डिग्री कालेज की छात्रा पल्लवी, दोनों के लिए न्याय की मांग प्रबल होती जा रही है, परंतु यह संघर्ष किसी एक या दो घटनाओं तक सीमित नहीं रह जाता है, बल्कि हमें दशकों पीछे ले जाकर एक और पीड़ादायक स्मृति से रूबरू कराता है। बेटियों पर अत्याचार, उनका शारीरिक शोषण कोई नई कहानी नहीं है। राजनीति और अपराध का गठजोड़ भी आज का नहीं, बल्कि वर्षों से स्थापित एक भयावह परंपरा है। इसकी एक झलक हमें सन 1979 में भी देखने को मिलती है, जब अखबारों की सुर्खियां एक नाम से गूंज उठी थीं- 'सुजाता हत्याकांड'। 23 सितंबर 1979 की वह काली रात, जब जिला कांगड़ा के गांव सलियाना की 21 वर्षीय छात्रा सुजाता, सोनीपत के गोहाना में अपने छात्रावास से महज 60 गज की दूरी पर अगले दिन मृत पाई गई थी। सुजाता एक स्कूल अध्यापक की बेटी थी। जिस शिक्षण संस्थान में वह पढ़ती और रहती थी, उसके मालिक पर तरह-तरह के आरोप लगे। उसके राजनीतिक संबंधों और चरित्र पर उंगलियां उठीं। छात्रावास में रहने वाली युवतियों के यौन शोषण की चर्चाओं ने समाज को झकझोर दिया। जनता में वही आक्रोश, वही बेचैनी और वही सवाल उठे, जो आज अंकिता के मामले में उठ रहे हैं। उस समय भी लोग सडक़ों पर उतरे थे। न्याय की मांग बुलंद थी। परंतु व्यवस्था ने उस आवाज को सुनने के बजाय दबाने का रास्ता चुना।

दृष्टि कोण

विश्व राजनीति की नई पहचान

दूसरे विश्व युद्ध के बाद दुनिया में एक नया ध्रुवीकरण हुआ था। उसमें दो नई महाशक्तियां उभरी थीं। रूस और अमेरिका। पूर्वी यूरोप के देश रूस की छाया में दे दिए गए। शेष यूरोप को अमेरिका ने अपनी छाया में ले लिया। जापान को सजा दी गई थी। उसे सेना रखने से रोक दिया गया। जर्मनी को सजा में दो हिस्सों में बांट दिया गया। आगे से लड़ाई न हो, इसकी व्यवस्था के लिए 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ संस्था बना दी गई। लेकिन मामला नियंत्रण से बाहर न हो जाए, इसके लिए रूस, अमेरिका, फ्रांस व इंग्लैंड इसकी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बने। एशिया से चीन को स्थायी सदस्य बनाया गया, क्योंकि चीन ने विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों की मदद की थी। इन पांच स्थायी सदस्यों को वीटो पावर दी गई। दूसरे विश्व युद्ध से एशिया और अफ्रीका को एक लाभ यह हुआ कि उसके अधिकांश देश यूरोप के देशों के शिकंजे से मुक्त होने लगे। भारत भी उनमें से एक था। मोटे तौर पर दो महाशक्तियां स्थापित हो गईं, अमेरिका (यूएसए) और सोवियत रूस। इन दोनों के वैचारिक धरातल भी अलग थे। सोवियत रूस का दावा था कि वह कम्युनिज्म का पक्षधर है और अमेरिका पूंजीवाद का पोषक है। इस व्यवस्था को झटका तब लगा जब चीन में लंबे अरसे से चला आ रहा सिविल युद्ध कामयाब हो गया और चीन के अधिकांश हिस्से पर माओ के नेतृत्व में कम्युनिस्ट पार्टी का कब्जा हो गया और चीन की सरकार ताईवान तक सीमित हो गई। यहां तक कि कम्युनिस्ट पार्टी ने देश का आधिकारिक नाम भी रिपब्लिक ऑफ चाईना से बदल कर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाईना कर दिया। लेकिन अमेरिका की जिद के कारण 1971 तक वीटो पावर रिपब्लिक ऑफ चाईना

(ताईवान) के पास ही रही, जबकि उसके पास अपनी रक्षा कर पाने की ताकत भी नहीं थी। शुरू में तो चीन सोवियत रूस की छाया में रहा। इसके लिए उसके पास कम्युनिज्म का बहाना भी था। लेकिन धीरे धीरे जब उसने अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत समेट ली तो वह उसकी छाया से मुक्त हो गया। अलबत्ता अमेरिकी महाद्वीप के दक्षिणी हिस्से जिसमें ज्यादातर स्पेन के लोग आ बसे थे, के अनेक देशों ने कम्युनिज्म व्यवस्था को स्वीकार किया हुआ था। यूएसए की कूटनीतिक लड़ाई वैचारिक आधार के पर्दे में सोवियत रूस और लातीनी अमेरिका के देशों से हो रही थी। इस लड़ाई में सोवियत रूस टूट गया। उसके बाद सारी व्यवस्थाएं चरमरा गईं। मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप रूस के शिकंजे से निकल गया। पश्चिमी यूरोप में जर्मनी की दीवार टूट गई। चीन ने आर्थिक क्षेत्र में तो कम्युनिस्ट व्यवस्था छोड़ दी लेकिन शासन में पुरानी व्यवस्था जारी रखी। अमेरिका ने भी नए हालात में अपनी रणनीति बदली। उसने अपने आर्थिक हितों के लिए दूसरे देशों में सीधा सैन्य हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। जिस देश का राष्ट्रपति/अध्यक्ष अमेरिका के अनुकूल न हो, उसे सजा देने का उत्तरदायित्व वाशिंगटन ने स्वयं उठा लिया। इराक का सद्दाम हुसैन अमेरिका की इसी नीति का शिकार हुआ था। लेकिन अब वाशिंगटन के पास इस प्रकार के कामों के लिए कोई वैचारिक ढाल नहीं थी क्योंकि सद्दाम हुसैन को कम्युनिस्ट तो कहा नहीं जा सकता था। इसलिए अब अमेरिका ने नई रणनीति में आतंकवाद/ड्रगवाद को आधार बनाया। जबकि अफगानिस्तान के समय से अमेरिका ने खुद ही इस्लामी आतंकवाद की फसलें तैयार की थीं। लेकिन पिछले कुछ समय से अमेरिका ने इस प्रकार के सभी छद्म पर्दों से मुक्ति पा ली है। अब वाशिंगटन साफ-साफ किसी चतुर व्यापारी की भाषा में बात करनी शुरू कर रहा है। अमेरिका की इस नई नीति का शिकार वेनेजुएला हुआ है। हो सकता है लातीनी अमेरिका के कुछ अन्य देश भी अगली किश्त में इसका शिकार हो जाएं। वेनेजुएला में तेल है। चतुर व्यापारी जानता है तेल की कीमत होती है। इसलिए उसे वेनेजुएला की जरूरत है। ऐसा नहीं कि तेल की जरूरत अमेरिका को अभी हुई है या फिर वाशिंगटन को इसकी अहमियत पहली बार पता चली है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर-सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आ-वश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन-देन में सावधानी बरतें। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुल-ाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। जी-वनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन-जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 जनवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 08:26 तक
नक्षत्र : हस्त सायं 03:40 तक
योग : अतिगंड सायं 04:57 तक
करण : बव प्रातः 08:26 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 04:53 तक
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 05:58 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 05:51 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी , स्वामी विवेकानंद जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विगत दो वर्षों में बुनियादी ढांचे में हुआ बड़ा सुधार गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज : शर्मा

जयपुर, 09 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। चिकित्सा सेवा का क्षेत्र, दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी से निभाए स्वास्थ्यकर्मी

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है। हर रोगी को संवेदनशीलता के साथ अच्छा उपचार मिले और जीवन रक्षा का उद्देश्य फलीभूत हो। यही इस क्षेत्र की महानता है। चिकित्सकों एवं इस क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी को चाहिए कि वे अपने दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाए। राज्य सरकार ऐसे सेवाभावी कार्मिकों के सम्मान में कोई कमी नहीं रखेगी। लेकिन जनता के पैसे का दुरूपयोग करने वाले एवं स्वास्थ्य योजनाओं में अनियमितता करने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। साथ ही, भीलवाड़ा, धौलपुर, प्रतापगढ़, नाथद्वारा एवं बूंदी में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गई है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिले। इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले स्तर तक चिकित्सा सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। विगत दो वर्षों में 7 उप जिला अस्पताल, 2 सैटेलाइट अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 14 संस्थानों का जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा 7 नवीन सैटेलाइट अस्पतालों की स्थापना की गई है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राजस्थान टेक्सटाइल पॉलिसी की सराहना की

जयपुर , 09 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने असम के गुवाहटी में आयोजित राष्ट्रीय कपड़ा मंत्रियों के सम्मेलन में कहा कि राजस्थान सरकार ने टेक्सटाइल क्षेत्र के विकास और निवेश के लिए एक पॉलिसी बनाई है, अन्य राज्य भी इस तरह का रोडमैप तैयार करें। इससे पूर्व जब उनको राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 की प्रति दी गई, तो उन्होंने इस नीति सराहना की। इस दो-दिवसीय सम्मेलन में देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कपड़ा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भारत के कपड़ा क्षेत्र के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए जुटे हैं। इसमें राजस्थान सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई के नेतृत्व में शामिल हुआ है, जिसमें वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त एसएस शाह सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

इस सम्मेलन में वस्त्र मंत्रालय ने राजस्थान सहित 15 राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। वस्त्र मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन वस्त्र केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-आरएएमपीएस) योजना का हिस्सा हैं। केंद्र सरकार की यह योजना वस्त्र संबंधी सांख्यिकीय उत्पादों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार लाने के लिए बनाई गई है।

बांग्लादेश में सनातनी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार व हत्याओं को रूकवाने मांग

टोंक, 09 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सनातनी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार व हत्याओं को रूकवाने के लिए दबाव बनाने की मांग को लेकर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच टोंक ने घंटाघर पर पुतला फूंका, तत्पश्चात जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय संयोजक एवं राजस्थान प्रभारी अबूबकर नकवी एवं जिला संयोजक शकील अहमद ने बताया कि पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में निरंकुश शासक शासन कर रहा है, वहां पर रह रहे सनातनी अल्पसंख्यकों को यातनाऐं दी जा रही है तथा हत्याऐं की जा रही है एवं महिला, बहिन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है। ऐसी परिस्थिति में हिन्दुस्तान की जनता आत्मग्लानी व दुख महसूस कर रही है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच भी पूरे देश में बांग्लादेश के विरोध में प्रदर्शन व पुतला जलाया जा रहा है।

उन्होने मांग की है कि ऑपरेशन सिन्दूर के तर्ज पर ही बांग्लादेश में भी एक ऐसा ऑपरेशन हिन्दुस्तान की सेना द्वारा चलाया जाये, जिससे बांग्लादेश को सबक मिल सके तथा बांग्लादेश में रह रहे सनातनी अल्पसंख्यकों को राहत मिल सके। इस मौके पर अशरफ कलंदर, वसीम सैफी, इम्तियाज, ईदू पंजाबी, महमूद अली, वाहिद भाई, आबिद अली, मोहम्मद इस्लाम, जुबेर पठान, हसीन अहमद, मोहसिन खान, जुनैद खान, रईस नद्दाफी, नासिर अली, नसीब, बदरुद्दीन खान, संजय खान, सिद्दीक भाई, कफिल देशवाली एवं नसीब देश वाली आदि मौजूद थे।

जोधपुर सेंट्रल जेल में कैदी की संदिग्ध मौत पर हाईकोर्ट ने दिए न्यायिक जांच के आदेश

जेल अधिकारियों पर अवैध वसूली के आरोप

जोधपुर, 09 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जोधपुर सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में बंद एक अंडरट्रायल कैदी की संदिग्ध मौत को गंभीर मामला मानते हुए 15 दिनों के भीतर न्यायिक जांच पूरी करने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार पर सीधा प्रहार बताया। जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने मृतक के परिजनों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जेल अधीक्षक और जेलर को शपथपत्र के जरिए अपना स्पष्टीकरण पेश करने का निर्देश दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर गंभीर चोटें पाई गईं- हेमेटोमा, सिर पर सूजन, कटे घाव, ताजा खून और खरोंचें। डॉक्टरों के अनुसार ये सभी चोटें मृत्यु से 0-6 घंटे पहले लगी थीं, जब मृतक पूरी तरह जेल प्रशासन की अभिरक्षा में था। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जेल अधीक्षक कैदियों का वैधानिक संरक्षक होने के नाते इन

चोटों के लिए जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि जेल अधिकारियों ने सुरक्षा के नाम पर मृतक के परिजनों से अवैध वसूली की। कोर्ट ने कहा कि जेलों में भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की शिकायतें कोई नई बात नहीं हैं, और ये अक्सर मोबाइल, नशीले पदार्थ और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की पहुंच का कारण बनती हैं।

हाईकोर्ट ने जांच में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लंबित मामलों में देरी साक्ष्यों को कमजोर करती है और न्याय व्यवस्था में आमजन का विश्वास कम करती है। कोर्ट ने एसीजेएम (सीबीआई प्रकरण), जोधपुर मेट्रो को 15 दिनों में जांच पूरी करने और रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करने के आदेश दिए। जांच अधिकारी को संवैधानिक महत्व के प्रति संवेदनशील बनाने और आवश्यक प्रशासनिक सहयोग देने के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भी निर्देशित किया गया। अगली सुनवाई 23 जनवरी 2026 को होगी, जिसमें जेल अधीक्षक और जेलर द्वारा दाखिल शपथपत्रों पर विचार किया जाएगा।

मनरेगा को कमजोर करना गरीबों के अधिकारों पर सीधा हमला: सैलजा

टोहाना, 09 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के दावों के बीच जमीनी सच्चाई यह है कि लोगों के हाथों से काम छीना जा रहा है और रोजगार की गारंटी को धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है। वे आज रतिया हलके में ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं से बात कर रही थीं। उनके साथ डीसीसी प्रेजिडेंट जयपाल सिंह लाली, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरविंद शर्मा, मंगतराम लालवास, सुरेंद्र वरतिया, महिला प्रधान परमजीत कौर, सुधीर गोदारा सहित अन्य नेता थे। कुमारी सैलजा ने कहा कि यूपीए सरकार के समय, जब देश के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे, तब मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना लागू की गई थी। इस योजना ने ग्रामीण गरीबों को 100 दिन के सुनिश्चित रोजगार की गारंटी दी और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविड महामारी और आपदा के कठिन समय में भी मनरेगा गरीबों और मजदूरों के लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार ने मनरेगा को व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया है। पहले जहां गांवों में काम मांगने पर रोजगार मिलता था, अब स्थिति यह है कि राज्य सरकारों को केंद्र के पास प्रस्ताव भेजने पड़ते हैं और उसके बाद भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं रहती। भुगतान में देरी और बजट में कटौती से मजदूरों का भरोसा तोड़ा जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम को हटाने की सोच भी उसी मानसिकता को दर्शाती है, जबकि महात्मा गांधी का सपना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का था और मनरेगा उसी सोच का सशक्त माध्यम था।

हरियाणा के 5 जिलों में सर्दी की पहली बारिश, 17 जिलों में शीतलहर का अलर्ट; 7 जिलों में तापमान 5 डिग्री तक गिरा

हिसार, 09 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं के चलते ठंड का असर और तेज हो गया है। शुक्रवार सुबह फरीदाबाद और गुरुग्राम में हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे दिन के तापमान में भी गिरावट आई है। बारिश के कारण कोहरे से कुछ राहत मिली है, लेकिन ठंड और बढ़ गई है। राजस्थान से सटे जिलों और मध्य हरियाणा में कोल्ड वेव के चलते दिन का तापमान लगातार गिर रहा है। चंडीगढ़ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र (खचऊ) के अनुसार, आज और कल भी ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। जीटी रोड बेल्ट के जिलों में सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई। गुरुग्राम और फरीदाबाद के अलावा पानीपत, भिवानी और झज्जर में भी हल्की बारिश हुई है। सर्दी के मौसम की यह पहली बारिश मानी जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को हरियाणा के 17 जिलों में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है। इनमें सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी, चरखीदादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, करनाल, गुरुग्राम, पलवल और नूंह शामिल हैं।

हर वर्ग के कल्याण को समर्पित होगा हरियाणा का आम बजट : नायब सिंह

चंडीगढ़, 09 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश का आगामी बजट हर नागरिक की खुशहाली और हर वर्ग के कल्याण को समर्पित होगा। इस बजट निर्माण की प्रक्रिया को बंद कमरों तक सीमित न रखकर सरकार द्वारा सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि एक सर्व समाज के कल्याण में एक हितकारी बजट पेश किया जा सके। बजट पूर्व परामर्श बैठकों के क्रम में मुख्यमंत्री शुक्रवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड में उद्योग एवं विनिर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजा नाहर सिंह के बलिदान दिवस पर उनको शत-शत नमन किया। उन्होंने कहा कि यह फरीदाबाद के लिए गौरव की बात है, जो इस धरती पर राजा नाहर सिंह का जन्म हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में तेज गति से उद्योगों का विकास हो रहा है। आए दिन

बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाईयां हरियाणा में आ रही है। ऐसे में प्रदेश सरकार एक बेहतर औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने के लिए नई-नई नीतियां बना रही है। हरियाणा के औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश सरकार ने आगामी बजट के लिए यह लक्ष्य रखा है कि यह बजट अधिक से अधिक उद्योगों के अनुकूल हो ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले व 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा हो। उन्होंने कहा कि इस मंच पर एकत्र होने का उद्देश्य सहभागी लोकतंत्र और सहभागी शासन की भावना को साकार करना है ताकि प्रदेश के विकास को और गति से आगे बढ़ा सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने बीते वर्ष भी बजट पूर्व परामर्श बैठकों का आयोजन किया था, जिसमें विस्तृत और सार्थक विचार-विमर्श हुआ था और 71 सुझावों को हमने सीधे बजट का हिस्सा बनाया था। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं श्रम विभाग हरियाणा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसी को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025-26 में इस विभाग के लिए लगभग 1 हजार 951 करोड़ 43 लाख रुपये का प्रावधान किया गया। इसमें से अब तक 873 करोड़ 51 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने उद्योगों के दृष्टिगत अनेक दूरगामी निर्णय लिए हैं, जिसमें अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण, औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन की प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नए इन्क्यूबेशन सेंटरों की स्थापना, टेक्सटाइल नीति का विस्तार, पद्मा नीति के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति तथा जीरो वेस्ट और जीरो वॉटर वेस्टेज की दिशा में औद्योगिक क्षेत्रों में ई.टी.पी. प्लांट्स की स्थापना जैसे निर्णय शामिल हैं। इन उपलब्धियों के पीछे आप सभी के बहुमूल्य सुझाव, आपकी समझ और विभागीय समन्वय की बड़ी भूमिका रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कि औद्योगिक विकास के लिए बजट में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हमारा पूरा प्रयास है कि आगामी बजट रोजगार, निवेश, नवाचार और आत्मनिर्भरता का मजबूत करने वाला बजट हो। उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश में औद्योगिक विकास, व्यापारिक सुगमता और निवेश प्रोत्साहन के लिए बजट प्रावधानों में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने बजट से जुड़े सभी हितधारकों से आह्वान किया कि वे अपने बहुमूल्य सुझाव एआई चौटबॉट पर दें ताकि बेहतरीन सुझावों को इस बजट में शामिल किया जा सके।

सीएम कप में जिले का नाम रोशन करें : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने सीएम कप खेल प्रतियोगिताओं में जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

शुक्रवार को एकीकृत जिला कलेक्टरेट भवन परिसर में जिला युवा एवं खेल सेवा विभाग द्वारा आयोजित सीएम कप गेम्स-2025 की मशाल रैली का उद्घाटन जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, एसपी नितिका पंत, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड, बाजार समिति अध्यक्ष इरुकुल्ला मंगा तथा जिला खेल अधिकारी अश्वक ने कागदा जलाकर किया।कलेक्टर ने कहा कि खेल से शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक प्रसन्नता मिलती है तथा तनाव कम होता है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिनके विजेता राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की अपेक्षा की।जिला एसपी नितिका पंत ने खेल भावना से भाग लेने तथा हार-जीत से परे सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आह्वान किया। कलेक्ट्रेट से कोमुराम भीम चौराहा तक मशाल रैली निकाली गई।

कार्यक्रम में बाजार समिति प्रबंधक, निर्वाचन प्रभारी श्याम नाइक, अधिकारी, युवा संगठन प्रतिनिधि, खिलाड़ी, कर्मचारी, पुलिसकर्मी व व्यायाम शिक्षक उपस्थित रहे।

छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व पौष्टिक भोजन दें

आसिफाबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सरकारी स्कूलों व कल्याण छात्रावासों में पढ़ने वाली लड़कियों को मेनू अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराएं, ऐसा जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने निर्देश दिए।

शुक्रवार को रेबेना मंडल के गंगापुर गांव स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा किया। अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) व प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी के साथ रसोई, बर्तन भंडारण कक्ष, मेनू टेबल व भोजन गुणवत्ता की जांच की।

कलेक्टर ने कहा कि सरकार सभी सरकारी विद्यालयों व छात्रावासों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। छात्राओं को पोषणयुक्त मेनू, साफ-सुथरी रसोई व कक्षाएं प्रदान हों।

10वीं व इंटर कक्षाओं पर विशेष ध्यान दें, वार्षिक परीक्षाओं में 100% पास सुनिश्चित करें तथा कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाएं चलाएं।

ठंड में सुबह गर्म पानी, ताजी सब्जियां व गुणवत्ता सामग्री से भोजन बनाएं। शिक्षा सरल व समझने योग्य हो।

बाद में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र वितरित किए।

हाईकोर्ट ने सिरपुर पेपर मिल मैनेजमेंट की याचिका खारिज की, सीटू ने चुनाव की मांग तेज की

कागजनगर, 9 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुरम्भीम जिले की सिरपुर पेपर मिल में ट्रेड-यूनियन वेरिफिकेशन के लिए होने वाले गुप्त मतदान (सीक्रेट बैलट) को रोकने के लिए मैनेजमेंट द्वारा हाईकोर्ट में दायर याचिका को आज सुबह 11 बजे खारिज कर दिया गया। न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखने के बाद घोषणा की कि मज़दूरों का चुनावी अधिकार बरकरार रहेगा और 23 जनवरी तक अंतिम आदेश जारी किया जाएगा।सीटू से जुड़ी सिरपुर पेपर मिल्स मज़दूर यूनियन (ए-2510) के जनरल सेक्रेटरी कुषाण राजन्ना ने बताया कि मैनेजमेंट ने स्टे लेने की कोशिश की थी, लेकिन यूनियन ने तुरंत हाईकोर्ट में काउंटर पिटीशन दाखिल कराई। वकील आबिद हुसैन ने बिना कोई फीस लिए मज़दूरों की पैरवी की और याचिका को खारिज करवाया। राजन्ना ने लेबर डिपार्टमेंट (डीसीएल) को चेतावनी दी कि वह तत्काल चुनाव की तारीख का एलान करे, अन्यथा मज़दूर सीधे विभाग के खिलाफ आंदोलन करेंगे।इस जीत के जश्न में यूनियन लीडर मुंजम श्रीनिवास, नीली राजन्ना, अंगला श्रीनिवास, राम शेट्टी, राजन्ना, पुली भूमाया, बशीर, मुंजम आनंद कुमार, सीटू के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट कामरेड त्रिवेणी, स्टेट सेक्रेटरी सुधाकर और डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी जाधव राजेंद्र सहित बड़ी संख्या में मज़दूर मौजूद रहे।

मदनूर में ग्रामीणों को अंधविश्वासों व साइबर अपराधों से सावधान किया

मदनूर, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर पुलिस थाना क्षेत्र के सुल्तानपेट गांव में शुक्रवार को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों को अंधविश्वासों से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, यदि कोई अजनबी या संदिग्ध व्यक्ति गांव में प्रवेश करे या कोई अप्रिय घटना घटित हो, तो तुरंत आपातकालीन नंबर 100 पर कॉल कर पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई।

साइबर अपराधों, अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले सामान्य तरीकों, उनसे बचाव की सावधानियों तथा साइबर धोखाधड़ी की सूचना 1930 पर देने के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। गांव की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना व देखभाल के महत्व को रेखांकित किया गया।

वर्तमान में गांव में लगे लगभग 12 सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे, जिन्हें तुरंत हटा दिया गया। गांव के बुजुर्गों और मुखिया ने इन्हें शीघ्र मरम्मत कराने का वादा किया।

मदनूर में युवा कांग्रेस ने केटीआर का पुतला जलाकर किया विरोध

मदनूर, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवा कांग्रेस के नेतृत्व में शुक्रवार को स्थानीय मंडल केंद्र के पास पुराने बस्तान के बगल में बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव का पुतला जलाया गया।

इस दौरान युवा कांग्रेस अध्यक्ष हनुमंत यादव ने बताया कि हाल ही में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में केटीआर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

युवा कांग्रेस ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी टिप्पणियां दोहराई गईं तो गली से लेकर दिल्ली तक बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के जिला महासचिव मोहम्मद अब्बू, एलआईसी जिला महासचिव अजीम पटेल, एनएसयेआई मंडल अध्यक्ष बसवराज पटेल, युवा कांग्रेस नेता बालू यादव, गंगाधर, अबजाल, अविनाश और साहेब राव सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

वेमपल्ली स्कूलों में शिक्षकों का प्रदर्शन, केंद्र सरकार से मांगें तुरंत पूरी करने की अपील

वेमपल्ली, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया जॉइंट एक्शन कमेटी ऑफ़ टीचर्स ऑर्गेनाइज़ेशन्स के राष्ट्रीय आह्वान पर जेडपीएसएस के नेतृत्व में आज ज़िला परिषद् उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वेमपल्ली परिसर में शिक्षकों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से टीचर्स व एजुकेशन सेक्टर की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

कोमाराम भीम ज़िला एआईजेएसीटीओ संयोजक वैद्य शांति कुमारी, श्यामसुंदर व मुदिमादुगुला तिरुपति ने बताया कि आंदोलन की प्रमुख मांगें हैं कि कार्यरत शिक्षकों को टीईटी से तत्काल छूट, सीपीएस (न्यू पेंशन स्कीम) की समाप्ति, एनईपी-2020 को वापस लेना, एसजीटीएस को एमएलसी चुनाव में मताधिकार और समान कार्य-समान वेतन शामिल हैं।

नेताओं ने कहा कि 10 जनवरी को प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को ई-मेल ज्ञापन भेजे जाएँगे और 5 फरवरी को 'चलो संसद' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक भाग लेंगे।इस अवसर पर स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकाश, लक्ष्मीनारायण और ओम प्रकाश माधवी सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित रहे।

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में भव्य विश्व हिंदी दिवस समारोह

आसिफाबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कागजनगर के हिंदी विभाग प्रमुख डी.जनार्दन की अगुवाई में विश्व हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया गया।

प्राचार्या के.श्रीदेवी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी का महत्व बढ़ रहा है, इसलिए सभी को इसकी जागरूकता बढ़ानी चाहिए।

हिंदी विभाग प्रमुख डी.जनार्दन ने बताया कि हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं तथा यह तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। सभी को हिंदी बोलने की आदत डालनी चाहिए, इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

चाइनीज मांझा बिक्री पर सख्त कानूनी कार्रवाई

बेल्लमपल्ली, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संक्रांति त्यौहार को देखते हुए मंचेरियाल जिले के बेल्लमपल्ली नगर में वन टाउन पुलिस ने चाइना मांझा की बिक्री, उपयोग, प्रदर्शन या रखने पर सख्त चेतावनी जारी की है।शुक्रवार सुबह वन टाउन सीआई के. श्रीनिवास राव ने पुलिस टीम के साथ बेल्लमपल्ली बाजार इलाके की सभी पतंग दुकानों का निरीक्षण किया। सीआई ने कहा कि चाइना मांझा जानलेवा है, जिसमें धातु का मिश्रण होने से यह पक्षियों, पशुओं व इंसानों के लिए घातक साबित होता है।

पतंग उड़ाते समय या गिरने पर गला, हाथ व चेहरा कटने का खतरा रहता है।

सीआई ने चेतावनी दी कि चाइना मांझा बेचने वालों के खिलाफ बिना किसी छूट के कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने सभी से पुलिस निर्देशों का पालन करने और जानमाल की हानि रोकने का आग्रह किया।

पत्रकारों ने कांग्रेस नेता की धमकी पर किया प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

बेल्लमपल्ली, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद के निकट सहयोगी और कांग्रेस नेता कारुकूरी रामचंदर द्वारा एनटीवी संवाददाता रमेश को जान से मारने की धमकी तथा उनके परिवार की महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किए जाने पर स्थानीय प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी पत्रकारों ने रामचंदर के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था, यदि किसी खबर पर आपत्ति है तो खंडन दिया जा सकता है, लेकिन पत्रकारों को धमकाना बिल्कुल अस्वीकार्य है। समाज में इस तरह की गुंडागर्दी की कोई जगह नहीं। पुलिस द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो मंचेरियाल जिला स्तर पर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी भी दी गई।

इस विरोध-प्रदर्शन में जिले के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े दर्जनों पत्रकार शामिल रहे।

सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सड़क पर वाहन चलाते समय सभी सुरक्षित यात्रा अपनाएं, ऐसा जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा।

जिला आरटीसी डिपो में डिपो मैनेजर राजशेखर की अध्यक्षता में जिला न्यायिक सेवा संगठन, परिवहन विभाग व आरटीओ द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया गया। जिला एसपी नितिका पंत, परिवहन अधिकारी शंकर नाइक व अग्निशमन अधिकारी भीमैया ने भाग लिया।

कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं रोकने पर जोर दिया। आरटीसी ड्राइवरों से दुर्घटना मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने, लापरवाही न बरतने की अपील की। कहा कि एक की लापरवाही से कई जिंदगियां खतरे में पड़ती हैं।

एसपी नितिका पंत ने यातायात नियम पालन पर बल दिया। बताया कि 2024-25 में जिले में दुर्घटनाओं में कोई खास कमी नहीं आई, इसे शून्य करने के लिए सभी सहयोग करें।

रक्षात्मक ड्राइविंग, अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव, प्राथमिक उपचार व दुर्घटना बाद सावधानियों का प्रायोगिक प्रदर्शन अग्निशमन व चिकित्सा अधिकारियों ने किया। कर्मचारियों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली। कार्यक्रम में जिला चिकित्सा अधिकारी सीताराम, डॉ. विनोद कुमार व आरटीसी स्टाफ उपस्थित रहे।

बिना सूचना गायब रहे शिक्षक को कारण-बताओ नोटिस

मदनूर, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला परिषद् हायर-स्कूल मदनूर के छात्रों ने स्थानीय निवासी गलबेवार हणमंत के जरिये शिकायत की कि पी. अजित कुमार कई दिनों से कक्षा में नहीं आ रहे, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है।प्रधानाध्यापक ने शिकायत के बाद कक्षाओं का निरीक्षण किया। अजित कुमार 2 से 8 जनवरी तक अवकाश पर थे, लेकिन 9 जनवरी को प्रातःकाल ड्यूटी पर आने के बाद दोपहर बिना सूचना गायब मिले। इस अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रधानाध्यापक ने तत्काल उन्हें कारण-बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण माँगा है।

विशेष अधिकारी ने केजीबीवी पाठशाला व इंदिराम्मा आवासों का निरीक्षण किया

मदनूर, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंडल विशेष अधिकारी राम मोहन ने आज मदनूर केजीबीवी (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय) का औचक निरीक्षण किया। ग्राम सरपंच ऊषा संतोष और मंडल विकास अधिकारी रानी के साथ पहुंचे श्री राम मोहन ने रसोईघर, भंडारगृह, कक्षाएं व स्नानघर देखे। प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि बच्चों को मेनू के अनुसार ही पौष्टिक भोजन दिया जाए और स्नानघरों को स्वच्छ बनाए रखें। इसके बाद उन्होंने थड़ी हिपरगा व सोनाला गांवों में चल रहे इंदिराम्मा आवास निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। निरीक्षण दौरान संबंधित ग्राम सरपंच, सचिव व ग्राम पंचायत सचिव संदीप उपस्थित रहे।

सऊदी प्रो लीग 2025–26 : अल क़ादिसिया से हार के बाद रोनाल्डो और अल नासर की खिताबी दौड़ को झटका

रियाद,09 जनवरी (एजेंसियां)।

सऊदी प्रो लीग 2025–26 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर को खिताबी दौड़ में बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में अल नासर को अल क़ादिसिया के खिलाफ 1–2 से हार का सामना करना पड़ा। यह अल नासर की लगातार दूसरी लीग हार है।

इस हार के बाद अल नासर 31 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है और शीर्ष पर मौजूद अल हिलाल से चार अंक पीछे है। दोनों टीमें अब सोमवार को होने वाले रियाद डर्बी में आमने–सामने होंगी।

अल क़ादिसिया की ओर से जूलियन क्विनोनेस और नाहितान नांदेज़ ने गोल दागे, जबकि अल नासर के लिए एकमात्र गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी से किया।

मैच की शुरुआत में घरेलू मैदान अल अव्वाल पार्क में अल नासर ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन ब्रेंडन राजर्स के मार्गदर्शन में खेल रही अल क़ादिसिया ने मजबूत रक्षात्मक ढांचा बनाए रखा। 30वें मिनट में क्विनोनेस ने हाफ–वाली पर शानदार शाट लगाया, लेकिन अल नासर के गोलकीपर नवाफ अलाकीदी ने बेहतरीन बचाव किया।

पहले हाफ के अंतिम क्षणों में किंग्सले कोमान के पास बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका था, लेकिन एंजेलो गेब्रियल के क्रास पर उनका क्लोज रेंज शाट लक्ष्य से चूक गया। दूसरे हाफ के छठे मिनट में अल नासर की बड़ी गलती ने मैच का रुख बदल दिया। गोलकीपर अलाकीदी गेंद को क्लियर करने के प्रयास में चूक गए और गेंद क्विनोनेस से टकराकर उनके ही सामने आ गई। खुले गोल के सामने क्विनोनेस ने कोई गलती नहीं की और अल क़ादिसिया को बढ़त दिला दी। पहला गोल करने के बाद अल क़ादिसिया को झटका लगा जब उसका पहला पसंदीदा गोलकीपर कोएन कास्टील्स चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गया। हालांकि इसके बावजूद टीम का आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। 66वें मिनट में अल क़ादिसिया ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। क्विनोनेस ने दाहिने फ्लैंक से गेंद जीतकर रेटेगुई को पास दिया। रेटेगुई का पहला शाट बचा लिया गया, लेकिन रिबाउंड पर नांदेज़ ने जोरदार शाट लगाकर गेंद को जाल की छत में पहुंचा दिया। मैच के 80वें मिनट में अल नासर को वापसी का मौका मिला, जब वीएआर की समीक्षा के बाद जेहाद थाकरी के हैंडबाल पर पेनल्टी दी गई। इस फैसले पर अल क़ादिसिया के खिलाड़ियों ने कड़ा विरोध किया, जिसमें नांदेज़ को असहमति जताने पर पीला कार्ड भी दिखाया गया।

न्यूज ब्रीफ

विजय हजारे ट्राफी में अंतिम ओवर मेडन कर रामकृष्ण ने बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रामकृष्ण घोष ने गोवा के साथ हुए विजय हजारे ट्राफी मैच के अंतिम ओवर को मेडन फेंककर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। लिस्ट ए क्रिकेट में पहली बार किसी गेंदबाज ने अंतिम ओवर में एक भी रन नहीं दिया। इस प्रकार की गेंदबाजी पहली बार देखने में आयी है। इस मैच में गोवा का अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल 5 रन बनाने थे और उसकी जीत तय नजर आ रही थी पर रामकृष्ण ने अंतिम ओवर में गोवा के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। रामकृष्ण ने इस मैच में 10 ओवर में 35 रन देकर 1 विकेट लिया। रामकृष्ण ने इसमें से दो ओवर मेडन किये। इस मैच में जीत के लिए 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा की टीम अंतिम तीन ओवर में केवल 11 रन नहीं बना पाये जिससे सभी हैरान है। रामकृष्ण ने मैच का 48 वां ओवर भी मेडन किया था। गोवा ने 49वें ओवर में किसी तरह पांच रन बनाए पर अंतिम ओवर में फिर रामकृष्ण के खिलाफ बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे। रामकृष्ण इस बार आईपीएल में डेब्यू करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए भी दिखेंगे।

तीरंदाज अंकिता की नजरें एशियाई खेलों पर लगीं

नई दिल्ली। तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं। अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने हाल ही में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयान्ग और जांग मिन ही को हराया, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु–ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साह से भरी हैं। अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रान्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी–कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं।

अभी हमारा ध्यान टी20 नहीं एकदिवसीय सीरीज पर : मिचेल

वडोदरा। न्यूज़ीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा है अभी उनका ध्यान भारतीय टीम के खिलाफ 11 जनवरी से शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज पर है। इसलिए टीम अभी उसी की तैयारी में लगी है। इसके समाप्त होने के बाद ही टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर अपनी रणनीति बनाएगी। मिचेल का मानना है कि भारतीय टीम के टी20 सीरीज में उनके बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवती का सामना करना आसान नहीं होगा। इस बल्लेबाज के अनुसार अभी टीम उस सीरीज हो देख रही है जो सामने है। इसलिए अभी टी20 विश्वकप के बारे में सोचा नहीं जा सकता। मिचेल ने कहा, टी20 विश्व कप अभी एक महीने दूर है। इसलिए अभी हम केवल एकदिवसीय सीरीज में ही बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। भारतीय टीम के पास बुमराह और वरुण जैसे शानदर गेंदबाज हैं, जो हमारे लिए चुनौतियां पेश करेंगे। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल होगी। एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उतरेगी जिससे किवी गेंदबाजों को काफी अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। ये मुकाबले टी20 वर्ल्ड कप से पहले लय हासिल करने का अवसर भी देते हैं, मिचेल ने साफ किया कि टीम इसे केवल अभ्यास नहीं, बल्कि एक अहम द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ले रही है। मिचेल ने भारतीय पिचों को लेकर भी अपनी बात रखी और कहा कि यहां की परिस्थितियों में ढलना विदेशी टीमों के लिए हमेशा कठिन रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टर्न लेती पिचें कीवी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी परेशानी होंगी।

प्रीमियर लीग 2025–26 : आर्सेनल और लिवरपूल के बीच गोलरहित ड्रा

लंदन,09 जनवरी (एजेंसियां)।

आर्सेनल को प्रीमियर लीग 2025-26 में शीर्ष पर अपनी बढ़त आठ अंकों तक ले जाने का सुनहरा मौका गंवाना पड़ा, जब बारिश से भीगे एमिरेट्स स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में उसका सामना डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल से 0-0 की निराशाजनक बराबरी पर छूटा।

मिकेल आर्टेटा की टीम ने अपने पिछले सात घरेलू लीग मुकाबले जीते थे और उसे उम्मीद थी कि वह खिताबी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाएगी, खासकर तब जब मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला ने एक रात पहले अंक गंवाए थे। हालांकि, लिवरपूल—जो चोटों से जूझ रहा था और बिना किसी मान्यता प्राप्त स्ट्राइकर के उतरा—ने आर्सेनल को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

मैच की शुरुआत में आर्सेनल ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन लिवरपूल ने धीरे–धीरे लय पकड़ी और पहले हाफ में बढ़त लेने के सबसे करीब रहा। कानर ब्रैडली का चिप शाट क्रासबार से टकरा गया, जबकि कोडी गाकपो का फालो–अप शाट डिफेंस ने रोक लिया।

दूसरे हाफ में आर्टेटा ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कई बदलाव किए, लेकिन उनका असर सीमित रहा। गेब्रियल जीसस, गेब्रियल मार्टिनेली, एबेरेची एज़े और नोनी माडुके जैसे खिलाड़ियों को उतारने के बावजूद आर्सेनल की आक्रमण पंक्ति बेअसर रही और मुकाबला धीरे–धीरे फीका पड़ गया।

इस ड्रा के साथ आर्सेनल मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला से छह अंक आगे शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि लिवरपूल नौ मैचों की अपराजेय लीग श्रृंखला के बावजूद चौथे स्थान पर है और शीर्ष से 14 अंक पीछे है। दूसरे हाफ में आर्सेनल का दबदबा लगभग नदारद रहा। टीम को स्टापेज टाइम तक कोई कार्नर भी नहीं मिला और उसकी मशहूर सेट–पीस रणनीति भी काम नहीं आई। मैच के अंत में खिलाड़ियों और दर्शकों के चेहरों पर निराशा साफ दिखी, हालांकि 17 मैच शेष रहते आर्सेनल अब भी 2004 के बाद अपना पहला इंग्लिश लीग खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

मैच के बाद आर्टेटा ने कहा,

दूसरा हाफ हमारे लिए काफी मुश्किल रहा। ऐसे मुकाबलों में किसी खास पल की जरूरत होती है, जो नहीं आया। लेकिन अगर आप जीत नहीं सकते, तो हारना भी नहीं चाहिए। क्रिसमस के दौरान हमने छह मैच खेले और इसके बावजूद हम मजबूत स्थिति में हैं।

लिवरपूल को अंक मिलना जायज रहा, हालांकि उसे अंत में एक और चोट का झटका लगा जब ब्रैडली स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए। इस घटना के दौरान गेब्रियल मार्टिनेली द्वारा घायल खिलाड़ी को मैदान से हटाने की कोशिश पर विवाद हुआ और उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। लिवरपूल के मिडफील्डर डोमिनिक सोबोस्लाई ने कहा, हम जीतना चाहते हैं, वे भी जीतना चाहते हैं, लेकिन किसी खिलाड़ी की सेहत किसी भी चीज से ज्यादा अहम है।

मैच का हाल

मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला के अंक गंवाने के बाद आर्सेनल के लिए खिताबी दौड़ में बढ़त बनाने का मंच सजा था। शुरुआती मिनटों में आर्सेनल ने पजेशन पर कब्जा रखा, लेकिन बुकेयो साका के एक शाट के अलावा कोई बड़ा मौका नहीं बना पाया। लिवरपूल, जो ह्यूगो एकिटिके, अलेक्जेंडर इसाक और मोहम्मद सलाह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेल रहा था, पहले बड़े मौके का हकदार बना। विलियम सलीबा और गोलकीपर डेविड राया के बीच गलतफहमी का फायदा उठाते हुए ब्रैडली ने शानदार प्रयास किया, जो दुर्भाग्यवश क्रासबार से टकरा गया। दूसरे हाफ में भी मैच का पैटर्न नहीं बदला। आर्सेनल सुस्त दिखा और लिवरपूल ने खेल की गति को नियंत्रित किया। अंत में चार हमलावरों के साथ खेलने के बावजूद आर्सेनल लीग में अगस्त के बाद पहली बार गोल करने में नाकाम रहा। इस तरह, खिताबी दौड़ में अहम मौके पर आर्सेनल को एक अंक से संतोष करना पड़ा।

हरमनप्रीत ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की : झूलन

मुंबई,09 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि उसने विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है। इसलिए कप्तान के तौर पर उसने जो स्तर हासिल किया है। वह आने वाले समय में किसी के लिए भी हासिल करना बेहद कठिन होगा। हरमनप्रीत के नाम भारतीय टीम को घरेलू धरती पर खिताब जिताने के अलावा मुंबई इंडियंस को डब्लयूपीएल खिताब जिताना भी है। साथ ही कहा कि उसने वह सब किया है जो अभी तक नहीं हुआ था और महिला क्रिकेट दशकों से इसी क्षण का इंतजार कर रहा था।

भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान असाधारण

इस दिग्गज खिलाड़ी के अनुसार उन्होंने बड़े मैचों में दबाव के बीच भी काम करने की क्षमता विकसित कर जी है और यही टीम की सफलता का राज है। गोस्वामी ने कहा, उन्होंने भारतीय क्रिकेट, मुंबई इंडियंस और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट के लिए जो किया है, वह शीर्ष स्तर का प्रदर्शन है। मुझे नहीं लगता कि आने वाले समय में कोई भी उनके रिकार्ड तक पहुंच पाएगा। साथस ही कहा कि हरमनप्रीत के पास अभी चार से पांच साल और हैं ऐसे में वह अभी आगे भी खेल में अहम भूमिका निभाएंगी। झूलन ने विश्वकप जीत के जश्न को याद कर कहा कि पूर्व खिलाड़ियों को बुलाकर उन्होंने अलग–अलग पीढ़ियों की भारतीय महिला क्रिकेटरों को जोड़ने का काम किया है और इसी जितनी प्रशंसा की जाये कम है। और यह दिखाता है कि यह जीत सिर्फ मौजूदा टीम की नहीं, बल्कि उन सभी खिलाड़ियों की है जिन्होंने महिला क्रिकेट की नींव रखी।

विजय हजारे ट्राफी के क्वार्टर फाइनल में 13 को होगा दिल्ली और विदर्भ का मुकाबला

बेंगलुरु। दिल्ली टीम ने विजय हजारे ट्राफी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां अब उसे 13 जनवरी को विदर्भ से खेलना है। दिल्ली की कप्तानी ऋषभ पंत कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने गत दिवस हरियाणा को नौ विकेट से हराकर ग्रुप डी में पहले स्थान हासिल किया था। अब दिल्ली को चौथे क्वार्टरफाइनल में 13 जनवरी को सेंटर आफ एक्सीलेंस में विदर्भ से खेलना है हालांकि इस मैच में ऋषभ नहीं खेलेंगे क्योंकि इस समय वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में व्यस्त रहेंगे। हरियाणा के खिलाफ मैच में इशांत शर्मा ने तीन विकेट लिए। हरियाणा की टीम 25.4 ओवर में केवल 105 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दिल्ली ने नीतीश राणा के नाबाद 57 रनों की सहायता से 13.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। वहीं दिल्ली के अलावा ग्रुप डी से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम सौराष्ट्र रही। सौराष्ट्र ने एक अन्य मुकाबले में गुजरात की टीम को 145 रन से हराया है। सौराष्ट्र ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 383 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम 238 रन ही बना पायी। सौराष्ट्र की ओर से विश्वराज जडेजा ने 103 गेंद में 112 रन जबकि प्रेरक मांकड़ ने तेजी से 86 रन बनाये। वहीं कप्तान हार्विक देसाई ने 82 रन बनाए।

सरताज अकादमी और सनराइज स्पोर्ट्स में 3 साल का अनुबंध, 11 से सजेगा बैडमिंटन का कोर्ट

17वीं योनेक्स सनराइज विद्यालयीन बैडमिंटन स्पर्धा में पहली बार दी जाएगी इनामी राशि

इन्दौर,09 जनवरी (एजेंसियां)।

बैडमिंटन जगत की दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनी योनेक्स (सनराइज स्पोर्ट्स) और शहर की प्रतिष्ठित सरताज अकादमी के बीच खेल विकास को लेकर अगले तीन साल (2028 तक) के लिए अनुबंध का नवीनीकरण हुआ है। इस साझेदारी के तहत अकादमी को योनेक्स की अत्याधुनिक खेल सुविधाएं, उपकरण और किट उपलब्ध कराई जाएंगी। इसी अनुबंध की कड़ी में 11 से 15 जनवरी तक 17वीं योनेक्स सनराइज विद्यालयीन खुली बैडमिंटन स्पर्धा का आयोजन अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में किया जा रहा है।

सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक धर्मेश यशलहा ने बताया कि अकादमी का योनेक्स सनराइज स्पोर्ट्स के साथ पिछले 22–23 वर्षों से गहरा नाता है। नए अनुबंध के तहत सनराइज स्पोर्ट्स हर साल एक बड़ी बैडमिंटन स्पर्धा को भी प्रायोजित करेगा। गौरतलब है कि जापान की योनेक्स कंपनी बैडमिंटन क्षेत्र में विश्व की अग्रणी संस्था है, जिसके रैकेट और जूते अब भारत में भी निर्मित होने लगे हैं।

यह स्पर्धा पहली बार अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी के तीन कोर्ट्स पर आयोजित की जा रही है। इसमें बालक–बालिका वर्ग के तहत 9, 11, 13, 15 और 17 वर्ष आयु समूह के मुकाबले होंगे। 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग में एकल के साथ युगल (डबल्स) मैच भी खेले जाएंगे, जबकि 9 और 11 वर्ष वर्ग में केवल एकल स्पर्धाएं होंगी।

स्पर्धा को आकर्षक बनाने के लिए आयोजकों ने पहली बार खिलाड़ियों के लिए इनामी राशि की घोषणा की है। विजेताओं को ट्राफी, योनेक्स टी–शर्ट और प्रमाणपत्रों के साथ नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ पत्रकार स्व. राहुल बारपुते की स्मृति में सर्वश्रेष्ठ बालक व बालिका खिलाड़ी का विशेष पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

9 जनवरी एंट्री की अंतिम तिथि – स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपनी प्रविष्टियाँ 9 जनवरी तक स्पर्धा सचिव धर्मेश यशलहा या हर्ष सरग को दे सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को स्मृति स्वरूप उपहार और प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

नेशनल वालीबाल में यूपी की बेटियों का कमाल, क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

पुरुष वर्ग में कड़े संघर्ष के बाद रेलवे से हारा उत्तर प्रदेश

72वीं सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप

वाराणसी,09 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डा. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में जारी 72वीं सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप के पांचवें दिन गुरुवार शाम उत्तर प्रदेश की महिला टीम ने अपने जुझारू प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग मुकाबले में ओडिशा को हराकर यूपी की बेटियों ने अगले चक्र में प्रवेश कर लिया। वहीं, पुरुष वर्ग में कांटे की टक्कर के बीच रेलवे ने उत्तर प्रदेश का सफर रोक दिया। महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग में उत्तर प्रदेश और ओडिशा के बीच हर अंक के लिए संघर्ष हुआ। यूपी की जीत की मुख्य सूत्रधार सेटर आर्या रहीं, जिन्होंने अपनी उंगलियों के जादू से शानदार बाल सेट किए। उनकी सटीक सेटिंग का पूरा फायदा काजल और प्रियंका जैसी अटैकर्स ने उठाया और ओडिशा के पाले में धुआंधार स्मैश की बौछार कर दी। डिफेंस में लिब्रो जान्सी ने अविश्वसनीय कलेक्शन दिखाए, जबकि नेट पर मीना और नीलू ने अपनी ब्लाकिंग से प्रतिद्वंद्वी के हमलों को नाकाम कर दिया। ओडिशा की हार का मुख्य कारण उनका कमजोर बाल पास और अंत में बिखरा हुआ तालमेल रहा। यूपी ने यह मुकाबला 3–1 (25–23, 27–25, 23–25, 25–23) से अपने नाम किया।

वही, पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग में रेलवे ने उत्तर प्रदेश को 3–2 से शिकस्त दी। यूपी की ओर से रजनीश सिंह और शहीद आलम के पावरफुल शाट्स और यूनिवर्सल सूर्यांश के आलराउंड प्रदर्शन ने रेलवे को मुश्किल में डाले रखा, लेकिन अंत में रेलवे के अनुभव ने बाजी मार ली। रेलवे के अटैकर रोहित, शाहिद व तनिष्क और ब्लाकर संजय मलिक व शुभम के सामने यूपी का डिफेंस टिक नहीं सका। यूनिवर्सल रोहित के आलराउंड प्रदर्शन ने रेलवे की जीत सुनिश्चित की।

शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच

प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल के 8 मैच खेले जाएंगे। इसमें दोपहर 12:00 बजे: हरियाणा बनाम रेलवे ,दोपहर 02:00 बजे: सर्विसेज बनाम राजस्थान,शाम 04:00 बजे: झारखंड बनाम पंजाब,शाम 06:00 बजे: तमिलनाडु बनाम केरल

महिला वर्ग

दोपहर 12:00 बजे: केरल बनाम उत्तर प्रदेश

दोपहर 02:00 बजे: पश्चिम बंगाल बनाम हरियाणा

शाम 04:00 बजे: राजस्थान बनाम चंडीगढ़

शाम 06:00 बजे: रेलवे बनाम तमिलनाडु।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मोटोरोला का बुक-स्टाइल वाला फोल्डेबल फोन लांच

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां) ।

मोटोरोला ने मोटोरोला रेजर फोल्ड फोन लांच कर दिया है। कंपनी का यह बुक-स्टाइल फोल्डेबल फोन कई जबर्दस्त फीचर्स के साथ आता है। कंपनी ने इस फोन को सीईएस 2026 में शोकेस किया है। इसमें 8.1 इंच का इनर डिस्प्ले दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए फोन में कंपनी 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दे रही है। इसके अलावा फोन में दो सेल्फी कैमरा भी दिए गए हैं। कंपनी ने इस फोन की कीमत का खुलासा तो अभी नहीं किया है, लेकिन इंडस्ट्री सोर्सेज के अनुसार इसकी शुरुआती कीमत 1500 डॉलर के आसपास हो सकती है।

फोन का ग्लोबल लॉन्च इस साल गर्मी के मौसम में हो सकता है। कंपनी ने इस फोन के फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स की सारी डीटेल्स को अभी शेयर नहीं किया है। जितनी जानकारी सामने आई है, उसके अनुसर फोन के एक्सटर्नल डिस्प्ले का साइज बंद रहने पर 6.56 इंच का है। स्क्रीन को स्टैंडर्ड कैंडी बार आस्पेक्ट रेशियो के साथ डिजाइन किया गया है। डिवाइस को ओपन करने पर इसका साइज 8.1 इंच का हो जाता है। यह 2के एलटीपीओ डिस्प्ले है। फोन का सॉफ्टवेयर अडैप्टिल लेआउट के साथ आता है और इसमें मोटो पेन अल्ट्रा स्टायलस का भी सपोर्ट दिया गया है। फोन में कंपनी केच मी अप और नेक्स मूव जैसे ऑन-डिवाइस एआई फीचर भी दिए गए हैं।

फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दिया गया है। इसके अलावा फोन में कंपनी 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड/मैक्रो कैमरा दे रही है। फोन में 50 मेगापिक्सल का एक 3एक्स पेरिस्कोप कैमरा भी दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन में आपको दो कैमरे मिलेंगे।

लॉयड्स एंटरप्राइजेज का कॉल मनी नोटिस जारी

मुंबई । लॉयड्स एंटरप्राइजेज ने अपने राइट्स इश्यू से जुड़ी आखिरी किस्त (कॉल मनी) की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि जिन शेयरों का पूरा पैसा अभी जमा नहीं हुआ है, उन पर अब हर शेयर के लिए 19 रुपये 50 पैसे का भुगतान करना होगा, जिसमें 19 रुपये प्रीमियम शामिल हैं। यह राशि 25 करोड़ से अधिक ऐसे शेयरों पर लागू होगी, जिनकी मूल कीमत 1 रुपये की थी, लेकिन अभी सिर्फ 50 पैसे जमा हुए थे। कंपनी ने 8 जनवरी 2026 को हुई राइट्स इश्यू कमेटी की बैठक में तय किया कि 16 जनवरी 2026 रिकॉर्ड डेट होगी। इसी दिन यह तय होगा कि किन शेयरधारकों को कॉल मनी के लिए नोटिस भेजा जाएगा। 25 करोड़ शेयरों पर भुगतान अनिवार्य रिकॉर्ड डेट के बाद अधूरे भुगतान वाले शेयरों की खरीद-फरोख्त बंद कर दी जाएगी। कॉल मनी का भुगतान 2 फरवरी 2026 से शुरू होकर 16 फरवरी 2026 तक किया जा सकेगा। इस दौरान शेयरधारकों को तय राशि का भुगतान करना होगा, नहीं तो उनके शेयरों के अधिकार रद्द हो सकते हैं। हाल ही में कंपनी का शेयर 1.6 फीसदी गिरकर 62.89 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

एआई और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से पेशेवरों की नई नौकरी पाने की चुनौती बढ़ी

नई दिल्ली। देशभर के पेशेवरों में 84 फीसदी नई नौकरी पाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। हाल ही में किए गए एक शोध के मुताबिक 72 फीसदी का कहना है कि वे 2026 में सक्रिय रूप से नई भूमिका की तलाश में हैं, लेकिन 76 फीसदी का मानना है कि पिछले एक साल में कंपनी बदलना बेहद मुश्किल हो गया है। डेटा दिखाता है कि खुली भूमिकाओं पर आवेदकों की संख्या 2022 की तुलना में दोगुनी हो गई है। एआई-संचालित भर्ती प्रक्रियाओं के चलते कई पेशेवर स्वयं को पर्याप्त तैयार महसूस नहीं कर पा रहे हैं, जिससे आत्मविश्वास में कमी आई है। लगभग 74 फीसदी भारतीय भर्तीकर्ता पिछले साल योग्य प्रतिभा ढूंढने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। हालांकि 87 फीसदी लोग काम पर एआई के उपयोग में सहज हैं, फिर भी सही उम्मीदवार चुनना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि पेशेवरों को डिजिटल कौशल सुधारना, नेटवर्किंग बढ़ाना और एआई - संचालित भर्ती प्रक्रियाओं की तैयारी करनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य और मेंटरशिप कार्यक्रम भी आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

कम बिजली में ज्यादा चलेगी लैपटॉप की बैटरी.......सैमसंग डिस्प्ले ने इंटेल के साथ बनाई नई तकनीक

लास वेगास। सैमसंग डिस्प्ले ने कहा कि उसने अमेरिकी कंपनी इंटेल के साथ मिलकर एक नई तकनीक तैयार की है, जिससे ऑर्गेनिक लाइट-एमिटिंग डायोड (ओएलईडी) डिस्प्ले कम बिजली खर्च करने वाले है। इस तकनीक की मदद से लैपटॉप की बैटरी ज्यादा चलेगी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की सहयोगी कंपनी सैमसंग डिस्प्ले ने बताया कि उसकी स्मार्टपावर एचडीआर तकनीक लैपटॉप में उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें दिखाकर भी बिजली की खपत को 22 प्रतिशत तक कम करेगी। इससे उपयोगकर्ता बिना ज्यादा बैटरी खर्च किए बेहतरीन तस्वीरें देख सकते हैं। सैमसंग डिस्प्ले ने बताया कि पहले की तकनीक (एचडीआर मोड) में हर तरह की तस्वीर के लिए एक जैसी ज्यादा बिजली दी जाती थी, जिससे ऊर्जा की बर्बादी अधिक होती थी। लेकिन नई स्मार्टपावर एचडीआर तकनीक में तस्वीर के अनुसार बिजली की मात्रा अपने आप बदलती है, जिससे अनावश्यक बिजली खर्च नहीं होता है। इस नई तकनीक से इंटरनेट चलाने जैसे सामान्य कामों में 22 प्रतिशत तक और उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो देखने या गेम खेलने में 17 प्रतिशत तक बिजली की बचत होगी। सेमसैंग डिस्पले ने कहा कि जैसे-जैसे एआई वाले कंप्यूटर ज्यादा इस्तेमाल होते हैं, यह तकनीक बैटरी की क्षमता बढ़ाने और बेहतर देखने का अनुभव देने में बहुत मददगार साबित होगी।

सरकार इंडियाएआई मिशन के तहत खरीदेगी एनविडिया जीपीयू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही एनविडिया के नवीनतम बी100 और बी200 जीपीयू की खरीद के लिए नया बोली दौर बुलाएगी। इस दौर का उद्देश्य इन अत्याधुनिक जीपीयू की आपूर्ति के लिए एल1 कीमत निर्धारित करना है। एल1 कीमत वह सबसे कम बोली है जो किसी कंपनी द्वारा जीपीयू आपूर्ति के लिए लगाई जाती है। अधिकारियों ने बताया कि पहले दौर में शामिल अन्य जीपीयू पहले तय की गई एल1 कीमत के अनुसार ही मिशन के तहत शामिल रहेंगे। बी100 और बी200 जीपीयू एनविडिया के ब्लैकवेल आर्किटेक्चर पर आधारित हैं और उच्च प्रदर्शन वाले एआई और कम्प्यूटेशनल कार्यों के लिए बनाए गए हैं। अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि बोली में अन्य नवीनतम जीपीयू भी शामिल होंगे, जिससे भारत में एआई रिसर्च और उद्योगों के लिए जीपीयू संसाधनों की विविधता बढ़ेगी। पहले तीन दौर की औसत एल1 कीमत लगभग 115 रुपये प्रति जीपीयू घंटा रही, जबकि एनविडिया के एच100 जैसी प्रीमियम जीपीयू के लिए यह लगभग 140 रुपये प्रति जीपीयू घंटा तय हुई थी। नए जीपीयू की खरीद के बाद देश में कुल 50,000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध होंगे।

सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी मैदान बना ऑटो इंडस्ट्री

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां) ।

आधुनिक सेफ्टी फीचर्स और फैमिली-फ्रेंडली नेचर के चलते अब भारतीय ग्राहक पारंपरिक हैचबैक और सेडान की जगह कॉम्पैक्ट एसयूवी को प्राथमिकता दे रहे हैं। यही कारण है कि सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट भारतीय ऑटो इंडस्ट्री का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिस्पर्धी मैदान बन चुका है। बढ़ती मांग को देखते हुए मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियां नए और अपडेटेड मॉडल्स पर तेजी से काम कर रही हैं। मारुति सुजुकी इस साल ब्रेजा फेसलिफ्ट को बाजार में उतारने की तैयारी में है। टेस्टिंग के दौरान यह कई बार सड़कों पर नजर आ चुकी है।

अपडेटेड मॉडल में डिजाइन और केबिन में हल्के बदलाव के साथ एडवांस सेफ्टी फीचर्स, खासतौर पर लेवल-2 एडीएएस मिलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, टाटा मोटर्स 13 जनवरी को अपनी लोकप्रिय माइक्रो एसयूवी पंच का फेसलिफ्ट लॉन्च करने जा रही है। नए अवतार में एलईडी लाइटिंग, बदला हुआ डिजाइन, बड़ा टचस्क्रीन और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स इसे और आकर्षक बना सकते हैं। महिंद्रा भी इस सेगमेंट में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है।

कंपनी की अपकमिंग वीजन एस को 2027 के आसपास लॉन्च किया जा सकता है, जो दमदार बॉक्सी डिजाइन और ऑफ-रोडिंग अपील के साथ आएगी। इसके अलावा, टाटा नेक्सन का न्यू-जेनरेशन मॉडल भी 2027 में दस्तक दे सकता है, जिसमें नया प्लेटफॉर्म, फ्रेश डिजाइन और अपग्रेडेड टेक्नोलॉजी देखने को मिलेगी। वहीं, मारुति सुजुकी फ्रोंक्स का हाइब्रिड वर्जन मिड-2026 में लॉन्च हो सकता है, जो शानदार माइलेज और नई हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ सेगमेंट में नया बेंचमार्क सेट कर सकता है।

टोयोटा की इनोवा क्रिस्टा का सफर नहीं चलेगा ज्यादा लंबा

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टोयोटा कंपनी ने इनोवा के तीन प्रमुख अवतार उतारे हैं पहली इनोवा, फिर इनोवा क्रिस्टा और हाल के वर्षों में नई टेक्नोलॉजी से लैस इनोवा हाइक्रॉस। भारत में प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट की बात होते ही टोयोटा इनोवा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। वर्षों से यह कार बड़े परिवारों, कॉर्पोरेट यूज़ और प्रीमियम टैक्सी सेगमेंट की भरोसेमंद पसंद बनी हुई है। अब यह साफ हो चुका है कि इनोवा क्रिस्टा का सफर ज्यादा लंबा नहीं रहने वाला और आने वाले कुछ वर्षों में इसे पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इस फैसले के पीछे ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में तेजी से सख्त होते नियम सबसे बड़ी वजह माने जा रहे हैं। आने वाले सीएएफई 3 उत्सर्जन मानकों के तहत वाहन कंपनियों को अपने पूरे पोर्टफोलियो में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को सीमित रखना होगा। इनोवा क्रिस्टा का लैडर-फ्रेम प्लेटफॉर्म, भारी बॉडी और डीजल इंजन इसे इन नए मानकों के अनुरूप बनाना कठिन बना देता है। ऐसे में इस मॉडल को आगे भी जारी रखना टोयोटा के लिए तकनीकी ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। इसी वजह से टोयोटा अब भविष्य की रणनीति में पेट्रोल और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर ज्यादा जोर दे रही है। कंपनी की नई इनोवा हाइक्रॉस इसी दिशा में एक अहम कदम है, जो पेट्रोल इंजन के साथ सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड सिस्टम में उपलब्ध है। यह न सिर्फ बेहतर माइलेज देती है, बल्कि आने वाले उत्सर्जन नियमों के लिहाज से भी ज्यादा अनुकूल मानी जाती है। इसके उलट, पारंपरिक डीजल एमपीवी होने के कारण इनोवा क्रिस्टा की भूमिका धीरे-धीरे सीमित होती जा रही है। हालांकि, इनोवा हाइक्रॉस के आने के बावजूद क्रिस्टा की मांग अब भी बाजार में बनी हुई है। इसी को देखते हुए टोयोटा ने इसे तुरंत बंद करने के बजाय कुछ समय तक जारी रखने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनोवा क्रिस्टा मार्च 2027 तक भारतीय बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। इसके बाद इसका उत्पादन और बिक्री पूरी तरह समाप्त कर दी जाएगी।

सिंपल एनर्जी ने लांच किए अपने नए जनरेशन के स्कूटर्स

नई दिल्ली,09 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में सिंपल एनर्जी कंपनी ने अपने नए जनरेशन के स्कूटर्स लॉन्च कर दिए हैं। इनमें सिम्पल अल्ट्रा वन जेन 2 के साथ-साथ कंपनी का हाई-रेंज सेगमेंट स्कूटर सिम्पल अल्ट्रा भी शामिल है। कंपनी के अनुसार सिम्पल अल्ट्रा में 6.5 केडब्ल्यूएच का बड़ा बैटरी पैक दिया गया है और इसकी आईडीसी सर्टिफाइड रेंज 400 किमी तक है।

यह स्कूटर सिर्फ 2.77 सेकंड में 0 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है। हालांकि, इसके सभी तकनीकी विवरण अभी साझा नहीं किए गए हैं, लेकिन इतना तय है कि यह ओला, बजाज, टीवीएस और एथर जैसे ब्रांड्स के प्रीमियम स्कूटर्स को कड़ी टक्कर देगा। सिम्पल वन जेन 2 को नए और ज्यादा आकर्षक डिजाइन के साथ उतारा गया है। इसमें रीवर्क्ड चेसिस का इस्तेमाल किया गया है, जिससे इसकी मजबूती और स्टेबिलिटी पहले से बेहतर बताई जा रही है। कंपनी का दावा है कि इसमें 22 प्रतिशत ज्यादा रिजिडिटी मिलती है। स्कूटर को तीन नए रंगों सोनिक रेड, एयरो एक्स और एस्फाल्ट एक्स में पेश किया गया है। बैटरी और मोटर पर लाइफटाइम वारंटी भी दी जा रही है। कम्फर्ट और सेफ्टी के लिहाज से भी कई सुधार किए गए हैं। सस्पेंशन और ब्रेकिंग सिस्टम को बेहतर किया गया है, सीट की ऊंचाई कम की गई है और लंबी दूरी के लिए इसे ज्यादा आरामदायक बनाया गया है। इसमें नया सिम्पल ओएस, 7-इंच डिजिटल डिस्प्ले, कनेक्टेड फीचर्स, 35 लीटर अंडर-सीट स्टोरेज और स्मार्टफोन ऐप सपोर्ट मिलता है। सिम्पल वन जेन 2 तीन बैटरी वैरिएंट्स में आएगा, जिनकी रेंज 190 किमी से लेकर 265 किमी तक है। कीमत की बात करें तो शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.49 लाख रुपये रखी गई है, जबकि लिमिटेड पीरियड ऑफर के तहत यह 1.39 लाख रुपये से शुरू होती है। इन नए स्कूटर्स के लॉन्च से भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होने की उम्मीद है। सिम्पल अल्ट्रा वन जेन 2 की इंट्रोडक्टरी एक्स-शोरूम कीमत 1.39 लाख रुपये रखी गई है, जबकि सिम्पल अल्ट्रा को लेकर दावा किया गया है कि यह सिंगल चार्ज पर 400 किलोमीटर तक चल सकता है, जो इस सेगमेंट में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमारा...

सुविधाओं की भी कमी है। अब इन क्षेत्रों में भी जीएचएमसी द्वारा दी जा रही नागरिक और आपातकालीन सेवाओं को विस्तारित करने की तैयारी

एच-सिटी मॉडल पर बनेंगे फ्लाईओवर और वॉटर ड्रेनेज प्रोजेक्ट

ट्रैफिक समस्या से निपटने के लिए 7,038 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किए गए एच-सिटी प्रोजेक्ट की तर्ज पर विलीन क्षेत्रों में भी फ्लाईओवर, वॉटर ड्रेनेज और एसएनडीपी जैसी योजनाओं को शामिल किया जाएगा। जीएचएमसी ने विलीन क्षेत्रों की आय को ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर बजट का प्रावधान किया है। इसके साथ ही, इन क्षेत्रों में यूसीडी (शहरी सामुदायिक विकास), एंटोमोलॉजी, वेटरनरी और टाउन प्लानिंग विभागों को भी मजबूत किया जाएगा। इन विभागों के लिए भी बजट में प्रा-वधान किया गया है।

लोकल बॉडी दफ्तरों को भी बनाया जाएगा स्थायी

कुछ स्थानीय निकाय कार्यालयों को भी स्थायी आधार पर बनाने की योजना बनाई गई है। इन विकास कार्यों को शुरू करने से पहले जरूरी इलाकों में लोगों की राय भी ली जाएगी, ताकि योजनाएं जनता की जरूरतों के अनुरूप बन सकें। जीएचएमसी का लक्ष्य है कि विलीन क्षेत्रों को भी तकनीकी, सामाजिक और भौतिक रूप से मुख्य शहर के बराबर लाया जा सके।

दीदी...

ईडी बनाम बंगाल सरकार: हाईकोर्ट में सुनवाई 14 जनवरी तक टली

पश्चिम बंगाल में ईडी की हालिया रेड का मामला शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचा, जहां जांच एजेंसी और राज्य सरकार के बीच तीखी बहस देखने को मिली। हालात ऐसे बने कि अदालत को तत्काल निर्णय टालना पड़ा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुजॉय पाल ने ईडी को झटका देते हुए सुनवाई तय तारीख से पहले कराने के अनुरोध में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले की सुनवाई 14 जनवरी को ही होगी।

राज्य सरकार की ओर से वकील अर्का नाग और ईडी की ओर से धीरज त्रिवेदी ने बताया कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को ई-मेल के जरिए अनुरोध मिला था। दोनों पक्षों से चर्चा के बाद अदालत ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने कहा कि यह जस्टिस शुभ्रा घोष द्वारा पारित न्यायिक आदेश है, जिसमें किसी प्रकार का प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होगा।

इससे पहले दिन में टीएमसी और ईडी से जुड़े एक अन्य मामले की सुनवाई के दौरान कोर्टरूम में भारी भीड़ के कारण अफरा-तफरी मच गई। जस्टिस शुभ्रा घोष के मामले से जुड़े लोगों को छोड़कर अन्य लोगों से बाहर जाने के अनुरोध के बावजूद कोर्टरूम वकीलों से खचाखच भरा रहा। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए जज ने बिना सुनवाई किए ही कोर्टरूम छोड़ दिया।

इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी की कार्रवाई को 2026 विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी की रणनीति चुराने की कोशिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता, जिनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं, कथित कोयला घोटाले से लाभान्वित हुए हैं।

ममता ने स्पष्ट किया कि रेड स्थल पर उनकी मौजूदगी पार्टी अध्यक्ष के रूप में थी, न कि मुख्यमंत्री के रूप में।

टीएमसी सांसदों को घसीटकर हटाया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास-कार्यालय के बाहर शुक्रवार को टीएमसी सांसदों ने जमकर प्रदर्शन किया। महुआ मोइत्रा और डेरेक ओफब्रायन समेत कई नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। विरोध का कारण गुरुवार को कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पीएसी पर ईडी की छापेमारी है। सांसदों ने इसे राजनीति से प्रेरित और बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले डराने वाली कार्रवाई बताया। महुआ बोलीं0ईडी को भेजकर चुराई गई रणनीति, ममता बनर्जी शेरनी हैं।

मीडिया से बात करते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा, पूरे देश ने देखा कि कैसे गृह मंत्रालय ने ईडी का दुरुपयोग किया। हमारी पार्टी की रणनीतिक जानकारी चुराने की कोशिश हुई। ममता बनर्जी शेरनी हैं, उन्होंने पार्टी की संपत्ति को बचाया। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने आरोप लगाया, ये लोकतंत्र के खिलाफ काम कर रहे हैं; छापा भी गैर-कानूनी था। वे लूटते हैं और हमें घोटालेबाज कहते हैं। उन्होंने हमारी रणनीति और उम्मीदवारों की सूची ले ली। बीजेपी का आंतरिक सर्वे कहता है कि वे 25 से ज्यादा सीटें नहीं जीतेंगे, लेकिन ममता दीदी बड़े बहुमत से सीएम बनेंगी और आगे चलकर प्रधानमंत्री भी बनेंगी।

बाजार में ...

यदि सुप्रीम कोर्ट ट्रंप प्रशासन के खिलाफ फैसला देता है और टैरिफ को अवैध घोषित करता है, तो इसके गंभीर कानूनी और आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में अमेरिकी सरकार को कंपनियों और आयातकों से वसूले गए टैरिफ की राशि लौटानी पड़ सकती है, जो अनुमानित तौर पर 100 से 150 अरब डॉलर तक हो सकती है।

इसके साथ ही भविष्य में कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति कांग्रेस की मंजूरी के बिना आपातकाल का हवाला देकर मनमाने ढंग से टैरिफ नहीं लगा सकेगा। इससे ट्रंप की ङ्गआशअॅळलर ऋळऑींफ टैरिफ नीति को बड़ा झटका लग सकता है।

ट्रंप के पक्ष में फैसला आने पर क्या बदलेगा?

वहीं अगर सुप्रीम कोर्ट ट्रंप प्रशासन के पक्ष में फैसला देता है, तो आपातकालीन अधिकारों के तहत लगाए गए सभी टैरिफ कानूनी रूप से वैध माने जाएंगे। ऐसी स्थिति में कंपनियों को किसी भी तरह का रिफंड नहीं मिलेगा और अमेरिकी सरकार का अरबों डॉलर का राजस्व सुरक्षित रहेगा।

इसके अलावा ट्रंप की सख्त व्यापार नीति को कानूनी मजबूती मिलेगी और चीन, रूस, भारत जैसे देशों पर दबाव बनाने की उनकी रणनीति को न्यायिक समर्थन प्राप्त होगा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की निगाहें फैसले पर

इस मामले का असर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का अंतिम निर्णय अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों, वैश्विक आपूर्ति शृंखला और उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। इसी वजह से फैसले के टलने के साथ ही दुनिया भर में अनिश्चितता और इंतजार और बढ़ गया है।

अब शोरूम में ...

डीलर करेंगे ऑनलाइन आवेदन, आरसी घर पर आएगी स्पीड पोस्ट से

नई प्रक्रिया के तहत, अधिकृत वाहन डीलर खुद ग्राहक की ओर से सारथी पोर्टल पर स्थायी पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इसके लिए जरूरी दस्तावेज जैसे इनवॉइस, फॉर्म-21, फॉर्म-22, बीमा विवरण, पता प्रमाण और वाहन की फोटो डीलर द्वारा अपलोड की जाएगी। परिवहन विभाग के अधिकारी दस्तावेजों की जांच के बाद रजिस्ट्रेशन नंबर आवंटित करेंगे और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) वाहन मालिक के पते पर स्पीड पोस्ट से भेजा जाएगा। यह सुविधा पूरी तरह तैयार वाहनों पर लागू होगी और यह केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के नियम 48-इ के अंतर्गत होगी।

डीलरों ने भी किया स्वागत, ग्राहकों को होगी बड़ी राहत

ऑटोमोबाइल डीलरों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। संसाई मोटर्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय मोहन ने कहा कि इस कदम से वाहन खरीदारों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि कई ग्राहक आरटीए कार्यालयों में घंटों लाइन में लगकर अपना कीमती समय बर्बाद करते हैं, अब वे इससे बच सकेंगे। डीलर नई प्रक्रिया को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 10 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पीएफआरडीए ने तेलंगाना के बैंकों के लिए किया आउटरीच, एपीवाई में 61% लक्ष्य पूरा

गाचीबौली में यूनियन बैंक स्टाफ ट्रेनिंग सेंटर पर हुआ कार्यक्रम, शीर्ष अधिकारी मौजूद

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेंशन फंड रेगुलेटरी अथॉरिटी (पीएफआरडीए), भारत सरकार ने तेलंगाना के बैंकों और लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर्स (एलडीएमएस) के लिए एक आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया, जो 09 जनवरी 2026 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के स्टाफ ट्रेनिंग सेंटर, गच्चीबौली, हैदराबाद में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पीएफआरडीए के चीफ जनरल मैनेजर प्रवेश कुमार, जनरल मैनेजर दौलत अली खान, एसबीआई के डीजीएमप्रियब्रत मिशा, नाबार्ड की डीजीएम सुश्री दिप्ती सुनील, आरबीआई के एजीएम मोहम्मद ज़यौर रहमान, यूनियन बैंक के यूएलए हेड दीपक एन एस सहित एसएलबीसी के सदस्य बैंकों के अधिकारी और तेलंगाना के विभिन्न जिलों के एलडीएम शामिल हुए।

चालू वित्त वर्ष में एपीवाई में 1 करोड़ नए ग्राहक, तेलंगाना ने 61% लक्ष्य हासिल किया

प्रवेश कुमार ने अपने संबोधन में बताया कि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक सबसे तेज गति से 1 करोड़ नए ग्राहक जुड़ चुके हैं और देश भर में कुल ग्राहकों की संख्या 8.59 करोड़ हो चुकी है। तेलंगाना में बैंकों ने वार्षिक लक्ष्य का 61% पूरा कर लिया है और उम्मीद जताई गई कि राज्य लक्ष्य को पार कर देगा। उन्होंने बैंकों से अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर के कर्मचारियों को एपीवाइ से जोड़ने की अपील की और योजना की विशेषताएँ0सरकार की लॉन्ग-टर्म गारंटी, निश्चित पेंशन और वित्तीय सुरक्षा0दोहराईं।

एसबीआई-नाबार्ड-आरबीआई ने भी उठाया सोशल सिक्योरिटी का मुद्दा, जन-जागरूकता पर ज़ोर

एसबीआई-एसएलबीसी के डीजीएम प्रियब्रत मिश्रा ने कहा कि एपीवाई वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा देने वाली महत्वपूर्ण योजना है और इसे व्यापक स्तर पर प्रचारित करना होगा।

उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक राज्य के बैंकों ने 2,98,658 नए ग्राहक जोड़े हैं। जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए बैंक फाइनेंशियल लिटरेसी सेंटर, शाखाएं, बीसी/सीएसपी आदि के जरिए अभियान चला रहे हैं। नाबार्ड की दिप्ती सुनील, आरबीआई के ज़यौर रहमान और यूनियन बैंक के दीपक एन एस ने भी एपीवाई की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और वित्तीय समावेशन को गहरा करने की बात कही।

धनुर्मास के अवसर पर सिकंदराबाद स्थित गुजराती स्कुल में बीएपीएस अक्षरधाम मंदिर रसुलपुरा के तत्वावधान में आयोजित जीवन उत्कर्ष प्रवचनमाला में पूज्य श्रीरंगदास स्वामी ने जीवन को उन्नत करने वाले मुल्य वर्धक विचार, आध्यात्मिक मार्गदर्शन, आदर्श जीवन मुल्यों पर प्रेरक प्रवचन प्रस्तुत किये। अवसर पर उपस्थित पू. आत्मचिंतनदास, जसमत पटेल, जसभाई पटेल, रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता, दिनेश पटेल व अन्य।

तुमकुंटा स्थित राजस्थानी मित्र मण्डल द्वारा कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत का साफा द्वारा सम्मान किया गया।

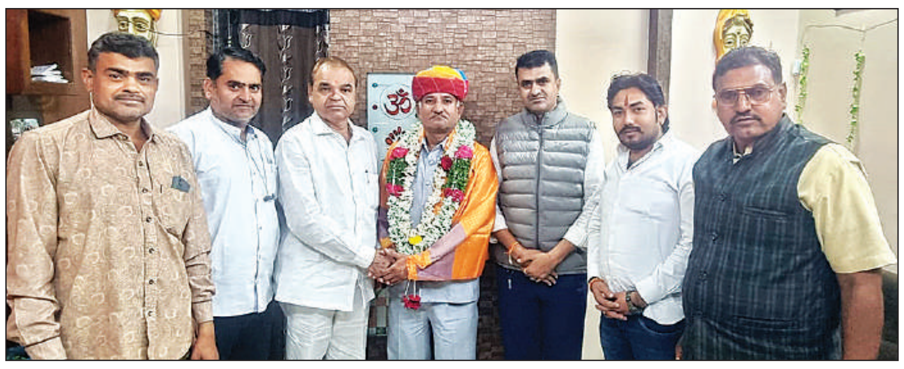

आप और हम द्वारा कुमावत समाज तेलंगाना के अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा का सम्मान करते हुए आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, सोहनलाल मानणिया, नारायणलाल घोडावड, धर्माराम डैय्या, सुरेशकुमार बोड़ावड एवं अन्य।

श्री खेमदास मठ में नव-निर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा

अतिथियों को दिया गया औपचारिक आमंत्रण

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास मठ में नव-निर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस अवसर पर पंडित गणेश नारायणजी, महासर माता, भगवान श्री अग्रसेनजी, सिद्धि श्री हरिपुरुषजी महाराज, बाबा श्री खेमदासजी महाराज एवं बाबा श्री बालकदासजी महाराज के मंदिरों में विधिवत प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा।इस पावन अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता तथा सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं एमपीएल ग्रुप के विनोद अग्रवाल को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए यह आमंत्रण शशिकांत अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल एवं दिनेश कुमार अग्रवाल द्वारा दिया गया। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम धार्मिक विधि-विधान, भजन, आरती और सामाजिक समरसता के भाव के साथ संपन्न होगा।श्री खेमदास मठ में होने वाला यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक होगा, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर भी बनेगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और समाजजनों के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

नारायण सेवा संस्थान का अभिनंदन समारोह एवं नि:शुल्क शिविर आयोजित

हैदराबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पीड़ित मानवता की सेवा में पिछले 39 वर्षों से समर्पित नारायण सेवा संस्थान की हैदराबाद शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को इसामिया बाजार स्थित संस्थान के हैदराबाद आश्रम भवन परिसर में अभिनंदन समारोह, नि:शुल्क पोलियो परीक्षण शिविर एवं ट्राइसाइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में नारायण सेवा संस्थान की हैदराबाद शाखा के प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत एवं पूर्व अध्यक्षा अलका चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर महेश बैंक के निर्वर्तमान चेयरमैन रमेशकुमार बंग, नवनिर्वाचित वाइस चेयरमैन गोविंद राठी, निदेशकगण विनोद बंग, कैलाश मंत्री, अमित लड्डा, मुकुंद बाहेती तथा सी.ए. अलका झंवर को सम्मानित किया गया।

साथ ही नि:शुल्क उपकरण वितरण तथा नि:शुल्क पोलियो शल्य चिकित्सा हेतु जांच एवं चयन शिविर का आयोजन किया गया।

नि:शुल्क उपकरण वितरण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में महेश बैंक के निर्वर्तमान चेयरमैन रमेशकुमार बंग, विशेष अतिथि वाइस चेयरमैन गोविंद राठी, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार तथा साबु मोटर्स के अभयकुमार चौधरी ने भाग लिया। रमेशकुमार बंग ने कहा, दीन-दुखियों की सेवा करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। अन्य संस्थाओं को भी आगे आकर इस तरह के सेवा कार्य बड़े पैमाने पर आयोजित करने चाहिए।

गोविंद राठी ने कहा, मानव सेवा ही माधव सेवा है। मैं नारायण सेवा संस्थान को उसके स्थापना काल से जानता हूं। संस्था द्वारा किए जा रहे कार्य निसंदेह प्रशंसनीय हैं।

नया भवन, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

सी.ए. अलका झंवर ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि अब यह केंद्र न केवल दिव्यांगों को सक्षम बनाने का कार्य करेगा, बल्कि सिलाई प्रशिक्षण, मोबाइल रिपेयरिंग और कंप्यूटर कोर्स के माध्यम से जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर भी बनाएगा। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी संस्थान की कार्यशैली की सराहना की।

तेलंगाना-आंध्र में 2004 से सेवा कार्य

अलका चौधरी ने बताया कि संस्थान 4 जनवरी 2004 से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दीन-दुखियों और दिव्यांगों की सेवा कर रहा है। पुरानी इमारत का नवीनीकरण कर दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस भवन में फिजियोथेरेपी, कृत्रिम हाथ-पैर व कैलिपर्स लगाने के साथ-साथ 45 दिवसीय मोबाइल कोर्स, 60 दिवसीय कंप्यूटर कोर्स एवं 90 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

रोजगार और सामूहिक विवाह की भी योजना

अलका जैन ने बताया कि यह भवन वर्ष 2004 में कमल नारायण राठी 0 लीलावती राठी परिवार द्वारा भेंट किया गया था। प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांगों को रोजगार दिलाने तथा एमएसएमई में अवसर उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जाएगा। अभय चौधरी ने कहा कि संस्थान द्वारा हर वर्ष दिव्यांगों के लिए नि: शुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाता है और भविष्य में हैदराबाद में भी ऐसा आयोजन प्रस्तावित है।

लिफ्ट सुविधा सहित आधुनिक भवन

संस्थान प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि नए भवन में लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे दिव्यांगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि आगामी दस वर्षों में नारायण सेवा केंद्रों का विस्तार कर अधिक से अधिक दिव्यांगों तक सेवा पहुंचाने का संकल्प लिया गया है।

बैलगाड़ी और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

आसिफाबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिले के बाबापुर के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा तेज रफ्तार मोटरसाइकिल और सामने से आ रही बैलगाड़ी की टक्कर के कारण हुआ। मिली जानकारी के अनुसार टेकम पोछाया, आत्रम अनिल और आत्रम लच्छू तीनों मोटरसाइकिल से दतंलपल्ली जातरा से अपने गांव अडादसनापुर लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बैलगाड़ी से मोटरसाइकिल की तेज गति के कारण जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में टेकम पोछाया और आत्रम अनिल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि आत्रम लच्छू गंभीर रूप से घायल हो गया।

गंभीर रूप से घायल आत्रम लच्छू को इलाज के लिए पहले आसिफाबाद सरकारी अस्पताल लाया गया। उसकी हालत नाजुक होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए मंचिर्याल रेफर कर दिया गया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि घायल को समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई और न ही मृतकों के शवों को लाने के लिए सरकारी एंबुलेंस भेजी गई।इलाज में लापरवाही से नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और कर्मचारियों व डॉक्टरों से तीखी बहस हुई। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल कर्मचारियों ने मुख्य दरवाजा बंद कर दिया, जिसके बाद परिजनों ने दरवाजा तोड़ने की भी कोशिश की।घटना की सूचना मिलते ही आसिफाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया और आगे की कार्रवाई शुरू की।

जैन सेवा संघ अध्यक्ष व पदाधिकारियों का सम्मान, 2026 कैलेंडर विमोचित

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापन्थी सभा, सिकंदराबाद द्वारा तेरापन्थ भवन, डी.वी. कॉलोनी में 2026 टेबल कैलेंडर का विमोचन व श्री जैन सेवा संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व पदाधिकारियों का स्वागत समारोह आयोजित हुआ।

नमस्कार महामंत्र से शुरू हुए समारोह में मंगलाचरण नवनीत छाजेड ने किया। सभा अध्यक्ष सुशील संचेती ने सभी अतिथियों व श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत किया।

डी जैन सेवा संघ के नव अध्यक्ष उमेश जी बागरेचा, चेयरमैन योगेश जी सिंघी, महामंत्री विमलचंद जी मुथा सहित पदाधिकारियों को बधाई दी। तेरापन्थ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नमिताजी सिंघी, युवक परिषद अध्यक्ष राहुल जी गौलछा, टीपीएफ अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल, अणुव्रत समिति अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, जैन तेरापन्थ वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष महेंद्र जी भंडारी, निवर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल जी बैद, महावीर इंटरनेशनल चेयरमैन विनोद जी संचेती सहित कई संगठनों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं।संजय कुचेरीया ने डिजिटल डायरेक्टरी की जानकारी दी। मोटिवेशनल स्पीकर आलोक जी डागा ने प्रेरक विचार साझा किए। संघ पदाधिकारियों ने आगामी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।सभा ने सभी अतिथियों का सम्मान किया व कैलेंडर वितरित किए। उपस्थित सदस्यों में कोषाध्यक्ष सुरेश जी सुराणा, पूर्व पदाधिकारी अशोक जी मुथा, महेंद्र कटारिया आदि शामिल रहे।कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मीपत बैद, संजय कुचेरीया, प्रकाश बोथरा, अरिहंत गुजरानी व खुशाल भंसाली थे। आभार मंत्री हेमंत संचेती ने माना। मंत्र संचालन लक्ष्मीपत बैद ने किया।

श्री बाबा रामदेव जी महाराज का भव्य जागरण आज

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में श्री बाबा रामदेव जी महाराज का भव्य जम्मा (जागरण) आज शनिवार, 10 जनवरी 2026 को आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में भव्य रूप से संपन्न होगा।

समाज के 60 से अधिक भक्तों ने गत सप्ताह रामदेवरा यात्रा 2025 के अंतर्गत श्री बाबा रामदेव जी महाराज के समाधि स्थल एवं प्रमुख मंदिरों के दर्शन किए। इस यात्रा में उण्डु काशमेर स्थित रामदेरीया, पंडित जी की ढाणी, अमरपुरा, मसुरीया तथा बिंराटीया का देवरा सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन किए गए। दस दिवसीय इस यात्रा के समापन अवसर पर आज श्री बाबा रामदेव जी महाराज का जम्मा (जागरण) आयोजित किया जा रहा है।

जागरण में नगर के प्रमुख भजन गायक अपनी मधुर वाणी से भक्तों को भक्ति रस से सराबोर करेंगे। कार्यक्रम में रामनिवास पाराशर, राजुभाई (अलख का मठ), श्याम सुंदर तिवारी, सुनील जायसवाल, महावीर उपाध्याय, घनश्याम सैन, गजाधर कोलरीया (गज्जु भाई), नंदकिशोर व्यास सहित समाज के अन्य भजन गायक बाबा रामदेव जी महाराज का जम्मा जगाएंगे और भक्तों को भजनों का रसपान कराएंगे।

इस संदर्भ में शुक्रवार को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की भव्यता और व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में रामदेव नागला, रामदेव व्यास, मुरलीधर तिवारी, दीपक उपाध्याय, प्रकाश व्यास, शतवीर उपाध्याय एवं कन्हैयालाल उपाध्याय उपस्थित रहे। आयोजक संस्था की ओर से नगर के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की गई है कि वे सपरिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित इस भव्य धार्मिक आयोजन में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

निराश्रितजनों की सेवा पूजा से बढ़कर : बरखा गोयल

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से संचालित नियमित अनुदान कार्यक्रम के अंतर्गत नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती बरखा गोयल ने कहा कि गरीबों और निराश्रितों की सेवा करना भी एक प्रकार की भक्ति है, यही सच्ची पूजा है।उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज सेवा के क्षेत्र में अत्यंत सराहनीय कार्य कर रहा है और यह सेवा कार्य मानवता को मजबूत करता है।रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), भगतराम गोयल, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, गौरव गोयल, बरखा गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा में सहभागिता निभाई।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद का कैलेंडर लोकार्पित

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद द्वारा प्रकाशित वर्ष 2026 के कैलेंडर का लोकार्पण तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से भेंट कर उन्हें माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के इतिहास और गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि सभा की स्थापना 1935 में स्वतंत्रता-पूर्व हुई थी और हाल ही में संस्था ने अपने 90 वर्ष पूर्ण किए हैं। 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल की उपस्थिति पर सभा की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

सभा ने बताया कि हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की प्रादेशिक सभाएँ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हिंदी परीक्षाओं का आयोजन कर चुकी हैं, जिनके माध्यम से लाखों लोगों को हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त हुआ है। इनमें से हजारों लोग आज सरकारी एवं सरकारी मान्यता प्राप्त पाठशालाओं, कॉलेजों में हिंदी अध्यापक एवं प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास के लिए सभा द्वारा निरंतर अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल माननीय जिष्णुदेव वर्मा ने राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए प्रतिनिधिमंडल का अभिनंदन किया और संस्था के प्रयासों को सराहनीय बताया। कार्यक्रम में राज्यपाल कार्यालय लोक भवन के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली, साहित्य मंत्री आर. बिच्चय्या, कानूनी सलाहकार एवं हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी, विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा अध्यक्ष के. रामचंदर, मंत्री ए. के. राजु, कोषाध्यक्ष जाकिर पाशा, कार्यालय मंत्री वेंकटेश, रजिस्ट्रार डॉ. शंकरसिंह ठाकुर, नामदेव वाघमोडे, शिवलिंगम, श्रीकांत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा गोलकुंडा ज़िला की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

बूथ समितियों को सशक्त बनाने पर जोर

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय में शुक्रवार को भाजपा गोलकुंडा ज़िला की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व भाजपा गोलकुंडा ज़िला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र ने किया। इस अवसर पर राज्य नेता पापाराव जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक श्रीधर जी, प्रभारी, गोलकुंडा ज़िला की उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य गोलकुंडा ज़िला की सभी भाजपा बूथ समितियों (11+1) को सशक्त और सक्रिय बनाना रहा। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से सार्थक और रचनात्मक चर्चा की गई, ताकि पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिल सके। बैठक में कई वरिष्ठ नेताओं एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और पार्टी के कार्य संचालन, जनसंपर्क को प्रभावी बनाने तथा संगठन विस्तार को लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

बैठक में प्रमुख नेता एवं पदाधिकारियों में- टी. उमा महेंदर, डीमती सुरखा (पार्षद), राकेश जायसवाल (पार्षद), श्रीमती शशिकला (पार्षद), सुरेंद्र जी (महामंत्री), कृष्णा जी (महामंत्री), अनंत कृष्णा जी (महामंत्री),विनय सिंह, रघुनंदन यादव, शिवरथम, अमर सिंह, क्रांति सागर, रमेशलाल यादव, गणेश यादव,नरहरी, नटराज नामधारी के साथ-साथ ही 19 मंडलों के अध्यक्ष, अनेक वरिष्ठ पार्टी नेता एवं समर्पित कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।बैठक में पार्टी नेतृत्व ने गोलकुंडा ज़िला में एक सशक्त, संगठित और प्रभावी भाजपा संगठन के निर्माण के लिए अनुशासन, समन्वय और जन-केंद्रित कार्यक्रमों के महत्व पर विशेष बल दिया।

आगामी एक फरवरी को आयोजित होने वाले आठवें अमृतमहोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए संस्था के सुशील मित्तल, संजीव गर्ग। साथ में हैं बीजेपी के ओल्ड बोईइनपल्ली कंटेस्ट कॉरपोरेटर ए. तिरुपति और ओल्ड बोइनपल्ली वेलफेयर एसोसियन के भूतपूर्व अध्यक्ष रामकृष्णा जी एवं अन्य।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कल

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नववर्ष के अवसर पर महार-ाजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। शाखा के मानद मंत्री प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम अजय डालमिया एवं उमेश गुप्ता के संयोजन में संपन्न होगा। माल्यार्पण कार्यक्रम रविवार, 11 जनवरी को प्रातः 9:45 बजे, लोअर टैंकबंड स्थित श्री जगदीश मंदिर में विराजमान महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर किया जाएगा। दोमलगुड़ा शाखा के सभी पदाधिकारियों ने शाखा के समस्त सदस्यों से इस पावन अवसर पर सह-परिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

85वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी 2026

स्वास्थ्य मंत्री को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन का आमंत्रण

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 85वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (नुमाइश) के अवसर पर जन कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए एक विशेष पहल की गई है। प्रदर्शनी सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी और तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राज नरसिम्हा के बीच इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर चर्चा हुई।

प्रदर्शनी सोसाइटी के पदाधिकारियों और स्वास्थ्य क्षेत्र के दिग्गजों ने मिलकर तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राज नरसिम्हा को प्रदर्शनी परिसर में नवनिर्मित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र के भव्य उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है। इस केंद्र का उद्देश्य प्रदर्शनी में आने वाले लाखों आगंतुकों को तत्काल चिकित्सा सहायता और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।इस विशेष आमंत्रण अवसर पर स्वास्थ्य और प्रबंधन जगत की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। इनमें यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ. ए. लिंगैया और प्रदर्शनी सोसाइटी के मानद कोषाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार शामिल थे।

इन विशेषज्ञों की देखरेख में स्थापित यह स्वास्थ्य केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में प्रदर्शनी के दौरान त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

सुकेश रेड्डी ने बताया कि इस बार की प्रदर्शनी में सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री की उपस्थिति में इस केंद्र का उद्घाटन न केवल सेवा के संकल्प को मजबूती देगा, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति सरकार और सोसाइटी की प्रतिबद्धता को भी दर्शाएगा। डॉ. संजीव कुमार और डॉ. लिंगैया ने केंद्र की कार्यप्रणाली और वहां उपलब्ध होने वाली जीवन रक्षक सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।

गोवर्धन पर्वत की झांकी ने मन मोहा

श्री कृष्ण जन्मोत्सव की धूम श्री श्रृंग ऋषि भवन, बेगमबाजार (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा जारी श्रीमद् भागवत् कथा के अंतर्गत शुक्रवार, 9 जनवरी को श्री कृष्ण बाल लीला का सुन्दर वर्णन किया गया और गोवर्धन धारण प्रसंग की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई। अवसर पर बडी संख्या में भक्त उपस्थित थे ।

शानदार कार्य कर रहा है राधे-राधे ग्रुप : रेणु शास्त्री

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेणु शास्त्री ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप अत्यंत प्रेरणादायी एवं अभिनंदन योग्य कार्य कर रहा है। समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही सच्ची भक्ति है और ऐसे पुनीत कार्यों से जुड़ना सौभाग्य की बात है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवाभावी सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, अनिल भाई, गोविंद राम जी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेणु शास्त्री आदि उपस्थित थे।

तेलंगाना कांग्रेस कमेटी के प्रोटोकॉल सेक्रेटरी सूरज तिवारी से बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष विनय कुमार यादव, नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव, प्रसिद्ध समाजसेवी वह वरिष्ठ सीए मधुसूदन अग्रवाल ने हिमायत नगर, हैदराबाद में मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न मामलों पर चर्चा की गई।

चीनी मांझा पर प्रतिबंध को लेकर जन जागरूकता अभियान

एसीपी तुला श्रीनिवास ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजेंद्रनगर के सहायक पुलिस आयुक्त तुला श्रीनिवास ने जनता से कृत्रिम नायलॉन से बने कांच-लेपित चाइना मांझा पर लगे प्रतिबंध को सख्ती से लागू कराने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह खतरनाक मांझा पक्षियों और मनुष्यों दोनों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है और कई मामलों में यह फांसी के फंदे जैसा बन जाता है।

एसीपी तुला श्रीनिवास ने चेतावनी दी कि सूत के स्थान पर कृत्रिम कांच-लेपित धागा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें कारावास की सजा भी हो सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार के खतरनाक मांझे का

उपयोग करने वालों के विरुद्ध भी कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एसीपी हैदरगुडा डिवीजन स्थित पेद्दा तल्लाकुंटा पार्क में पत्रकारों एवं गैर-सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित चीनी मांझा प्रतिबंध जन जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

इस अवसर पर वन विभाग द्वारा तैयार किए गए पोस्टर जारी किए गए और स्थानीय नागरिकों के बीच वितरित किए गए, ताकि लोग इस खतरनाक मांझे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक हो सकें।

एसीपी ने जनता से अपील की कि यदि कहीं भी चाइना मांझा बेचा या उपयोग किया जाता दिखाई दे, तो इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

इस जन जागरूकता कार्यक्रम में पत्रकारों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों तथा स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने भाग लिया और चाइना मांझा पर पूर्ण प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंदों को अन्न एवं सहायता सामग्री वितरित कर मानवता एवं करुणा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे ये सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं और जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण बन रहे हैं।

कार्यक्रम में विशेष रूप से मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, रणधीर, तेजप्रकाश अग्रवाल एवं जयप्रकाश सरदा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, RUPALI YADAV is legally wedded Spouse of service No-17027740X, Rank-NK, Name-ALOK KUMAR. R/o Vill- Bhathan,PO-Bhathan,Teh-Sheohar,Distt-Sheohar, State-Bihar, PIN-843329, have changed my name from RUPALI YADAV to RUPALI KUMARI add in my husband service documents date 07 Jan 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14674213W, Rank-HAV, Name-KATAKE RAHUL ASHOK R/o Near Godavibua Temple ,Vill-Bhivari PO-Purandhar, Distt-Pune, State- Maharashtra, PIN-412301, I have changed my Son name from RUDRAKSH to RUDRAKSH RAHUL KATAKE add in my service documents vide Affidavit date 08 Jan 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAYLI WARE is legally wedded Spouse of service No-14674213W, Rank-HAV, Name-KATAKE RAHUL ASHOK R/o Near Godavibua Temple ,Vill-Bhivari PO-Purandhar,Distt-Pune, State- Maharashtra, PIN-412301, have changed my name from SAYLI WARE to SAYLI RAHUL KATAKE add in my husband service documents date 08 Jan 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

जल विवादों पर नहीं चलेगी राजनीति बातचीत से ही होगा हल : रेवंत रेड्डी

आंध्र-तेलंगाना झगड़ा नहीं, समाधान चाहिए : सीएम चंद्रबाबू को खुला न्यौता

हैदराबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार अंतर-राज्यीय जल-वितरण विवादों को लंबी अदालती लड़ाई के बजाय संवाद और आपसी समझदारी से सुलझाना चाहती है। रंगारेड्डी जिले के रविर्याल (महेश्वरम) में सुज़ेन मेडिकेयर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन के बाद उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री न. चंद्रबाबू नायडू को सीधा संदेश दिया, यदि पूछा जाए कि तेलंगाना को विवाद चाहिए या पानी, तो मैं पानी चुनूँगा; विवाद चाहिए या समाधान, तो समाधान चुनूँगा।

रेवंत रेड्डी ने चिंता जताई कि कृष्णा नदी पर तेलंगाना की लगभग हर परियोजनापालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई , कालेश्वरम लिंक-1, डिंडी, एसएलबीसी, नेटेम्पाडुपर आंध्र सरकार की आपत्तियाँ केंद्रीय जल आयोग और पर्यावरण मंजूरियों को रोक रही हैं। इससे राज्य को केंद्रीय सहायता और बैंक ऋण नहीं मिल पा रहा, जिससे वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने अपील की कि अविभाजित आंध्र प्रदेश के समय स्वीकृत परियोजनाओं की मंजूरी में बाधा न डाली जाए।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि जल-वितरण से आगे बढ़कर मचिलीपट्नम पोर्ट-भारत फ्यूचर सिटी कनेक्टिविटी और बुनियादी ढाँचे जैसे मुद्दों पर भी आपसी सहयोग ज़रूरी है। ''हमारी नीति साफ हैअदालतों के सामने वर्षों खड़े होने के बजाय टेबल पर बात करके समाधान निकालना। तेलंगाना किसी से टकराव नहीं, सहयोग चाहता है, चाहे वह आंध्र प्रदेश हो, कर्नाटक हो, तमिलनाडु हो या महाराष्ट्र,'' उन्होंने दोहराया। रेवंत रेड्डी ने यह भी स्पष्ट किया कि संघीय भावना में आगे बढ़ते हुए सभी पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तेलंगाना को 30 लाख नौकरियां पैदा करने के लिए निजी क्षेत्र की जरूरत : सीएम

सरकारी भर्ती 70 हजार पार, फिर भी रोजगार की बड़ी जरूरतउद्योग-निवेश पर ज़ोर

हैदराबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को साफ किया कि राज्य में लगभग 30 लाख बेरोजगार युवा हैं और इतनी बड़ी संख्या में रोजगार सिर्फ़ सरकारी नौकरियों से नहीं, बल्कि व्यापक निजी निवेश से ही मुमकिन है। महेश्वरम (रंगारेड्डी) में सुजेन मेडीकेयर की नई आई.वी. फ्लूइड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में कांग्रेस सरकार 70 हजार से ज़्यादा सरकारी पदों पर भर्ती कर चुकी है, परंतु स्थायी रोजगार सृजन के लिए औद्योगिक विस्तार और निजी उद्यम अनिवार्य हैं।उन्होंने कहा कि राज्य का भविष्य तेलंगाना राइजिंग 2047 के तीन मॉडलों पर टिका है।

इन मॉडलों से शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित विकास और रोजगार संभव होगा। सीएम ने कहा कि तेलंगाना अब आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र या तमिलनाडु से नहीं, बल्कि जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है और हैदराबाद की तुलना न्यूयॉर्क, टोक्यो, सिंगापुर, दुबई, सियोल से है। रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि जल्द ही नई शिक्षा नीति लाई जाएगी ताकि युवा वैश्विक अवसरों के लिए तैयार हों और उद्योग की ज़रूरतों से मेल खाएं। राज्य 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने गर्व से कहा कि देश की 40% बल्क ड्रग्स मैन्युफैक्चरिंग तेलंगाना में होती है और हैदराबाद ग्लोबल फार्मा-लाइफ साइंसेज हब बन चुका है; दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों में शहर से पढ़े पेशोनल सीईओ/सीएमडी बन रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने डीजीपी शिवधर रेड्डी के खिलाफ याचिका खारिज की

यूपीएससी को चार सप्ताह में चयन प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने उनकी नियुक्ति पर रोक लगाने से इनकार करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से नियमित चयन प्रक्रिया चार सप्ताह के भीतर पूरी करे। इस फैसले से डीजीपी शिवधर रेड्डी को बड़ी राहत मिली है और तेलंगाना पुलिस के नेतृत्व को फिलहाल स्पष्टता मिली है।

याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह डीजीपी पद के लिए प्रस्ताव यूपीएससी को अग्रेषित करे और निर्धारित समयसीमा में चयन प्रक्रिया पूरी करे।

अदालत ने सरकार को यूपीएससी को प्रस्ताव भेजने के बाद जवाबी हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी को निर्धारित की गई है।

यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता टी. धंगोपाल द्वारा दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि डीजीपी शिवधर रेड्डी की नियुक्ति ने पुलिस सुधारों से जुड़े प्रकाश सिंह मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तय किए गए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है, जो पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति और कार्यकाल से संबंधित हैं।

हालांकि, सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने इस स्तर पर नियुक्ति में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

तेलंगाना सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल ए. सुदर्शन रेड्डी ने अदालत को बताया कि उच्च न्यायालय के पूर्व आदेशों के अनुपालन में 31 दिसंबर को योग्य अधिकारियों का नया पैनल यूपीएससी को भेजा गया था।

उन्होंने कहा कि यूपीएससी ने पहले सूची को देरी का हवाला देते हुए लौटाया था, लेकिन अपने संचार में उसने पहले ऐसी देरी का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया था।

यूपीएससी की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि अधिकारियों की सूची सात वर्ष के अंतराल के बाद भेजी गई थी, जिसके कारण उसे वापस कर दिया गया।सभी दलीलों पर विचार करने के बाद न्यायमूर्ति पुल्ला कार्तिक ने याचिका खारिज कर दी और यूपीएससी द्वारा नियमित चयन प्रक्रिया पूरी होने तक मौजूदा व्यवस्था को जारी रखने की अनुमति दी।उच्च न्यायालय के इस आदेश से यह स्पष्ट होता है कि डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी फिलहाल अपने पद पर बने रहेंगे। यूपीएससी के माध्यम से नियमित नियुक्ति प्रक्रिया तय समय में पूरी की जाएगी। पुलिस प्रशासन में कानूनी और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित होगा।इस निर्णय को राज्य के पुलिस प्रशासन में स्थिरता बनाए रखने और संवैधानिक मानदंडों को कायम रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मिर्यालगुड़ा में भीषण सड़क हादसा, तीन मजदूरों की मौत

नलगोंडा, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नलगोंडा जिले के मिर्यालगुड़ा शहर की सीमा पर स्थित एदुलगुडा क्रॉस रोड पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब एक सीमेंट टैंकर और मार्बल टाइल्स से भरा ट्रक आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक से लदी मार्बल टाइल्स हवा में उछलकर मजदूरों के ऊपर गिर गईं, जिससे तीन मजदूरों की मौत हो गई।

मृतक और घायल सभी बिहार के रहने वाले

मृतकों की पहचान बी. वीरू कुमार (29 वर्ष), के. संतोष कुमार (26 वर्ष) और बी. सूरज कुमार (36 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में के. संगीता, किशन कुमार और सिखिंदर सिंह शामिल हैं, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए मिर्यालगुड़ा के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मजदूर बिहार राज्य के मूल निवासी बताए गए हैं।

यू-टर्न पर हुआ हादसा, पुलिस जांच जारी

पुलिस के अनुसार, यह हादसा मिर्यालगुड़ा बाईपास रोड पर एक यू-टर्न के पास हुआ। ट्रक शमशाबाद से विन्दुलोंडा की ओर जा रहा था, जबकि सीमेंट टैंकर गुंटूर से मेल्लाचेरुवु की ओर आ रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही मिर्यालगुड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नकली ब्रांडेड कपड़ों की दुकानों पर छापे

वरंगल/हैदराबाद, 9 जनवरी, (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली और वरंगल पुलिस की संयुक्त टीम ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ब्रांडों के नाम पर बेचे जा रहे नकली और निम्न गुणवत्ता वाले कपड़ों की बिक्री पर बड़ी कार्रवाई की। यह छापेमारी दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर की गई, जहां जय दुर्गा गारमेंट्स के मालिक राजेश खेड़ा ने दायर मुकदमे (उरीश: उड (उजचच्) 1422/2025) में आरोप लगाया था कि उनके रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क जय दुर्गा गारमेंट्स और कविया क्वीन का गलत इस्तेमाल कर जाली लेगिंग्स और कपड़े बेचे जा रहे हैं।

24 दिसंबर को जारी हुआ था अंतरिम आदेश, अब वरंगल में छापे

24 दिसंबर 2025 को जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने कई आरोपियों के खिलाफ अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। इसके बाद दिल्ली के लोकल कमिश्नर और पुलिस टीमों ने वरंगल के प्रमुख बाजारों में छापेमारी की। एस.वी.एन रोड और देवन देवडी इलाके में स्थित महावीर टेक्सटाइल्स (वरंगल और हैदराबाद शाखा), मोमाजी टेक्सटाइल्स और मंगलदीप टेक्सटाइल्स की दुकानों से भारी मात्रा में नकली ब्रांडेड कपड़े जब्त किए गए।

ग्राहकों को धोखा, सरकार को जीएसटी का नुकसान

कोर्ट ने कहा कि नकली उत्पादों की पैकेजिंग, रंग और फॉन्ट इतने हूबहू हैं कि आम ग्राहक आसानी से असली और नकली में फर्क नहीं कर सकता। पुलिस जांच में सामने आया है कि अन्य राज्यों से आए व्यापारियों का एक गिरोह स्थानीय बाजारों में सक्रिय है, जो प्रीमियम ब्रांड्स के नाम पर ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवारों को सस्ते दामों में नकली सामान बेच रहे हैं।मटवाडा सर्कल इंस्पेक्टर एन. करुणाकर ने कहा कि यह केवल ब्रांड विवाद नहीं, बल्कि एक बड़ा आर्थिक अपराध है। लोग अपनी मेहनत की कमाई ऐसे उत्पादों पर खर्च करते हैं जो टिकाऊ नहीं होते और त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले रंगों का इस्तेमाल करते हैं। इससे वैध दुकानदारों को भी नुकसान होता है और सरकार को जीएसटी राजस्व का भारी नुकसान होता है।

व्यापारी संघ ने की सख्त कार्रवाई की मांग

वरंगल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नमशिवाया ने कहा कि वे 60 साल से अधिक समय से ईमानदारी से व्यापार कर रहे हैं, लेकिन पिछले 4-5 सालों में बाहरी राज्यों के कुछ व्यापारियों ने बाजार में घुसपैठ कर फर्जी ब्रांड बनाकर ग्राहकों को धोखा देना शुरू कर दिया है।छापेमारी के बाद अब वरंगल पुलिस कमिश्नरेट और जिला प्रशासन से लगातार बाजार सफाई अभियान चलाने की मांग उठ रही है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रेडमार्क एक्ट और कॉपीराइट एक्ट के तहत अधिकारियों को गैरकानूनी सामान जब्त करने और धोखाधड़ी में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने का पूरा अधिकार है।

मंत्री सीताक्का ने पूर्व सीएम केसीआर को मेदाराम जतारा में किया आमंत्रित

हैदराबाद, 09 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के मंत्रियों ने गुरुवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को विश्व प्रसिद्ध मेदाराम सम्मक्का-सरलम्मा जतारा में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया। यह जतारा विश्व के सबसे बड़े आदिवासी त्योहारों में से एक मानी जाती है।

मंत्रियों के अनुसार, केसीआर ने इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

मंत्रियों ने स्वयं केसीआर के आवास पर जाकर उन्हें मेदाराम जतारा का निमंत्रण पत्र सौंपा। मंत्री सीताक्का ने बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान सभी राजनीतिक दलों के सदन प्रमुखों को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण दिया गया था, लेकिन उस समय केसीआर से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इसी कारण बाद में उनके निवास पर जाकर निमंत्रण देने का निर्णय लिया गया।

सीताक्का ने कहा कि हम केसीआर गारू और उनकी पत्नी शोभम्मा गारू को व्यक्तिगत रूप से मेदाराम में आमंत्रित करने के लिए यहां आए हैं।

मंत्री सीताक्का ने मेदाराम जतारा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह त्योहार जनजातीय आस्था, परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है तथा इसे तेलंगाना का राजकीय त्योहार घोषित किया गया है।

उन्होंने कहा कि सम्मक्का और सरलम्मा दिव्य माताओं के रूप में पूजी जाती हैं, जो भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। मेदाराम जतारा दुनिया की सबसे बड़ी आदिवासी सभा है। यह ऐसा पर्व है जो राजनीति और क्षेत्रीय सीमाओं से परे लोगों को एकजुट करता है।

निमंत्रण के अवसर पर मंत्रियों ने केसीआर और उनकी पत्नी को पवित्र बंगाराम (गुड़) तथा वस्त्र सहित पारंपरिक भेंटें अर्पित कीं और उनसे मेदाराम महा जतारा में भाग लेने का आग्रह किया।

सीताक्का ने पुष्टि की कि हमारे निमंत्रण को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया गया है। केसीआर गारू ने कहा है कि वह मेदाराम जतारा में भाग लेंगे।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक निमंत्रण था।

उन्होंने कहा कि यह एक राजकीय त्योहार है, जिसे हम पीढ़ियों से मनाते आ रहे हैं। इस धरती की पुत्रियों के रूप में हमने केसीआर गारू को आदरपूर्वक आमंत्रित किया है।

इस दौरान मंत्रियों के साथ मुलुगु डीसीसी अध्यक्ष पैडाकला अशोक और सिद्दिपेट डीसीसी अध्यक्ष आकांक्षा रेड्डी भी केसीआर से हुई मुलाकात में उपस्थित रहीं।मेदाराम जतारा के लिए दिए गए इस निमंत्रण और केसीआर द्वारा इसमें भाग लेने के आश्वासन का श्रद्धालुओं ने स्वागत किया है। यह घटनाक्रम इस पर्व के राजनीतिक सीमाओं से परे सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

हाईकोर्ट ने ओल्ड सिटी मेट्रो का वीडियो 4 फरवरी तक माँगा

हैदराबाद, 9 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि 4 फरवरी को दोपहर 2:15 बजे ओल्ड सिटी मेट्रो रेल के प्रस्तावित रूट का वीडियो प्रदर्शन कोर्ट में किया जाए। यह आदेश एक सार्वजनिक हित याचिका (पीआईएल) के संदर्भ में आया है, जिसमें दावा किया गया है कि हैदराबाद मेट्रो रेल का कोरिडोर-6 कई संवेदनशील विरासत क्षेत्रों से होकर गुजर रहा है।

वीडियो दिखाने का वादा, तकनीकी खराबी से टला

याचिका पर पहले की सुनवाई में हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएएमआरएल) ने कहा था कि वह 8 जनवरी को वीडियो प्रस्तुत करेगा, लेकिन गुरुवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता मोहम्मद इमरान खान ने बताया कि तकनीकी कारणों से प्रस्तुति नहीं हो सकी और अतिरिक्त समय मांगा। याचिकाकर्ता के वकील इम्मनेनी रामा राव ने भी अपनी ओर से वीडियो प्रस्तुति की अनुमति मांगी।

कोर्ट ने तय की नई तिथि, विरासत संरक्षण कानूनों पर होगी बहस

इन अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहीउद्दीन की खंडपीठ ने 4 फरवरी को वीडियो प्रदर्शन की तिथि तय की। याचिका एक्ट पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन (एपीडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष मोहम्मद रहीम खान की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-2 के कोरिडोर-6 के रूट को चुनौती दी गई है, जो चारमीनार विरासत परिक्षेत्र संख्या 10, फलकनुमा विरासत परिक्षेत्र संख्या 12 और अन्य अधिसूचित विरासत क्षेत्रों से गुजरता है।

याचिका में तेलंगाना विरासत अधिनियम, 2017 और प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल अधिनियम, 1958 के तहत स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा विरासत प्रभाव आकलन (एचआईए) कराने और वैधानिक मंजूरियां लेने तक सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही, पुरानी हवेली, अज-ाखाना-ए-ज़हरा, जामा मस्जिद, दारुलशिफा और मुगलपुरा मकबरा जैसे ऐतिहासिक स्थलों को बचाने के लिए वैकल्पिक रूट तलाशने की अपील भी की गई है।

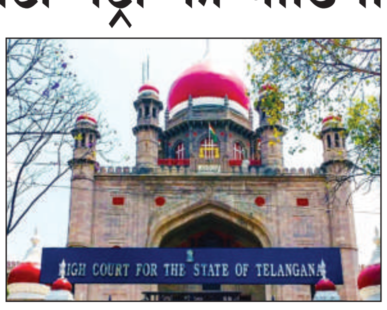

चतुर्थ पुण्यतिथि

श्रीमती मणी बाई
(धर्मपत्नी : स्व. श्री गिरधारीलालजी बड़ागाँव वाले)
वैकुण्ठवास : सोमवार, दि. 24 जनवरी, 2022
(माघ बदी सप्तमी)

इतना स्नेह दिया आपने, जिसे हम नहीं सकते भूल।
है अर्पित पावन चरणों में, अपनी श्रद्धा के दो फूल ।।

सन्निविष्टकर्ता
ईश्वरलाल, विष्णु गोपाल (जेठुते)
मुकुन्दलाल अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल (पुत्र)
नटवर, राधे, रामा, आशीष, राहुल, अनुज, निखिल (पौत्र)
आकाश, उज्वल, क्रिश, चिराग, पलकित, यक्षित (पड़पौत्र) शारदा, ललिता (पुत्री)
सरोज - शिवशंकर अग्रवाल (पुत्री - दामाद) अविनाश, संजय (दोयते)
एवं समस्त परिवार

फर्म : नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव वाले
फोन : 9396222880, 9246540960, 9247817605

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.